दैनिक नर्मदापुरम् जिले का प्रथम दैनिक K & K

RNI No.61546/95

क्षितिज किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे

नर्मदापुरम् संभाग सीहोर जिले एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-32 अंक-140 नर्मदापुरम (होशंगाबाद) शनिवार 11 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

सुप्रीम कोर्ट में वकील की बेहद शर्मनाक हरकत, जज पर फेंके कागज और गाली देते हुए बोला- 'इसे दे देना CJI को'

नई दिल्ली (ए.)। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट में उस वक्त हड़कंप मच गया जब एक याचिकाकर्ता ने कोर्ट रूम की सारी मर्यादाएं लांघते हुए भारी हंगामा किया। अपना केस खुद लड़ रहे इस शख्स ने सुनवाई के दौरान सीधे जजों को ही आदेश देना शुरू कर दिया और अपनी हदें पार करते हुए चीफ जस्टिस को सरेआम गालियां तक दे डालीं। स्थिति उस वक्त और बेकाबू हो गई जब उसने गुस्से में जजों की तरफ केस की फाइल उछाल दी। इसके तुरंत बाद सुरक्षाकर्मी हरकत में आए और उसे जबरन कोर्ट रूम से बाहर निकाल दिया गया।

सुप्रीम कोर्ट के अंदर जज भी रह गए हैरान

यह पूरी चौंकाने वाली घटना जस्टिस केवी विश्वनाथन और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच के सामने हुई। इलाहाबाद हाई कोर्ट के एक फैसले को चुनौती देने वाला यह याचिकाकर्ता जब कोर्ट में अपनी दलीलें रखने के लिए खड़ा हुआ, तो उसका रवैया बेहद आक्रामक था। उसने जजों को संबोधित करते हुए कहा कि मिस्टर ज्यूडिशियल सर्वेंट, मैं आपको लखनऊ के एसीपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने का आदेश देने का आदेश देता हूं।

उसकी इस गुस्ताखी को देखकर कोर्ट में सन्नाटा छा गया और जज भी हैरान रह गए।

याचिकाकर्ता के इस बर्ताव पर जस्टिस विश्वनाथन ने आश्चर्य जताते हुए पूछा कि क्या आप हमें आदेश दे रहे हैं? इसके जवाब में उस शख्स ने बिना किसी डर के कहा कि मेरी तरफ से बस इतना ही है और सब कुछ रिकॉर्ड में है। इतना कहने के बाद उसने पूरी केस फाइल बेंच की तरफ हवा में उछाल दी। वह यहीं नहीं रुका, बल्कि उसने खुली अदालत में भारत के मुख्य न्यायाधीश (CJI) को गालियां देनी शुरू कर दीं और कागज फेंकते हुए कहा कि इसे सीजेआई को दे देना।

पूर्व सीजेआई गवई के साथ भी हो चुकी है ऐसी अभद्रता

देश की सबसे बड़ी अदालत में जजों के साथ अभद्रता का यह कोई पहला मामला नहीं है। आज की इस घटना ने कुछ महीने पहले हुए उस वाकये की याद दिला दी, जब तत्कालीन सीजेआई बी.आर. गवई की अध्यक्षता वाली बेंच की तरफ वकील राकेश किशोर ने कथित तौर पर कोई चीज फेंकने की कोशिश की थी। हालांकि, पूर्व सीजेआई ने शुरुआत में उस वकील पर कोई कार्रवाई न करने का फैसला किया था, लेकिन बाद में अटॉर्नी जनरल आर. वेंकटरमणी की मंजूरी से उसके खिलाफ आपराधिक अवमानना की कार्यवाही शुरू की गई थी। उस दौरान सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने भी स्पष्ट किया था कि सुप्रीम कोर्ट की गरिमा और अखंडता से खिलवाड़ करने वाले ऐसे व्यवहार को किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जा सकता है।

राम मंदिर दान 'चोरी' सीबीआई जांच याचिकाओं पर सुको 13 जुलाई को सुनवाई करेगा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। भारत के चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अगुवाई वाली सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की बेंच 13 जुलाई को कोर्ट खुलने पर अयोध्या राम मंदिर दान चोरी, हेराफेरी और गबन से जुड़ी तीन याचिकाओं पर सुनवाई करेगी.दो याचिकाएं ङ्क वकील अजय कुमार राय और दिनेश कुमार यादव द्वारा और वकील सत्यम सिंह राजपूत के माध्यम से राजद सांसद सुधाकर सिंह द्वारा दायर याचिका में सीबीआई जांच की मांग की गई है.

उन्होंने तर्क दिया कि निष्पक्ष, पारदर्शी और बिना भेदभाव के जांच के लिए योगी सरकार, उत्तर प्रदेश पुलिस और राज्य एसआईटी पर भरोसा नहीं किया जा सकता. सुप्रीम कोर्ट की वेकेशन बेंच ने पिछले महीने इस मामले में तत्काल सुनवाई से मना कर दिया था, लेकिन 13 जुलाई को कोर्ट के दोबारा खुलते ही इसे सूचीबद्ध करने का भरोसा दिया था. राजद सांसद द्वारा दायर याचिका में अयोध्या राम मंदिर में कथित दान चोरी की सीबीआई जांच की मांग की गई थी.

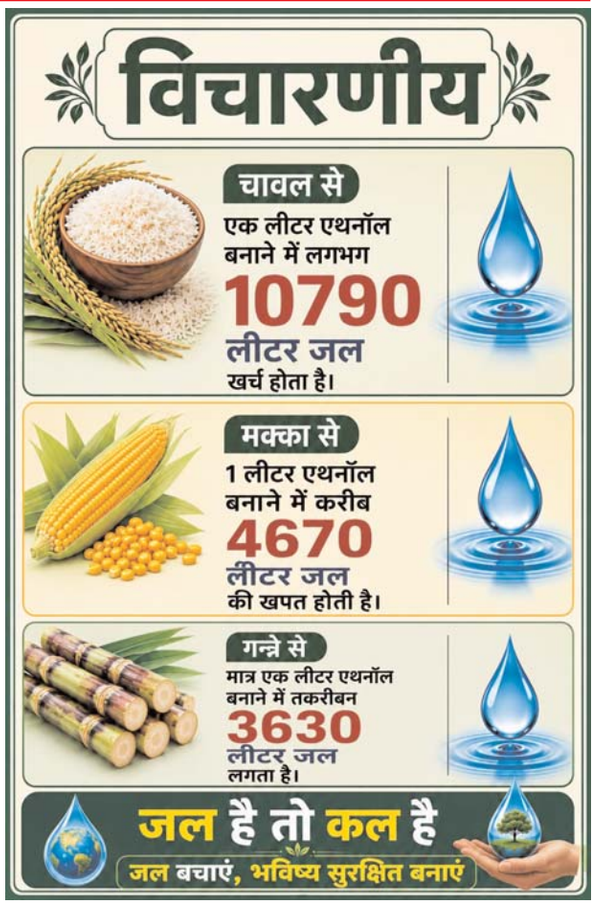

मणिपुर में छह नगा नागरिकों की हत्या का मामला, एनआईए ने दो लोगों को किया गिरफ्तार

इंफाल, (आरएनएस)। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) की अगुवाई में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) की जॉइंट टीम ने शुक्रवार सुबह 13 मई, 2026 को नगा समुदाय के छह लोगों की हत्या में शामिल होने के आरोप में दो लोगों को मणिपुर के कांगपोकपी जिले से गिरफ्तार किया हैं. दोनों गिरफ्तार आरोपी पति-पत्नी हैं. पुलिस ने यह जानकारी दी।

पुलिस के मुताबिक, विश्वस्त सूचना के आधार पर मणिपुर पुलिस, एनआईए और सीआरपीएफ (केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल) की एक संयुक्त टीम ने यह अभियान चलाया था. उसने बताया कि दोनों आरोपियों को पकड़ने के लिए शुक्रवार तड़के लेइलोन वाइफेई में अभियान शुरू किया गया. ये आरोपी नगा समुदाय के छह लोगों की हत्या में कथित तौर पर शामिल थे।

पुलिस ने बताया कि कुकी-जो बहुल गांव से आयिंगबी नामक महिला और प्रदीप नाम के पुरुष को पकड़ा गया. तोम्बा का बेटा प्रदीप लेइलोन वाइफेई गांव का रहने वाला है. वहीं, मामले में प्रदीप की पत्नी अयिंगबी को भी गिरफ्तार किया गया है. ऑपरेशन के दौरान, सुरक्षाकर्मियों ने कानूनी नियमों के मुताबिक जगह पर जरूरी तलाशी और जब्ती की कार्रवाई की।

दतिया उपचुनाव-नरोत्तम नहीं, भाजपा ने आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया

दतिया(आरएनएस)। भाजपा ने पिछला विधानसभा चुनाव हारे पूर्व गृहमंत्री नरोत्तम मिश्रा को दतिया उपचुनाव का टिकट नहीं दिया। पार्टी ने शुक्रवार को आशुतोष तिवारी को उम्मीदवार बनाया है। नाम का ऐलान होते ही दतिया में व्यापारी सड़क पर उतर आए हैं। वहीं, उपचुनाव की घोषणा के बाद से नरोत्तम मिश्रा चुनावी तैयारियों में जुटे थे। सभाएं करके अपनी पुरानी गलतियों पर माफी मांग रहे थे। उन्होंने बुधवार को नामांकन फॉर्म भी खरीद लिया था। शुक्रवार को नामांकन दाखिल करने की चर्चा थी। अब तक 13 लोगों ने नामांकन फॉर्म खरीदा है। इनमें से 4 ने जमा कर दिया है। बता दें, आशुतोष तिवारी ने 2023 में सेवढ़ा विधानसभा क्षेत्र से भाजपा का टिकट मांगा था, लेकिन यह टिकट प्रदीप अग्रवाल को दिया गया। तिवारी भाजपा के संभागीय संगठन मंत्री रह चुके हैं। इसके अलावा, वे हाउसिंग बोर्ड के चेयरमैन (कैबिनेट मंत्री के दर्जे के साथ) के पद पर भी रहे हैं।

देशभर में मानसून का कहरः उत्तर प्रदेश में 19 की मौत, उत्तराखंड में 1,000 लोग फंसे; उफान पर नदियां, कई राज्यों में जनजीवन प्रभावित

नईदिल्ली,(आरएनएस)। मानसून अब पूरे देश में छा गया है। इसी के साथ कई राज्यों में भारी बारिश ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। गुरुवार को बारिश से जुड़ी घटनाओं में अकेले उत्तर प्रदेश में 19 लोगों की मौत हो गई है। वहीं, उत्तराखंड में यमुनोत्री हाईवे बंद होने से करीब 1,000 लोग फंस गए हैं। गुजरात के सूरत जिले में पिछले कुछ दिनों में भारी बाढ़ के कारण 17 लोगों की मौत हुई है।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर में मस्जिद की दीवार गिरने से एक ही परिवार के 2 लोगों की मौत हो गई। वहीं, हरदोई में 2 बहनें नदी में बह गईं। बारिश को देखते हुए आज एहतियात के तौर पर गाजियाबाद, मेरठ, हापुड़, बुलंदशहर, बागपत, मुजफ्फरनगर, बिजनौर, सहारनपुर और मुरादाबाद में स्कूलों की छुट्टी घोषित की गई है। प्रयागराज में नदियों का जलस्तर बढ़ने लगा है। प्रशासन ने किसी भी स्थिति से निपटने के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं।

गुरुवार को दिल्ली के कई इलाकों में भारी बारिश के कारण सड़कें तालाब बन गईं, पेड़ उखड़ गए और यातायात ठप हो गया। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के अनुसार, कुछ इलाकों में 160 मिलीमीटर से ज्यादा बारिश हुई। बारिश के पानी में डूबने से 8 साल के बच्चे की मौत हो गई है। इससे पहले रोहिणी के सेक्टर 16 में इमारत गिरने से 3 लोगों की मौत हो गई थी।

उत्तराखंड के उत्तरकाशी में भूस्खलन के चलते यमुनोत्री हाईवे और गंगोत्री हाईवे लैंडस्लाइड से बंद हैं। यहां 1,000 से ज्यादा लोग फंसे हुए हैं। वहीं, बारिश के चलते 10 जिलों में स्कूलों की छुट्टी घोषित कर दी गई है। हरिद्वार में सड़कों पर 3-4 फीट पानी भर गया है। आईएमडी ने 3 जिलों में आज बारिश का रेड अलर्ट जारी किया है। ऋषिकेश में गंगा नदी का जलस्तर बढ़ने से निचले घाट डूब गए हैं।

जगन्नाथ रथ यात्रा से पहले प्रशासन अलर्ट, बिना अनुमति ड्रोन उड़ाने पर सख्त रोक

पुरी(आरएनएस)। ओडिशा के पुरी में विश्व प्रसिद्ध भगवान जगन्नाथ की रथ यात्रा 2026 को लेकर जिला प्रशासन ने सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए हैं। इस भव्य उत्सव के दौरान देश-विदेश से आने वाले लाखों श्रद्धालुओं की सुरक्षा और भारी भीड़ को देखते हुए प्रशासन ने पुरी शहर और उसके आसपास के 5 किलोमीटर के दायरे को नो फ्लाइंग जोन (No-Flying Zone) घोषित कर दिया है।

16 से 27 जुलाई तक ड्रोन पर पाबंदी

प्रशासन द्वारा जारी आधिकारिक अधिसूचना के अनुसार, रथ यात्रा, बाहुड़ा यात्रा और इससे जुड़े अन्य

सभी धार्मिक अनुष्ठानों के दौरान 16 जुलाई से 27 जुलाई 2026 तक ड्रोन या किसी भी प्रकार की मानव रहित विमान प्रणाली (UAV) के उड़ाने पर पूरी तरह से रोक रहेगी। प्रशासन का मानना है कि इतनी बड़ी भीड़ के ऊपर अनियंत्रित ड्रोन उड़ाने से सुरक्षा व्यवस्था प्रभावित हो सकती है और किसी भी अप्रिय घटना की आशंका बनी रहती है। इस पाबंदी के दौरान निजी तौर पर ड्रोन के संचालन, उड़ान और लॉन्चिंग पर पूरी तरह प्रतिबंध रहेगा। हालांकि, सुरक्षा व्यवस्था, हवाई निगरानी, सरकारी फोटोग्राफी-वीडियोग्राफी, मैपिंग और आपदा प्रबंधन जैसे जरूरी कामों के लिए अधिकृत सरकारी एजेंसियों को छूट दी जाएगी। इसके लिए भी उन्हें जिला प्रशासन और पुलिस अधीक्षक (SP) से विशेष लिखित अनुमति लेना अनिवार्य होगा।

थलापति विजय भगदड़ के बाद पहली बार करूर पहुंचे, बोले- मुझे बेहद पीड़ा हुई

चेन्नई,(आरएनएस)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय (थलापति विजय) ने पदभार संभालने के बाद पहली बार करूर का दौरा किया, जहां पिछले साल भगदड़ मचने से 41 लोगों की मौत हो गई थी। उन्होंने घटना में खुद की भूमिका का बचाव किया और पुलिस की प्रतिक्रिया पर सवाल उठाते हुए राजनीतिक साजिश की ओर इशारा किया। उन्होंने कहा, करूर भगदड़ ने मुझे अपार पीड़ा पहुंचाई है। हमने अपनी बहनों के बच्चों को खो दिया है। विजय ने कहा, पेरम्बालूर पुलिस ने हमें आगाह किया कि भीड़ बहुत ज्यादा बढ़ रही है, लेकिन करूर पुलिस ने हमें ऐसी कोई सूचना नहीं दी। वे खुद हमें कार्यक्रम स्थल तक लाए और मैंने उनकी बात पर भरोसा किया।

फेमा उल्लंघन मामले में फिल्म निर्माता धर्मेश संगानी पर ईडी की बड़ी कार्रवाई

मुंबई (आरएनएस)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा) के कथित उल्लंघन के मामले में फिल्म निर्माता एवं कारोबारी धर्मेश नरेंद्र संगानी और उनकी कंपनी कलानी इम्पेक्स प्राइवेट लिमिटेड के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। गुरुवार को ईडी की टीम ने मुंबई स्थित उनके परिसरों पर तलाशी अभियान चलाकर कई महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए। जांच अघोषित विदेशी संपत्तियों, विदेशी बैंक खातों और निर्यात से प्राप्त राशि भारत नहीं लाने के आरोपों से जुड़ी है।

ईडी के अधिकारियों के अनुसार, तलाशी के दौरान मिले दस्तावेजों और डिजिटल रिकॉर्ड से संदिग्ध अंतरराष्ट्रीय वित्तीय लेन-देन के संकेत मिले हैं। जांच में यह भी सामने आया है कि संगानी के कनाडा, अमेरिका और संयुक्त अरब अमीरात में कथित रूप से अघोषित बैंक खाते हैं। इसके अलावा कनाडा की एक कंपनी में उनकी बड़ी हिस्सेदारी होने की भी जानकारी मिली है, जिसकी संबंधित भारतीय एजेंसियों को जानकारी नहीं दी गई थी।

जांच एजेंसी का आरोप है कि विदेशी खरीदारों से प्राप्त निर्यात राशि निर्धारित अवधि के भीतर भारत नहीं लाई गई। साथ ही अधिकृत बैंक से समयसीमा बढ़ाने का अनुरोध भी नहीं किया गया, जो फेमा के प्रावधानों का उल्लंघन माना जाता है ईडी के अनुसार, तलाशी के दौरान धर्मेश संगानी ने कथित रूप से अपना मोबाइल फोन इमारत की 13वीं मंजिल से नीचे फेंक दिया, ताकि उसमें मौजूद संभावित साक्ष्य नष्ट किए जा सकें। हालांकि जांच दल ने मोबाइल बरामद कर लिया है। इस संबंध में ईडी ने मामला दर्ज कर आगे की जांच शुरू कर दी है।

रामलला के खजाने पर डाका डाल शेयर बाजार में लगाते थे पैसा, दान चोरी मामले में बड़ा खुलास

अयोध्या (आरएनएस)। रामनगरी अयोध्या में प्रभु श्रीराम के दरबार में भक्तों द्वारा चढ़ाए गए दान की चोरी मामले में एक बेहद चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। रामलला के खजाने पर डाका डालने वाले शातिर आरोपी इस चोरी के पैसे को सिर्फ ऐशो-आराम में नहीं उड़ा रहे थे, बल्कि इसे सफेद करने के लिए शेयर बाजार (Stock Market) में भी मोटा दांव खेल रहे थे। पुलिस की जांच में यह बात सामने आई है कि आरोपियों ने एक पूरी साजिश के तहत दान के काले पैसे को 'नंबर एक' बनाने का खेल रचा था। इस खुलासे के बाद पुलिस ने आरोपियों के कई रिश्तेदारों और करीबियों के खातों पर भी कड़ा शिकंजा कस दिया है।

रिश्तेदारों के खातों से खेला गया 'व्हाइट मनी' का खेल

सूत्रों के हवाले से मिली जानकारी के मुताबिक, चढ़ावे से चुराए गए कैश को आरोपी सीधे अपने खातों में जमा नहीं करते थे। पैसों का असली सोर्स छिपाने के लिए पहले इस नकदी को रिश्तेदारों और जानकारों के बैंक अकाउंट में जमा कराया जाता था। इसके बाद वही पैसा ट्रांसफर के जरिए आरोपियों के निजी खातों में पहुंचता था, ताकि इसे पूरी तरह से वैध कमाई दिखाया जा सके। इस गोरखधंदे का पर्दाफाश होने के बाद

पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपियों के दोस्तों और रिश्तेदारों के करीब दो दर्जन बैंक खातों को फ्रीज कर दिया है। इसके अलावा, पुलिस अब इस एंगल से भी जांच कर रही है कि चुराया गया सोना किन स्थानीय सर्राफा कारोबारियों द्वारा गलाया जाता था।

गिनती से पहले ही गायब हो जाते थे नोट, सोने की चेन और कार बरामद

इस महाघोटाले में एक और हैरान करने वाली बात यह सामने आई है कि शातिर आरोपी दान के पैसों की आधिकारिक गिनती शुरू होने से पहले ही बड़ी चालाकी से नोटों की गड्डियां छिपा लेते थे। पुलिस ने गहन पूछताछ के बाद मुख्य आरोपियों अनुकल्प, लवकुश और करुणेश की निशानदेही पर भारी मात्रा में कैश, सोने की चेन, मोबाइल और एक लग्जरी कार बरामद कर जब्त कर ली है। पकड़े गए तीनों मुख्य आरोपियों को पुलिस की पूछताछ के बाद अदालत में पेश कर जेल भेजा जा चुका है।

राम मंदिर चढ़ावा घोटाला क्या है और कौन हैं इसके 8 किरदार?

गौरतलब है कि अयोध्या के भव्य राम मंदिर में श्रद्धालुओं द्वारा दानपात्रों में डाले गए चढ़ावे की चोरी का यह गंभीर मामला इसी साल जून (2026) में पहली बार सुर्खियों में आया था। पुलिस इस हाई-प्रोफाइल मामले में अब तक 8 आरोपियों को गिरफ्तार कर चुकी है, जिनके प्रोफाइल ने सबको चौंका दिया है। इन शातिर आरोपियों में मंदिर ट्रस्ट से जुड़े चंपत राय का निजी ड्राइवर टिन्नू यादव, आउटसोर्सिंग कर्मचारी अनुकल्प मिश्रा, ऑटोमोबाइल मैकेनिक लवकुश मिश्रा और एक प्राइमरी स्कूल का टीचर अविनाश शुक्ला शामिल हैं। इनके अलावा, कैश संभालने की अहम जिम्मेदारी उठाने वाला संविदा कर्मचारी रामशंकर मिश्रा, हाउसकीपिंग का काम देखने वाला मनीष यादव, चंदा गिनने वाला संविदाकर्मी करुणेश पांडेय और एक रिटायर्ड कर्मचारी सुभाष चंद्र श्रीवास्तव भी इस चोरी के बड़े किरदार निकले हैं, जिन्होंने आस्था के नाम पर इस भयंकर धोखे को अंजाम दिया।

नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान को जनआंदोलन का स्वरूप दें : डीजीपी कैलाश मकवाणा

सभी जोन, रेंज एवं जिलों के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से दिए विस्तृत दिशा-निर्देश प्रत्येक जिले में अंतर्विभागीय समन्वय एवं प्रभावी जनभागीदारी पर विशेष जोर

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा 15 जुलाई से 30 जुलाई 2026 तक संचालित किए जाने वाले राज्यव्यापी नशामुक्ति जन-जागरूकता अभियान नशे से दूरी है जरूरी 2.0 के प्रभावी क्रियान्वयन एवं व्यापक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने आज वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से प्रदेश के सभी जोनल अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक, पुलिस महानिरीक्षक, रेंज उप पुलिस महानिरीक्षक, भोपाल एवं इंदौर के पुलिस आयुक्त, समस्त जिला पुलिस अधीक्षक, रेल पुलिस अधीक्षक, पुलिस अधीक्षक पीटीएसतथा समस्त सेनानी विसबल की बैठक ली। बैठक में अभियान की विस्तृत कार्ययोजना एवं दिन-प्रतिदिन आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की जानकारी दी गई।पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि मध्यप्रदेश पुलिस का नशे से दूरी है जरूरी 2.0 अभियान भारत सरकार के गृह मंत्रालय द्वारा जारी "Vision Document on Narcotics Control 2026-29 की भावना एवं उद्देश्यों के अनुरूप संचालित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि मादक पदार्थों के विरुद्ध प्रभावी कार्रवाई (Enforcement), सिंथेटिक ड्रग्स एवं प्रीकर्सर के नियंत्रण, नशे की मांग में कमी (Demand Reduction), व्यापक जन-जागरूकता, सामाजिक सहभागिता तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को इस अभियान का प्रमुख आधार बनाया गया है। अभियान के माध्यम से कानून प्रवर्तन के साथ-साथ समाज में नशे के प्रति जागरूकता और व्यवहार परिवर्तन पर भी विशेष बल दिया जाएगा। पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने कहा कि अभियान को केवल औपचारिक कार्यक्रम तक सीमित न रखते हुए इसे समाज के प्रत्येक वर्ग की सक्रिय भागीदारी से जनआंदोलन का स्वरूप दिया जाए।उन्होंने कहा कि वर्ष 2025 में आयोजित नशे से दूरी है जरूरी अभियान को प्रदेशभर में अभूतपूर्व जनसमर्थन मिला था और लाखों नागरिकों की सहभागिता से यह एक सफल जनअभियान बना था।

उन्होंने अधिकारियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि रिकॉर्ड टूटने के लिए ही बनते हैं। इस वर्ष हमें पिछले अभियान से भी अधिक प्रभावी, व्यापक और परिणामोन्मुखी अभियान चलाना है। प्रत्येक जिला अपने नवाचारों, जनसहभागिता और सकारात्मक प्रयासों से नए कीर्तिमान स्थापित करे। उन्होंने कहा कि इस अभियान की सफलता का वास्तविक पैमाना समाज में नशे के प्रति जागरूकता बढ़ाना और अधिकाधिक लोगों को इससे दूर रहने के लिए प्रेरित करना होगा।

मुख्य सचिव अनुराग जैन ने मंत्रालय से स्वच्छ भारत मिशन के क्रियान्वयन के लिए सुप्रीम कोर्ट द्वारा जारी गाइड लाइन के संबंध में वीडियो कॉफ्रेंसिंग कर आवश्यक निर्देश दिये

आईएमआर और एमएमआर में कमी लाने के लिए जमीनी स्तर पर अभियान चलाकर परिणामोन्मुखी कार्य करें : संभागायुक्त श्री शर्मा

संभागायुक्त ने महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग की संयुक्त बैठक ली

भोपाल (निप्र)। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने कहा कि शिशु मृत्यु दर और मातृ मृत्यु दर को न्यूनतम स्तर पर लाने के लिए संबंधित विभाग एकीकृत रूप से कार्य करें। उन्होंने कहा कि अधिकारी जमीनी स्तर पर अभियान चलाकर सकारात्मक परिणाम सुनिश्चित करें। श्री शर्मा ने 14 जुलाई से प्रारंभ होने वाले दस्तक अभियान में महिला एवं बाल विकास तथा स्वास्थ्य विभाग को विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। संभागायुक्त श्री शर्मा ने संभागायुक्त कार्यालय सभाकक्ष में शुक्रवार को महिला एवं बाल विकास विभाग एवं स्वास्थ विभाग की संयुक्त बैठक में ये निर्देश दिए। बैठक में संयुक्त आयुक्त विनोद यादव, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त संचालक सहित सभी संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे। संभागायुक्त श्री शर्मा ने निर्देश दिए कि मैदानी स्तर पर समन्वय को सुदृढ़ करने के लिए जिला स्तर पर सीडीपीओ-बीएमओ तथा डीपीओ-सीएमएचओ की संयुक्त बैठक आयोजित की जाए। उन्होंने ग्राम आरोग्य केंद्रों पर पदस्थ आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता और एएनएम के मध्य कर आपसी सामंजस्य बेहतर बनाने पर बल दिया, जिससे एक ही कार्यक्षेत्र में साझा लक्ष्यों को पूरी निष्ठा से प्राप्त किया जा सके।

मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग ने राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ की समीक्षा

भोपाल,(ए.)। राज्य वित्त आयोग ने शुक्रवार को मंत्रालय में राजस्व विभाग, की समीक्षा बैठक ली। प्रदेश में पंचायती राज संस्थाओं एवं नगरीय निकायों को वित्तीय रूप से स्वाबलंबी बनाने एवं स्वयं के आय के स्त्रोत सृजित करने में राजस्व विभाग की भूमिका के संबंध में राजस्व विभाग के साथ समीक्षा की। आयोग के अध्यक्ष जयभान सिंह पवैया की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक में स्थानीय निकायों की वित्तीय स्थिति, राजस्व स्रोतों और बजटीय प्रबंधन को लेकर मैराथन मंथन हुआ। आयोग के अध्यक्ष श्री पवैया ने इस बात पर विशेष जोर

दिया कि ग्राम पंचायतों और शहरी निकायों की दीर्घकालिक वित्तीय सुदृढ़ता के लिए एक ठोस रोडमैप तैयार किये जाने में उनकी भूमिका को बढ़ाने की संभावनाओं पर विचार किया जाय। अध्यक्ष श्री पवैया ने स्थानीय निकायों को गौशालाओं, सौर ऊर्जा को विकसित करने, वाणिज्यिक एवं आवासीय भवनों के लिये भूमि उपलब्ध कराने की संभावनाओं पर भी विचार किया गया। बैठक में विभागीय अधिकारी ने शासन की नीति तथा इन विषयों पर भविष्य की संभावनाओं की जानकारी आयोग को दी। आयोग द्वारा यह स्पष्ट किया गया कि स्थानीय निकायों की केवल अनुदानों पर निर्भरता को कम कर उन्हें वित्तीय रूप से आत्मनिर्भर बनाना होगा।

भोपाल मेट्रो में 75 मिनट का लंबा इंतजार होगा खत्म! ट्रेनों की संख्या और फेरे बढ़ाने की तैयारी, 7 महीने के डेटा का एनालिसिस शुरू

भोपाल,(ए.)। भोपाल मेट्रो के सुभाष नगर से लेकर एम्स मेट्रो स्टेशन तक के सात किलोमीटर लंबे प्रायोरिटी कॉरिडोर पर ट्रेनों की संख्या और उनके फेरे बढ़ाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए पिछले सात महीनों के यात्री डेटा का बारीकी से एनालिसिस किया जा रहा है, ताकि यात्रियों की जरूरत के हिसाब से नया शेड्यूल तैयार किया जा सके।मेट्रो प्रबंधन फिलहाल सीएमआरएस (CMRS) टीम की ओके रिपोर्ट का इंतजार कर रहा है। बीते दिनों सीएमआरएस की टीम ने प्रायोरिटी कॉरिडोर पर सिग्नलिंग सिस्टम और सुरक्षा मानकों की जांच की थी। उम्मीद जताई जा रही है कि यह रिपोर्ट 15 जुलाई तक आ सकती है। इस रिपोर्ट के आते ही ट्रेनों की संख्या बढ़ाने का रास्ता साफ हो जाएगा, जिसके मद्देनजर अधिकारियों ने एडवांस में तैयारियां शुरू कर दी हैं। वर्तमान में भोपाल मेट्रो में रोजाना सफर करने वाले यात्रियों की संख्या करीब 100 से 150 के बीच ही है। यात्रियों की संख्या कम होने की मुख्य वजह ट्रेनों का लंबा अंतराल है। अभी सुभाष नगर से एम्स के बीच 75 मिनट की फ्रीक्वेंसी पर सिर्फ एक ट्रेन चलाई जा रही है। इतना लंबा इंतजार होने के कारण लोग मेट्रो में सफर करने से बच रहे हैं। हालांकि, सुभाष नगर डिपो में 10 मेट्रो ट्रेनें पिछले एक-डेढ़ साल से खड़ी धूल खा रही हैं।

विद्युत उपभोक्ताओं को बड़ी राहतः कॉल सेंटर सेवाओं का विस्तार

1912 के साथ ही नया संपर्क नंबर 0755-4314165 हुआ शुरू

भोपाल (ए.)। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने बिजली उपभोक्ताओं को अधिक सुविधाजनक, त्वरित एवं निर्बाध सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में कॉल सेंटर सेवाओं का विस्तार किया है। उपभोक्ताओं की बढ़ती आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए कॉल सेंटर की क्षमता बढ़ाने के लिए अतिरिक्त SIP चैनल जोड़े गए हैं। साथ ही एयरटेल नेटवर्क के माध्यम से नया संपर्क नंबर 0755-4314165 भी प्रारंभ किया गया है। अब उपभोक्ता बीएसएनएल के टोल-फ्री नंबर 1912 के अतिरिक्त 0755-4314165 पर भी कॉल कर विद्युत आपूर्ति, बिल एवं स्मार्ट मीटर संबंधी शिकायत दर्ज कराने के साथ ही शिकायत की स्थिति तथा अन्य बिजली संबधी जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। यदि किसी कारणवश बीएसएनएल के टोल-फ्री नंबर 1912 पर संपर्क स्थापित नहीं हो पाता है, तो उपभोक्ता 0755-4314165 पर संपर्क कर कॉल सेंटर की सेवाओं का लाभ ले सकते हैं।

राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी के सहयोग से जेल विभाग की ऐतिहासिक पहल

बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन के लिए प्रदेश में विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश जेल विभाग ने बंदियों के समग्र स्वास्थ्य संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए मानसिक स्वास्थ्य प्रबंधन का विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया है। महानिदेशक जेल डॉ. वरुण कपूर के मार्गदर्शन में राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी (आर.आर.यू.), गांधीनगर, गुजरात के सहयोग से आयोजित यह सात दिवसीय प्रशिक्षण भोपाल स्थित क्षेत्रीय जेल प्रबंधन एवं शोध संस्थान में संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण का उद्देश्य जेलों में निरुद्ध बंदियों के मानसिक स्वास्थ्य की पहचान, संरक्षण, परामर्श एवं प्राथमिक उपचार की व्यवस्था को अधिक प्रभावी और व्यवस्थित बनाना है। महानिदेशक जेल डॉ. कपूर ने प्रशिक्षण कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि बंदियों के स्वास्थ्य की सुरक्षा जेल विभाग की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

भोपाल में निगम की दुकानों के ऊपर बन रहे पार्षद के कार्यालय पर चला बुलडोजर

- वार्ड-62 के भाजपा पार्षद राजेश चौकसे बोले- कमिश्नर से मौखिक अनुमति ली थी, फिर भी हुई कार्रवाई

भोपाल, (निप्र.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के आनंद नगर क्षेत्र में नगर निगम की शासकीय दुकानों के ऊपर बनाए जा रहे निजी कार्यालय पर शुक्रवार सुबह नगर निगम ने बुलडोजर कार्रवाई करते हुए निर्माण ध्वस्त कर दिया। यह निर्माण वार्ड-62 के भाजपा पार्षद राजेश चौकसे द्वारा कराया जा रहा था। पार्षद का दावा है कि उन्होंने नगर निगम आयुक्त संस्कृति जैन से मौखिक अनुमति लेने के बाद ही निर्माण कार्य शुरू कराया था, लेकिन इसके बावजूद निगम ने कार्रवाई कर दी।

नगर निगम की बिल्डिंग परमिशन शाखा ने पुलिस बल की मौजूदगी में आनंद नगर चौराहे के पास स्थित निगम की दुकानों के ऊपर किए जा रहे निर्माण को अवैध बताते हुए ध्वस्तीकरण की कार्रवाई की। इस दौरान करीब 450 वर्गफुट क्षेत्र में बने निर्माण को हटाया गया। नगर निगम के अनुसार, इस कार्रवाई से लगभग 30 लाख रुपये मूल्य की शासकीय भूमि एवं संपत्ति को अतिक्रमण से मुक्त कराया गया। निगम ने कहा कि सरकारी संपत्तियों पर किसी भी प्रकार का अवैध निर्माण या अतिक्रमण स्वीकार्य नहीं है और ऐसे मामलों में नियमानुसार सख्त कार्रवाई आगे भी जारी रहेगी। ध्वस्तीकरण के दौरान पार्षद राजेश चौकसे भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि सड़क चौड़ीकरण के दौरान उनका पुराना कार्यालय हट गया था। इसके बाद क्षेत्र के नागरिकों की समस्याएं सुनने और जनसंपर्क के लिए वे निगम की दुकानों के ऊपर कार्यालय बनवा रहे थे। चौकसे का कहना है कि इस संबंध में उन्होंने नगर निगम आयुक्त से चर्चा की थी और मौखिक सहमति मिलने के बाद ही निर्माण कराया, लेकिन शुक्रवार सुबह बिना किसी पूर्व सूचना के निगम की टीम पहुंची और निर्माण को ध्वस्त कर दिया।

भोपाल मास्टर प्लान पर दिशा बैठक में हंगामा, कांग्रेस विधायक बैठक से बाहर निकले

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल के बहुप्रतीक्षित मास्टर प्लान को लेकर शुक्रवार को जिला विकास समन्वय एवं निगरानी समिति (दिशा) की बैठक में जमकर हंगामा हुआ।मास्टर प्लान लागू नहीं होने का मुद्दा उठाते हुए कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद और आतिफ अकील ने बैठक की उपयोगिता पर सवाल खड़े किए। इस दौरान फंदा जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत से उनकी तीखी नोकझोंक हो गई। विवाद बढ़ने पर दोनों विधायक बैठक का बहिष्कार कर बाहर निकल गए।

बैठक की अध्यक्षता सांसद आलोक शर्मा ने की। एजेंडे पर चर्चा के दौरान कांग्रेस विधायकों ने कहा कि जब तक भोपाल का नया मास्टर प्लान लागू नहीं होता, तब तक विकास कार्यों की समीक्षा करने वाली बैठकों का अपेक्षित औचित्य नहीं है। इसी दौरान फंदा जनपद पंचायत अध्यक्ष प्रमोद सिंह राजपूत के हस्तक्षेप पर दोनों विधायकों ने आपत्ति जताते हुए कहा कि उनकी चर्चा सांसद से हो रही है और बीच में हस्तक्षेप उचित नहीं है। इसके बाद दोनों पक्षों के बीच तीखी बहस शुरू हो गई और बैठक का माहौल करीब दस मिनट तक तनावपूर्ण बना रहा।नाराज कांग्रेस विधायकों ने कहा कि यदि उनकी बात गंभीरता से नहीं सुनी जानी है तो उन्हें बैठक में बुलाने का कोई औचित्य नहीं है। इसके बाद दोनों विधायक बैठक छोड़कर बाहर चले गए। सांसद आलोक शर्मा ने उन्हें रोकने और चर्चा जारी रखने का प्रयास किया, लेकिन वे वापस नहीं लौटे।

मास्टर प्लान पर मुख्यमंत्री से करेंगे चर्चा

बैठक के बाद सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि भोपाल के सुव्यवस्थित और दीर्घकालीन विकास के लिए मास्टर प्लान का जल्द लागू होना आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में वे शीघ्र मुख्यमंत्री से मुलाकात कर मास्टर प्लान को लागू कराने का आग्रह करेंगे।

स्मार्ट सिटी पर सत्ता और विपक्ष एक सुर में

बैठक में स्मार्ट सिटी परियोजना की कार्यप्रणाली भी निशाने पर रही। भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी ने कहा कि बड़े-बड़े निर्माण कार्य तो हुए, लेकिन कई परिसरों में अब भी मूलभूत सुविधाओं का अभाव है। उन्होंने व्यावसायिक प्लॉटों का आकार छोटा करने का सुझाव देते हुए कहा कि इससे उनकी बिक्री बढ़ेगी और परियोजना को अधिक राजस्व मिलेगा। महापौर मालती राय ने स्मार्ट सिटी क्षेत्र में स्ट्रीट लाइटों की शिकायतों के समय पर निराकरण नहीं होने का मुद्दा उठाया। इस पर कलेक्टर एवं स्मार्ट सिटी बोर्ड के अध्यक्ष प्रियंक मिश्रा ने अलग समीक्षा बैठक कर सभी समस्याओं के समाधान का भरोसा दिया।सांसद आलोक शर्मा ने कहा कि विभिन्न विभागों के बीच समन्वय की कमी के कारण कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने पूरे प्रोजेक्ट के लिए एक नोडल एजेंसी गठित करने का सुझाव दिया। इस दौरान कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद ने भी भाजपा विधायक भगवानदास सबनानी द्वारा उठाए गए मुद्दों का समर्थन करते हुए कहा कि जनप्रतिनिधियों द्वारा बताई गई समस्याओं का प्रशासन को गंभीरता से समाधान करना चाहिए।

भोजपाल वेटलैंड प्राधिकरण का प्रस्ताव पारित

बैठक में भोजपाल वेटलैंड प्राधिकरण के गठन का प्रस्ताव भी पारित किया गया।

प्रस्ताव के अनुसार संभागायुक्त को प्राधिकरण का अध्यक्ष बनाया जाए तथा भोपाल और सीहोर के कलेक्टर, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी और जनप्रतिनिधियों को इसमें शामिल किया जाए। प्रस्ताव राज्य सरकार को भेजा जाएगा। साथ ही भोपाल को वेटलैंड सिटी घोषित करने की भी अनुशंसा की गई।

शासकीय आईटीआई में महिला प्रशिक्षणार्थियों को प्रशिक्षण शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट

बेटियों को आत्मनिर्भर और रोजगारोन्मुख बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल : मंत्री श्री टेटवाल

भोपाल (निप्र)। कौशल विकास एवं रोजगार विभाग द्वारा प्रदेश की बेटियों को कौशल विकास से जोड़ने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। मध्यप्रदेश शासन ने शैक्षणिक सत्र 2026 से प्रदेश के सभी शासकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में प्रवेश लेने वाली महिला प्रशिक्षणार्थियों के प्रशिक्षण शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट देने का निर्णय लिया है। मध्यप्रदेश राज्य कौशल विकास एवं रोजगार बोर्ड द्वारा जारी आदेश के अनुसार यह व्यवस्था प्रदेश के सभी शासकीय आईटीआई में लागू होगी।नई व्यवस्था के अनुसार महिला प्रशिक्षणार्थियों को प्रथम वर्ष के प्रवेश शुल्क में सीधे 1,335 रुपए की बचत होगी। अब प्रथम वर्ष का कुल शुल्क 4,755 रुपए होगा, जबकि पहले यह 6,090 रुपए था। यह रियायत शैक्षणिक सत्र 2026 से प्रवेश लेने वाली सभी महिला प्रशिक्षार्थियों को प्रदेश के समस्त शासकीय आईटीआई में उपलब्ध होगी। राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कौशल विकास एवं रोजगार गौतम टेटवाल ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश सरकार बेटियों को गुणवत्तापूर्ण कौशल प्रशिक्षण उपलब्ध कराने और उन्हें रोजगार एवं स्वरोजगार के लिए सक्षम बनाने के उद्देश्य से लगातार कार्य कर रही है। प्रशिक्षण शुल्क में 25 प्रतिशत की छूट का यह निर्णय अधिक से अधिक बेटियों को आईटीआई में प्रवेश लेकर तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा कि आर्थिक तंगी किसी भी बेटी के कौशल विकास में बाधा नहीं बने, इसी सोच के साथ यह निर्णय लिया गया है।

वक्फ बोर्ड में गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति के विरोध में ताजुल मसाजिद के बाहर प्रदर्शन

जुमे की नमाज के बाद काली पट्टी बांधकर जताया विरोध, नियुक्ति वापस लेने की मांग, मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश वक्फ बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति के विरोध में शुक्रवार को राजधानी भोपाल की ताजुल मसाजिद के बाहर जुमे की नमाज के बाद मुस्लिम समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने काली पट्टी बांधकर विरोध दर्ज कराया और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की तस्वीर वाले पोस्टर लेकर नियुक्ति वापस लेने की मांग की। इस दौरान मुख्यमंत्री के खिलाफ नारेबाजी भी की गई। पुलिस की मौजूदगी में प्रदर्शन शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ। प्रदर्शनकारियों के हाथों में ऐसे पोस्टर थे, जिनमें दावा किया गया कि वक्फ संशोधन कानून के बाद मध्यप्रदेश पहला राज्य है, जहां वक्फ बोर्ड में दो गैर-मुस्लिम सदस्यों को शामिल किया गया है। पोस्टरों पर नॉन मुस्लिमों की एंट्री बैन करो, वक्फ में तानाशाही नहीं चलेगी और वक्फ हमारी आस्था का केंद्र है जैसे नारे लिखे थे। प्रदर्शन में शामिल अब्बास खान ने कहा कि वह जुमे की नमाज अदा करने आए थे और बाहर प्रदर्शन देखकर उसमें शामिल हो गए। उन्होंने मांग की कि वक्फ बोर्ड में नियुक्त दोनों गैर-मुस्लिम सदस्यों की नियुक्ति तत्काल निरस्त की जाए। प्रदर्शन में शामिल अन्य लोगों ने आरोप लगाया कि सरकार वक्फ से जुड़े मामलों में एकतरफा निर्णय ले रही है। उनका कहना था कि वक्फ मुस्लिम समाज की धार्मिक और सामाजिक संस्थाओं से जुड़ा विषय है, इसलिए इससे संबंधित निर्णय समुदाय की भावनाओं को ध्यान में रखकर लिए जाने चाहिए। कुछ प्रदर्शनकारियों ने मुस्लिम धार्मिक नेतृत्व की चुप्पी पर भी सवाल उठाए। उनका कहना था कि इस मुद्दे पर सभी जिम्मेदार उलेमा और धार्मिक पदाधिकारियों को खुलकर अपनी राय रखनी चाहिए थी। प्रदर्शनकारियों ने चेतावनी दी कि यदि उनकी मांगों पर ध्यान नहीं दिया गया तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

राज्य वित्त आयोग की अनुशंसाओं के लिए जमीनी सुझाव महत्वपूर्ण : अध्यक्ष श्री पवैया

संभागीय समीक्षा बैठक में राजस्व बढ़ाने के दिये गये सुझाव, नवाचारों पर की गई चर्चा

जबलपुर (आरएनएस)। छठवें राज्य वित्त आयोग के अध्यक्ष श्री जयभान सिंह पवैया ने कहा कि 73वें एवं 74वें संविधान संशोधन के तहत गठित राज्य वित्त आयोग एक संवैधानिक संस्था है, जिसका उद्देश्य पंचायतों एवं नगरीय निकायों को वित्तीय संसाधनों का निष्पक्ष एवं पारदर्शी वितरण सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि आयोग अगले पांच वर्षों के लिए अपनी अनुशंसाएं तैयार कर रहा है, जिनके आधार पर राज्य की संचित निधि से स्थानीय निकायों को दिए जाने वाले अनुदान का निर्धारण किया जाएगा। अध्यक्ष श्री पवैया ने गुरुवार को जबलपुर कलेक्टर कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित मध्यप्रदेश राज्य वित्त आयोग की संभागीय समीक्षा बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने अधिकारियों से जिलों की वित्तीय स्थिति, अनुदान राशि के उपयोग, स्व-राजस्व वृद्धि के प्रयासों तथा स्थानीय स्तर पर किए गए नवाचारों की जानकारी प्राप्त की।

श्री पवैया ने अधिकारियों से कहा कि वे केवल प्रस्तुतिकरण तक सीमित न रहें, बल्कि ऐसे सफल मॉडल भी साझा करें, जिनसे स्थानीय निकायों ने स्वयं आय अर्जित की हो।राज्य वित्त आयोग की बैठक में संभागायुक्त धनंजय सिंह सहित सभी जिलों के कलेक्टर, जिला मुख्यालयों के नगर निगम के आायुक्त एवं नगर पालिका परिषदों के मुख्य नगर पालिका अधिकारी और जिला पंचायत के सीईओ ने स्थानीय निकायों की आय बढ़ाने, वित्तीय संसाधनों को मजबूत करने और आधारभूत विकास कार्यों को गति देने के लिए अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए। बैठक में राजस्व बढ़ाने, जीआईएस आधारित संपत्ति सर्वे, पर्यटन विकास, जल जीवन मिशन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, सौर उर्जा और वित्त आयोग की राशि के बेहतर उपयोग पर विशेष चर्चा हुई।

चोरी के डर से कुएं से मोटरपंप निकालते युवक को लगा करंट, मौत

अनूपपुर, (आरएनएस)। मध्यप्रदेश के अनूपपुर जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्राम सेंदुरी में गुरुवार की रात कुएं से मोटरपंप निकालते समय करंट लगने से 30 वर्षीय युवक हीरालाल बैगा पुत्र लालमन बैगा की मृत्यु हो गई। चोरी की आशंका के चलते युवक रात में मोटरपंप बाहर निकाल रहा था। शुक्रवार सुबह जिला चिकित्सालय में पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।पत्नी कविता बैगा ने बताया कि घर के पीछे स्थित बाड़ी के पुराने कुएं में मोटरपंप लगा था। गुरुवार की सुबह हीरालाल ने सब्जी की फसल की सिंचाई की थी। रात में चोरी की आशंका के कारण मोटरपंप निकालने कुएं पर गया था। कविता बैगा के अनुसार, उसी समय उनकी ननद बाड़ी की ओर जा रही थी। उसने हीरालाल को कुएं के पास जमीन पर पड़ा देखा और शोर मचाकर परिवार को बुलाया।

मंत्री श्री तुलसीराम सिलावट ने छह ग्राम पंचायतों को पेयजल टैंकर किए वितरित

ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को मिलेगा सशक्त आधार

इन्दौर (आरएनएस)। प्रदेश के जल संसाधन मंत्री तुलसीराम सिलावट ने आज अपने इंदौर स्थित निज निवास कार्यालय पर ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़ बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल करते हुए छह ग्राम पंचायतों को लगभग 10 लाख रुपये की लागत के पेयजल टैंकर वितरित किए। इन टैंकरों के माध्यम से ग्राम पंचायतों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित करने के साथ-साथ सामाजिक, धार्मिक एवं सार्वजनिक आयोजनों के दौरान भी आवश्यकतानुसार पेयजल उपलब्ध कराया जा सकेगा।

मंत्री श्री सिलावट ने इस अवसर पर ग्राम पंचायत केलोदहाला, सेमलिया रायमल, खुदेल बुजुर्ग, बिलोदा नायता, पंचोला एवं शाहदा के सरपंचों एवं प्रतिनिधियों को पेयजल टैंकरों की चाबियां सौंपीं। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में नागरिकों को मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है। सरकार गांवों में आधारभूत सुविधाओं के विकास और जनकल्याण के लिए निरंतर कार्य कर रही है।

उन्होंने कहा कि वर्षभर ग्रामीण क्षेत्रों में सामाजिक, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोगों की सहभागिता रहती है। ऐसे अवसरों पर पेयजल की पर्याप्त व्यवस्था एक महत्वपूर्ण आवश्यकता होती है। इसके अतिरिक्त गर्मी के मौसम अथवा अन्य परिस्थितियों में यदि किसी क्षेत्र में पेयजल की आवश्यकता उत्पन्न होती है तो ये टैंकर त्वरित रूप से उपयोग में लाए जा सकेंगे। इससे ग्राम पंचायतों की कार्यक्षमता बढ़ेगी तथा आम नागरिकों को समय पर पेयजल उपलब्ध कराने में सुविधा होगी। मंत्री श्री सिलावट ने ग्राम पंचायतों के प्रतिनिधियों से अपेक्षा की कि वे इन टैंकरों का उपयोग पूरी जिम्मेदारी , पारदर्शिता एवं जनहित की भावना के साथ करें, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक इसका लाभ पहुंच सके। उन्होंने कहा कि स्थानीय स्तर पर उपलब्ध संसाधनों का प्रभावी उपयोग ग्रामीण विकास को नई गति प्रदान करेगा तथा ग्राम पंचायतें आत्मनिर्भर एवं अधिक सक्षम बनेंगी। इस अवसर पर हुकुम पटेल , कमल पटेल, मुकेश पटेल, संतोष पटेल, शिवपाल सिंह चावड़ा, सरपंच जितेन्द्र डोडिया, रुघनाथ सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं पंचायत प्रतिनिधि उपस्थित थे।

सतना के शिवसागर गांव में तेंदुए का हमला, बाड़े में घुसकर नौ भेड़ों को मार डाला

सतना,(आरएनएस)। मध्य प्रदेश के सतना जिले के कोठी क्षेत्र के शिवसागर गांव में तेंदुए के हमले से ग्रामीणों में दहशत फैल गई। गुरुवार-शुक्रवार की दरमियानी रात तेंदुआ एक बाड़े में घुस गया और वहां बंधी नौ भेड़ों को अपना शिकार बना लिया। घटना की सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम मौके पर पहुंचकर जांच में जुट गई।जानकारी के अनुसार, शिवसागर निवासी रामसुखी पाल ने अपनी भेड़ों को रात में घर के पास बने बाड़े में बांध रखा था। देर रात तेंदुआ बाड़े में घुस आया और एक-एक कर नौ भेड़ों को मार डाला। शुक्रवार सुबह परिजनों ने बाड़े में पहुंचकर भेड़ों के शव देखे, जिसके बाद गांव में हड़कंप मच गया। सूचना फैलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीण मौके पर एकत्र हो गए। शुक्रवार को सूचना मिलने पर मझगवां वन परिक्षेत्र की टीम ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर मिले पंजों के निशानों और अन्य साक्ष्यों का परीक्षण किया।

योगिनी एकादशी पर खाटूश्याम मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब, जय श्री श्याम के जयकारों से गूंजा परिसर

राजगढ़, (आरएनएस)। मध्य प्रदेश के राजगढ़ जिले के ब्यावरा शहर में हाइवे स्थित बाबा खाटूष्याम मंदिर में योगिनी एकादशी के पावन अवसर पर शुक्रवार को श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही दर्शन-पूजन के लिए भक्तों की लंबी कतारें लगी रहीं। पूरे दिन मंदिर परिसर जय श्रीश्याम के जयकारों, भजन-कीर्तन और श्रद्धा के उल्लास से गूंजता रहा।एकादशी के विशेष पर्व पर मंदिर समिति द्वारा बाबा खाटूष्याम को उज्जैन से मंगवाए गए 51 किलो ताजे फूलों से सजाया गया। श्रद्धालुओं ने भगवान खाटूश्याम के दर्शन कर सुख-समृद्धि और परिवार की खुशहाली की कामना की। मंदिर परिसर को आकर्षक फूलों और रंग-बिरंगी विद्युत सजावट से सजाया गया था, जिससे पूरा परिसर भक्तिमय वातावरण में रंगा नजर आया। महिलाओं, युवाओं और बच्चों सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचे। शहर के अलग-अलग क्षेत्रों और ग्रामों से श्याम भक्त ढ़ोल-नगाड़ों और भजनों की धुन पर नाचते-गाते हुए निषान यात्रा लेकर मंदिर पहुंचे। मंदिर में विशेष पूजा-अर्चना, अभिषेक और आरती का आयोजन किया गया। भक्तों ने भजनों पर झूमते हुए बाबा श्याम की भक्ति का आनंद लिया।

व्यापार समाचार

शेयर बाजार में पैसों की बारिश, सिर्फ 2 मिनट में निवेशकों ने छापे 4.59 लाख करोड़ रुपए

मुंबई (आरएनएस)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को दलाल स्ट्रीट पर मानों पैसों की सुनामी आ गई। बाजार खुलते ही निवेशकों की झोली पैसों से भर गई और महज 120 सेकंड के भीतर ही शेयर बाजार के निवेशकों ने 4.59 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का बंपर मुनाफा कूट लिया। आईटी सेक्टर के शेयरों ने इस ऐतिहासिक तेजी में रॉकेट का काम किया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी ने जबरदस्त छलांग लगाते हुए निवेशकों को मालामाल कर दिया है।

सेंसेक्स और निफ्टी की तूफानी रफ्तार

लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार में शानदार हरियाली छाई हुई है। शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स बाजार खुलते ही बुल रन में शामिल हो गया। सुबह 9:30 बजे सेंसेक्स 714 अंकों के बंपर उछाल के साथ 77,448.69 के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि थोड़ी ही देर में यह 785.03 अंकों की लंबी छलांग लगाकर 77,526.85 के दिन के सर्वोच्च स्तर (हाई) पर पहुंच गया। दूसरी तरफ, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के निफ्टी ने भी शानदार प्रदर्शन किया। निफ्टी 208.50 अंक चढ़कर 24,169.80 पर खुला और देखते ही देखते 225 से ज्यादा अंकों की तेजी के साथ 24,187.90 के स्तर को पार कर गया।

टेक शेयरों ने किया कमाल, रिलायंस ने भी दिया साथ

शेयर बाजार में आई इस तूफानी तेजी के पीछे सबसे बड़ा हाथ दिग्गज आईटी कंपनियों के शेयरों का रहा है। बीएसई के ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, इन्फोसिस और टीसीएस (TCS) जैसी नामचीन कंपनियों के शेयरों में दो से तीन फीसदी तक की जबर्दस्त तेजी दर्ज की गई है। सिर्फ आईटी सेक्टर ही नहीं, बल्कि देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों ने भी निवेशकों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है। रिलायंस के शेयरों में करीब 1.5 फीसदी का शानदार इजाफा देखा गया, जिसने बाजार की इस तेजी को और मजबूती दी।

टाटा मोटर्स ने हैरियर और सफारी का 'स्टेल्थ एडिशन' किया लॉन्च, जानें कितनी है कीमत

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में अपनी मजबूत पकड़ रखने वाली कंपनी टाटा मोटर्स ने अपने ग्राहकों को एक शानदार तोहफा दिया है। कंपनी ने अपनी बेहद लोकप्रिय और फ्लैगशिप एसयूवीज, टाटा हैरियर और टाटा सफारी का एक नया और बेहद आकर्षक 'स्टेल्थ एडिशन' बाजार में उतार दिया है। कारों का यह नया लुक उनके फीयरलेस अल्ट्रा और एक्म्पलिश्ड अल्ट्रा ट्रिम पर आधारित है। हैरियर और सफारी का यह खास वर्जन पेट्रोल और डीजल दोनों ही इंजन विकल्पों के साथ ग्राहकों के लिए उपलब्ध होगा। आपको बता दें कि कंपनी ने पहले भी इन दोनों गाड़ियों का स्टेल्थ एडिशन पेश किया था, लेकिन उस समय वे केवल सीमित संख्या में ही बिक्री के लिए उपलब्ध थे। अगर कीमत की बात करें तो 2026 टाटा हैरियर स्टेल्थ एडिशन की शुरुआती कीमत 23.43 लाख रुपये तय की गई है, जो टॉप मॉडल के लिए 26.01 लाख रुपये तक जाती है। वहीं, बड़े साइज वाली टाटा सफारी स्टेल्थ एडिशन की कीमत 24.09 लाख रुपये से शुरू होकर 26.76 लाख रुपये तक रखी गई है। कंपनी ने हैरियर के स्टेल्थ एडिशन को फीयरलेस अल्ट्रा वेरिएंट पर तैयार किया है, जबकि सफारी का यह स्पेशल एडिशन इसके एक्म्पलिश्ड अल्ट्रा ट्रिम पर बेस्ड है। दोनों ही गाड़ियां अपने सेगमेंट में दमदार लुक के साथ आती हैं।इस नए स्टेल्थ एडिशन में जो सबसे बड़ा और मुख्य बदलाव किया गया है, वह इसका शानदार कलर है। दोनों ही एसयूवी अब बेहद आकर्षक 'स्टेल्थ ब्लैक' एक्सटीरियर कलर के साथ सड़कों पर दौड़ती नजर आएंगी।

दिसंबर से महंगे हो सकते हैं होम और कार लोन, जानिए क्या कहती है ये ताजा रिपोर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) भले ही फिलहाल रेपो रेट में कोई बदलाव न कर रहा हो, लेकिन आने वाले समय में आम आदमी को महंगाई का तगड़ा झटका लग सकता है। ग्लोबल ब्रोकरेज फर्म बोफा सिक्योरिटीज (BofA Securities) की एक ताजा रिपोर्ट के मुताबिक, दिसंबर 2026 से आरबीआई ब्याज दरों में कुल 50 बेसिस प्वाइंट (0.50%) तक का इजाफा कर सकता है। अगर ऐसा होता है, तो बैंकों से कर्ज लेना महंगा हो जाएगा और सीधा असर आपकी ईएमआई पर पड़ेगा।

घरेलू कारण बढ़ाएंगे महंगाई का दबाव

रिपोर्ट में इस बात का जिक्र किया गया है कि अब अर्थव्यवस्था के लिए सबसे बड़ा खतरा वैश्विक भू-राजनीतिक तनाव नहीं, बल्कि मौसम और मानसून जैसे घरेलू कारक बन गए हैं। आरबीआई की मौद्रिक नीति तय करने में अब इन घरेलू कारकों की सबसे अहम भूमिका होगी। ऐसे में अगर मानसून सामान्य से कमजोर रहता है और अल नीनो का प्रभाव बढ़ता है, तो वित्त वर्ष की दूसरी छमाही में खाद्य महंगाई तेजी से बढ़ सकती है। इसका सीधा असर ग्रामीण और शहरी दोनों अर्थव्यवस्थाओं पर

देखने को मिलेगा।

जीडीपी ग्रोथ और राहत के संकेत

बोफा सिक्योरिटीज ने भारत की वित्त वर्ष 2026-27 (FY27) की जीडीपी विकास दर का अनुमान 6.5% से बढ़ाकर 6.9% कर दिया है। देश में बढ़ती खपत और निवेश से आर्थिक विकास को मजबूती मिलने की पूरी उम्मीद है। वहीं, उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (CPI) आधारित महंगाई का अनुमान 4.8% रखा गया है। राहत की बात यह है कि देश में खाद्यान्न का पर्याप्त भंडार और वैश्विक स्तर पर कमोडिटी व कच्चे तेल की कम कीमतें महंगाई के दबाव को काफी हद तक कम कर सकती हैं। FY27 में चालू खाता घाटा भी जीडीपी के 1.2% और राजकोषीय घाटा 4.5% तक सीमित रहने का अनुमान जताया गया है।

एनबीएफसी को फायदा लेकिन आम आदमी पर बोझ

इस मजबूत आर्थिक माहौल से नॉन-बैंकिंग फाइनेंशियल कंपनियों (NBFCs) को खासा फायदा होने की उम्मीद है। रिटेल लोन, वाहन ऋण और एमएसएमई लोन की मांग में तेजी आ सकती है। हालांकि, रिपोर्ट में यह भी साफ किया गया है कि साल के अंत में आरबीआई द्वारा ब्याज दरें बढ़ाने से बैंकों और एनबीएफसी के लिए फंड जुटाने की लागत बढ़ जाएगी। इसका सीधा खामियाजा ग्राहकों को उठाना पड़ेगा, जिससे आने वाले समय में होम लोन, कार लोन और पर्सनल लोन की ब्याज दरें महंगी हो जाएंगी।

शेयर बाजार में पैसों की बारिश, सिर्फ 2 मिनट में निवेशकों ने छापे 4.59 लाख करोड़ रुपए

मुंबई (ए.)। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन यानी शुक्रवार को दलाल स्ट्रीट पर मानों पैसों की सुनामी आ गई। बाजार खुलते ही निवेशकों की झोली पैसों से भर गई और महज 120 सेकंड के भीतर ही शेयर बाजार के निवेशकों ने 4.59 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा का बंपर मुनाफा कूट लिया। आईटी सेक्टर के शेयरों ने इस ऐतिहासिक तेजी में रॉकेट का काम किया, जिससे सेंसेक्स और निफ्टी ने जबरदस्त छलांग लगाते हुए निवेशकों को मालामाल कर दिया है।

सेंसेक्स और निफ्टी की तूफानी रफ्तार

लगातार दूसरे दिन शेयर बाजार में शानदार हरियाली छाई हुई है। शुक्रवार को बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (BSE) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स बाजार खुलते ही बुल रन में शामिल हो गया। सुबह 9:30 बजे सेंसेक्स 714 अंकों के बंपर उछाल के साथ 77,448.69 के स्तर पर कारोबार कर रहा था, जबकि थोड़ी ही देर में यह 785.03 अंकों की लंबी छलांग लगाकर 77,526.85 के दिन के सर्वोच्च स्तर (हाई) पर पहुंच गया। दूसरी तरफ, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के निफ्टी ने भी शानदार प्रदर्शन किया। निफ्टी 208.50 अंक चढ़कर 24,169.80 पर खुला और देखते ही देखते 225 से ज्यादा अंकों की तेजी के साथ 24,187.90 के स्तर को पार कर गया।

टेक शेयरों ने किया कमाल, रिलायंस ने भी दिया साथ

शेयर बाजार में आई इस तूफानी तेजी के पीछे सबसे बड़ा हाथ दिग्गज आईटी कंपनियों के शेयरों का रहा है। बीएसई के ताजा आंकड़ों पर नजर डालें तो टेक महिंद्रा, एचसीएल टेक, इन्फोसिस और टीसीएस (TCS) जैसी नामचीन कंपनियों के शेयरों में दो से तीन फीसदी तक की जबर्दस्त तेजी दर्ज की गई है। सिर्फ आईटी सेक्टर ही नहीं, बल्कि देश की सबसे बड़ी कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों ने भी निवेशकों के चेहरों पर मुस्कान ला दी है। रिलायंस के शेयरों में करीब 1.5 फीसदी का शानदार इजाफा देखा गया, जिसने बाजार की इस तेजी को और मजबूती दी।

इन शेयरों में दिखी सुस्ती, 57 शेयरों ने बनाया नया रिकॉर्ड

एक तरफ जहां बाजार में चौतरफा खरीदारी का जश्न मन रहा है, वहीं कुछ शेयरों ने निवेशकों को थोड़ा निराश भी किया है। दिग्गज टेलीकॉम कंपनी भारती एयरटेल के शेयरों में एक फीसदी से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। इसके अलावा इटरनल और सनफार्मा जैसे शेयरों में भी मामूली सुस्ती देखने को मिली।

हालांकि, बाजार का ओवरऑल मूड बेहद सकारात्मक बना हुआ है। एनएसई पर कुल 2689 शेयरों में ट्रेडिंग हुई, जिनमें से 2144 शेयर हरे निशान यानी भारी बढ़त के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं, तेजी के इस आंधी में 57 शेयर ऐसे रहे जिन्होंने अपने 52 हफ्तों का नया हाई (पीक) बनाकर निवेशकों को छप्पर फाड़ रिटर्न दिया है।

एफटीए से भारत का पार्टनर बना न्यूजीलैंड, हमारी एग्री-टेक्नोलॉजी ग्रामीण आय को बढ़ाने में करेगी मदद : न्यूजीलैंड के व्यापार मंत्री

ऑकलैंड/नई दिल्ली (ए.)। फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) होने के साथ ही न्यूजीलैंड, अब भारत का पार्टनर बन गया है और हमारी कृषि में विशेषज्ञता देश के विकास विशेषकर ग्रामीण आय को बढ़ाने में अहम साबित हो सकती है। यह बयान न्यूजीलैंड व्यापार और निवेश मंत्री टॉड मैक्ले ने शुक्रवार को दिया।समाचार एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए मैक्ले ने कहा, "भारत-न्यूजीलैंड फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) दोनों देशों को आर्थिक साझेदारी को गहरा करने के लिए एक मजबूत मंच देता है। इस समझौते के बाद भारत के साझेदार के रूप में न्यूजीलैंड, देश की अर्थव्यवस्था के विकास में मदद करेगा।उन्होंने कहा कि खेती, इनोवेशन और एग्री-टेक्नोलॉजी में न्यूजीलैंड की विशेषज्ञता भारत के विकास में, खासकर खेती की उत्पादकता और ग्रामीण आय बढ़ाने में, अहम योगदान दे सकती है।उन्होंने आगे कहा, "खेती इसका एक उदाहरण है। हमारे पास जो विशेषज्ञता, इनोवेशन और एग्री-टेक्नोलॉजी है, वह भारत को मिल सकती है। हम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मदद कर सकते हैं और 2030 तक भारतीय किसानों की आय 50 प्रतिशत बढ़ाने के उनके संकल्प में शामिल हो सकते हैं। न्यूजीलैंड के पास अब इसमें भूमिका निभाने और इसे सफल बनाने की क्षमता है।इसके अतिरिक्त, मैक्ले ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत के विकास की प्रशंसा की और मैं पहले भी कई बार भारत आया हूं और आज के भारत में जो बदलाव आया है, वह शानदार है।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है, सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां है?

बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां है? या ऐसे कानूनों का कोई मतलब नहीं होता, जिन पर अमल संभव बनाने के लिए जमीनी स्थितियों को बदलने की ठोस योजना पर काम ना हुआ हो?

छिहत्तर साल पहले लागू भारतीय संविधान के अनुच्छेद 23 के तहत गुलामी जैसी किसी प्रथा को निषिद्ध घोषित किया गया। मगर बंधुआ मजदूरी को कानूनन प्रतिबंधित करने में 26 साल और लगे। 1976 में बंधुआ मजदूरी पर रोक का कानून पारित हुआ। अब उसके बाद 50 साल और गुजर चुके हैं। लेकिन जमीनी हकीकत उत्तर प्रदेश के मुज़फ़्फ़रनगर जिले का मांडी गांव है, जहां दोना बनाने वाली फैक्टरी से 12 बंधुआ मज़दूर छुड़ाए गए हैं। वैसे मांडी गांव भी सिर्फ एक झांकी है। बंधुआ और बाल बंधुआ मजदूरों से काम लेने या कभी-कभार उन्हें छुड़ाने की खबरें अक्सर हमारे सामने आती रहती हैं।

मांडी की घटना बहुचर्चित हुई, तो इसलिए कि वहां मजदूरों से बर्बरता की इंतहा कर दी गई। उनकी दुर्दशा की कहानियों ने लोगों को झकझोरा है। पुलिस और उत्तर प्रदेश के श्रम विभाग की संयुक्त कार्रवाई में छुड़ाए गए इन श्रमिकों के बारे में सामने आया है कि उन्हें क़ैदियों की तरह रखा गया, मोबाइल छीन लिए गए, पहचान-पत्र जला दिए गए और बाहर निकलने की मनाही कर दी गई। मुजफ्फरनगर के पुलिस अधीक्षक के मुताबिक कुछ मज़दूरों की पसलियां टूट गईं, कई के शरीर पर गंभीर चोटों के निशान हैं और आरोप है कि अत्याचार के चलते कुछ लोगों की मौत भी हुई। यह बात पुलिस ने कही है कि फैक्टरी में मजदूरों से जानवरों जैसा बर्बरतापूर्ण व्यवहार किया जाता था।

उन्हें लोहे की गर्म रॉड, बेल्ट और डंडों से बुरी तरह पीटा जाता था। ये मजदूर बिहार, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्यों से वहां काम की तलाश में वहां आए थे। तो प्रश्न है कि संवैधानिक उद्घोषणा और बंधुआ मजदूरी उन्मूलन कानून कहां हैं? या ऐसे कानूनों का कोई मतलब नहीं होता, जिन पर अमल संभव बनाने के लिए जमीनी स्थितियों को बदलने की किसी ठोस योजना पर काम ना हुआ हो? विचारणीय मुद्दा है कि अलग- अलग राज्यों से पलायन कर बंधुआ बनने के लिए किसी दूसरी जगह पर मजदूर क्यों आते हैं? दरअसल, ऐसी हर कहानी आजीविका की बदहाल सूरत का सबूत है, जो अपने लोकतंत्र पर एक गंभीर प्रश्न-चिह्न भी है।

ईरान-अमेरिका समझौता टूटा -बढ़ती महंगाई का आघात वैश्विक भू- राजनीतिक तनाव और भारतीय अर्थव्यवस्था -क्या नई चुनौतियों का दौर शुरु?

एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र

गोंदिया- वैश्विक स्तर पर इक्कीसवीं सदी का तीसरा दशक विश्व अर्थव्यवस्था के लिए जितना अवसरों का युग सिद्ध हो रहा है,उतना ही अनिश्चितताओं औरबहुआयामी चुनौतियों का भी। कोविड-19 महामारी के बाद वैश्विक अर्थव्यवस्था ने पुनरुद्धार की दिशा में तेज़ी से कदम बढ़ाए,लेकिन रूस-यूक्रेन संघर्ष, ईरान अमेरिका युद्ध पश्चिम एशिया में लगातार बढ़ता भू-राजनीतिक तनाव, वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में व्यवधान, समुद्री व्यापार मार्गों पर सुरक्षा संबंधी जोखिम,ऊर्जा बाज़ार में अस्थिरता तथा विभिन्न देशों के केंद्रीय बैंकों की सख्त मौद्रिक नीतियों ने विश्व आर्थिक व्यवस्था को फिर से कठिन मोड़ पर ला खड़ा किया है।मैं एडवोकेट किशन सनमुखदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि आज महंगाई केवल किसी एक देश की घरेलू समस्या नहीं रह गई है,बल्कि यह एक वैश्विक आर्थिक, सामाजिक और राजनीतिक चुनौती बन चुकी है, जिसका प्रभाव विकसित और विकासशील दोनों प्रकार की अर्थव्यवस्थाओं पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। ईरान अमेरिका समझौता टूटने से आज 9 जुलाई 2026 को दोनों ने एक दूसरे के ऊपर भयंकर हमले किए हैं,स्पष्ट है कि अमेरिका-ईरान तनाव केवल दो देशों के बीच का विवाद नहीं है,बल्कि उसका प्रभाव पूरी वैश्विक अर्थव्यवस्था, ऊर्जा सुरक्षा, महंगाई, वित्तीय बाजारों और भारत जैसे उभरते देशों की विकास यात्रा पर पड़ता है। इसलिए भारत के लिए समय की मांग केवल तात्कालिक संकट प्रबंधन नहीं, बल्कि ऐसी दीर्घकालिक आर्थिक और कूटनीतिक रणनीति तैयार करना है जो बदलती वैश्विक परिस्थितियों में भी देश की विकास गति, ऊर्जा सुरक्षा और आर्थिक स्थिरता को बनाए रख सके। भारत इस वैश्विक व्यवस्था का महत्वपूर्ण हिस्सा होने के कारण इन घटनाक्रमों से अछूता नहीं रह सकता।भारत विश्व के सबसे बड़े कच्चा तेल आयात करने वाले देशों में शामिल है। देश अपनी ऊर्जा आवश्यकताओं का बड़ा हिस्सा आयात के माध्यम से पूरा करता है। इसलिए अंतरराष्ट्रीय बाजार में तेल की कीमतों में थोड़ी-सी वृद्धि भी भारत के आयात बिल, व्यापार घाटे और राजकोषीय संतुलन को प्रभावित कर सकती है।यदि तेल महंगा होता है तो परिवहन लागत बढ़ती है, उद्योगों का उत्पादन महंगा होता है, कृषि क्षेत्र में डीजल और उर्वरकों का खर्च बढ़ता है तथा अंतत: खाद्य वस्तुओं और दैनिक उपयोग की वस्तुओं के दाम बढ़ने लगते हैं। यही वह श्रृंखला है, जो महंगाई को केवल आर्थिक शब्द नहीं रहने देती, बल्कि प्रत्येक परिवार के मासिक बजट और जीवन स्तर से सीधे जोड़ देती है।

साथियों, कृषि क्षेत्र भी इन वैश्विक परिस्थितियों से पूरी तरह अछूता नहीं है। भारत कृषि प्रधान देश है, लेकिन खेती में डीजल, उर्वरक, सिंचाई, परिवहन और भंडारण की लागत लगातार बढ़ने पर किसानों की उत्पादन लागत बढ़ जाती है। यदि मौसम की अनिश्चितता भी साथ जुड़ जाए, तो खाद्यान्न उत्पादन और आपूर्ति दोनों प्रभावित हो सकते हैं। इससे

खाद्य महंगाई बढ़ने की संभावना रहती है, जिसका सीधा प्रभाव आम नागरिकों की रसोई पर पड़ता है। यही कारण है कि खाद्य सुरक्षा,कृषि सुधार आधुनिक भंडारण व्यवस्था और आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत बनाना आज केवल कृषि नीति नहीं, बल्कि राष्ट्रीय आर्थिक नीति का भी महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है।

साथियों, महंगाई का सबसे अधिक प्रभाव निश्चित आय वाले वर्ग पर पड़ता है। मध्यम वर्ग, वेतनभोगी कर्मचारी, पेंशनभोगी, छोटे व्यापारी और निम्न आय वर्ग के परिवार तब सबसे अधिक प्रभावित होते हैं, जब उनकी आय की तुलना में आवश्यक वस्तुओं की कीमतें तेजी से बढ़ती हैं।भोजन, शिक्षा, स्वास्थ्य, परिवहन, बिजली, गैस और आवास जैसी बुनियादी आवश्यकताओं पर होने वाला खर्च परिवारों के मासिक बजट को असंतुलित कर देता है। यदि ब्याज दरें भी ऊँची बनी रहती हैं तो गृह ऋण, वाहन ऋण और व्यापारिक ऋण की मासिक किस्तें बढ़ सकती हैं। इस प्रकार महंगाई केवल आर्थि सूचकांक नहीं रहती,बल्कि प्रत्येकपरिवार के जीवन स्तर और भविष्य की योजनाओं को प्रभावित करने वाला वास्तविक सामाजिक प्रश्न बन जाती है। साथियों, आज विश्व व्यवस्था एक ऐसे दौर से गुजर रही है जहाँ आर्थिक शक्ति, ऊर्जा सुरक्षा, तकनीकी श्रेष्ठता और भू-राजनीतिक प्रभाव एक-दूसरे के पूरक बन चुके हैं। अमेरिका अपनी मौद्रिक नीति, तकनीकी नवाचार और डॉलर की वैश्विक भूमिका के माध्यम से आर्थिक नेतृत्व बनाए रखने का प्रयास कर रहा है।चीन विनिर्माण, निर्यात, दुर्लभ खनिजों, हरित प्रौद्योगिकी और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं में अपनी पकड़ मजबूत करने की रणनीति पर कार्य कर रहा है।यूरोपीय संघ ऊर्जा विविधीकरण हरित अर्थव्यवस्था और डिजिटल परिवर्तन पर बल दे रहा है,जबकि जापान तकनीकी नवाचार, उच्च उत्पादकता और ऊर्जा दक्षता के माध्यम से अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बनाए रखने का प्रयास कर रहा है। इन परिस्थितियों में भारत केवल एक उभरती हुई अर्थव्यवस्था नहीं, बल्कि वैश्विक आर्थिक संतुलन का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बनकर उभर रहा है।

साथियों, भारत के पास आज विश्व की सबसे बड़ी युवा आबादी,तेजी से बढ़ता डिजिटल बुनियादी ढाँचा, विशाल घरेलू बाजार, लोकतांत्रिक शासन व्यवस्था, मजबूत बैंकिंग प्रणाली,व्यापक भुगतान नेटवर्क, तेजी से विकसित हो रहा स्टार्टअप पारिस्थितिकी तंत्र और आधारभूत संरचना में निरंतर निवेश जैसी अनेक शक्तियाँ हैं। यही कारण है कि वैश्विक कंपनियाँ आज चीन पर अत्यधिक निर्भरता कम करते हुए भारत को दीर्घकालिक विनिर्माण, अनुसंधान, डिजिटल सेवाओं और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला के विश्वसनीय साझेदार के रूप में देखने लगी हैं। यदि भारत इन अवसरों का सही उपयोग करता है तो वर्तमान वैश्विक संकट भी उसके लिए दीर्घकालिक आर्थिक परिवर्तन का आधार बन सकता है। हालाँकि अवसरों के साथ चुनौतियाँ भी कम नहीं हैं। यदि वैश्विक महंगाई लंबे समय तक बनी रहती है, पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ता है, कच्चे तेल की कीमतें ऊँचे स्तर पर बनी रहती हैं या समुद्री व्यापार मार्गों में व्यवधान आता है, तो भारत के आयात बिल, चालू खाते के घाटे, राजकोषीय प्रबंधन और महंगाई नियंत्रण पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। इसके अतिरिक्त जलवायु परिवर्तन, असामान्य मानसून, खाद्य सुरक्षा, साइबर सुरक्षा और वैश्विक व्यापार में बढ़ती संरक्षणवादी नीतियाँ भी भविष्य की आर्थिक रणनीति को प्रभावित कर सकती हैं। इसलिए भारत को केवल तात्कालिक समाधान नहीं, बल्कि दीर्घकालिक संरचनात्मक सुधारों पर भी निरंतर कार्य करना होगा। साथियों, ऐसी परिस्थितियों में ऊर्जा आत्मनिर्भरता भारत की सबसे बड़ी प्राथमिकताओं में से एक होनी चाहिए। सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा, हरित हाइड्रोजन, जैव ईंधन, परमाणु ऊर्जा और रणनीतिक पेट्रोलियम भंडार का विस्तार देश को भविष्य के ऊर्जा संकटों से अपेक्षाकृत सुरक्षित बना सकता है। इसके साथ-साथ रेलवे, जलमार्ग, बंदरगाह, लॉजिस्टिक्स, कोल्ड स्टोरेज, डिजिटल अवसंरचना और स्मार्ट विनिर्माण में निवेश उत्पादन लागत कम करने और वैश्विक प्रतिस्पर्धा बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। यदि भारत अनुसंधान एवं विकास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सेमीकंडक्टर, रक्षा विनिर्माण और उच्च तकनीक उद्योगों में अपनी क्षमता को और मजबूत करता है,तो वह केवलउपभोक्ता बाजार नहीं बल्कि वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में भी स्थापित हो सकता है। साथियों, वर्तमान वैश्विक परिस्थितियाँ यह भी स्पष्ट कर रही हैं कि आधुनिक अर्थव्यवस्था केवल घरेलू नीतियों से संचालित नहीं होती। किसी भी देश में होने वाला युद्ध, प्रतिबंध, समुद्री मार्गों में व्यवधान, ऊर्जा संकट या मुद्रा बाजार में अस्थिरता कुछ ही दिनों में पूरी दुनिया की अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर सकती है। वैश्वीकरण के इस युग में देशों की आर्थिक नियति पहले की तुलना में कहीं अधिक परस्पर जुड़ चुकी है।

विशेष लेख : राजस्व सुधारों की नई इबारत लिखता छत्तीसगढ़: 'ऑटो म्यूटेशन' और 'ऑटो डायवर्सन' से जमीन संबंधी सेवाओं में ऐतिहासिक बदलाव

विष्णु प्रसाद वर्मा

सुशासन के नए डिजिटल युग में राजस्व प्रशासन अब फाइलों और लंबित प्रकरणों के पारंपरिक चक्रव्यूह से बाहर निकल चुका है। राज्य शासन के राजस्व, आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग ने तकनीक को माध्यम बनाकर जमीन से जुड़ी सेवाओं का पूरी तरह कायाकल्प कर दिया है। ऑटो म्यूटेशन (स्वत: नामांतरण) और ऑटो डायवर्सन (स्वत: व्यवर्तन) जैसी जन-हितैषी व्यवस्थाओं ने विभाग को तेज, पारदर्शी और मानवीय हस्तक्षेप से मुक्त बनाया है। इससे आम नागरिकों को दफ्तरों के चक्कर, लंबे इंतजार और मानसिक व शारीरिक प्रताड़ना से स्थायी मुक्ति मिली है।

पहले रजिस्ट्री के बाद नामांतरण के लिए अलग से आवेदन और भौतिक सत्यापन की थकाऊ प्रक्रिया से गुजरना पड़ता था, लेकिन छत्तीसगढ़ सरकार की मजबूत इच्छाशक्ति से अब यह स्वत: संपन्न हो रहा है। इसके साथ ही, भूमि उपयोग परिवर्तन (डायवर्सन) के लिए आवेदन, प्रीमियम निर्धारण और शुल्क गणना को भी आधुनिक तकनीक से त्रुटिहीन बनाया गया है। छत्तीसगढ़ का यह डिजिटल गवर्नेंस मॉडल आज देश के लिए एक अनुकरणीय उदाहरण बनकर उभरा है।

आंकड़ों की जुबानी: सफलता की एक नई गाथा

राजस्व विभाग द्वारा जारी प्रामाणिक आंकड़े इस ऐतिहासिक परिवर्तन की गवाही देते हैं। राज्य में अब तक कुल 1 लाख 40 हज़ार 607 पंजीकृत विलेखों में से रिकॉर्ड 1 लाख 40 हज़ार 536 मामलों का सफलतापूर्वक ऑटो म्यूटेशन किया जा चुका है। संपूर्ण प्रदेश में केवल 71 प्रकरण प्रक्रियाधीन हैं, जिससे विभाग ने 99.95 प्रतिशत की अभूतपूर्व सफलता दर हासिल की है।

वहीं दूसरी ओर, ऑटो डायवर्सन व्यवस्था के तहत कुल 5 हजार 661 आवेदन दर्ज किए गए, जिनमें से 4 हज़ार 739 मामलों का त्वरित निराकरण किया गया। इस प्रकार 83.71 प्रतिशत प्रकरणों का निस्तारण कर यह साबित कर दिया गया कि जटिल तकनीकी प्रक्रियाओं को भी डिजिटल माध्यम से सुगम और पारदर्शी बनाया जा सकता है। राजस्व सेवाएँ सीधे नागरिक के जीवन, संपत्ति और निवेश से जुड़ी होती हैं; अत: इनमें गति आने से राज्य की आवासीय, वाणिज्यिक और औद्योगिक गतिविधियों को नई रफ्तार मिली है।

स्वच्छ ऊर्जा के उपयोग को प्रोत्साहन : विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की प्रगति का व्यावहारिक रास्ता

श्रीपाद नाइक

वैश्विक स्तर पर बढ़ती अनिश्चितता, ऊर्जा की बढ़ती मांग और जलवायु से जुड़ी गंभीर चुनौतियों के इस दौर में, अंतरराष्ट्रीय समुदाय को ऐसी ऊर्जा प्रणालियों का निर्माण करने की जरूरत है जो स्वच्छ व अपेक्षाकृत अधिक सुरक्षित, सस्ती एवं भरोसेमंद होने के साथ-साथ विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की विकास संबंधी जरूरतों तथा आर्थिक आकांक्षाओं के अनुरूप भी हों।

स्वच्छ ऊर्जा दरअसल ऊर्जा सुरक्षा, औद्योगिक विकास और दीर्घकालिक विकास की दृष्टि से तेजी से अहम होती जा रही है। यह ईंधन बाजार में आने वाले उतार-चढ़ाव से पैदा होने वाले जोखिमों को कम कर सकती है, ऊर्जा को अपेक्षाकृत अधिक सुलभ बना सकती है, रोजगार सृजित कर सकती है, घरेलू उद्योगों को मजबूत कर सकती है और देश को अपेक्षाकृत अधिक सुदृढ़ बना सकती है। फिर भी, स्वच्छ ऊर्जा की दिशा में आगे बढ़ने के रास्ते एक जैसे नहीं हो सकते। इन रास्तों को राष्ट्रीय परिस्थितियों, उपलब्ध संसाधनों और विकास की प्राथमिकताओं के हिसाब से निर्धारित किया जाना चाहिए।

इसी बिंदु पर विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के बीच आपसी सहयोग महत्वपूर्ण हो जाता है। ब्रिक्स के सदस्य देशों के बीच बेहतर सहयोग से स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने की प्रक्रिया में तेजी लाने के साथ-साथ ऊर्जा सुरक्षा, स्थिरता और समावेशी विकास के साझा लक्ष्यों को भी आगे बढ़ाया जा सकता है।

भारत का अपना अनुभव यह बताता है कि स्वच्छ ऊर्जा की शुरुआत लोगों से ही होनी चाहिए।

ब्रिक्स की भारत की अध्यक्षता दृढ़ता, नवाचार, सहयोग और स्थायित्व पर आधारित व्यावहारिक रास्तों को आगे बढ़ाने का अवसर देती है

पिछले दशक में, प्रधानमंत्री सहज बिजली हर घर योजना (सौभाग्य) के तहत लगभग 28.6 मिलियन घरों को बिजली के कनेक्शन दिए गए। इससे सभी तक बिजली पहुंचाने का काम आगे बढ़ा और ग्रामीण व कम सुविधा वाले इलाकों में लोगों के जीवन स्तर में सुधार हुआ। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना (पीएमयूवाई) के तहत महिलाओं को 105 मिलियन से अधिक एलपीजी कनेक्शन दिए गए। इससे खाना पकाने के साफ-सुथरे तरीकों को बढ़ावा मिला, घर में सेहत बेहतर हुई और कठिन श्रम का बोझ कम हुआ।

ये पहल एक महत्वपूर्ण सिद्धांत को रेखांकित करती हैं: स्वच्छ ऊर्जा को अपनाने को केवल स्थापित मेगावाट या जोड़ी गई क्षमता के आधार पर नहीं मापा जा सकता, बल्कि इससे पैदा हुए अवसरों, सुदृढ़ हुई आजीविका और बेहतर हुए जीवन स्तर के आधार पर भी मापा जाना चाहिए।

लोगों को प्राथमिकता देने वाले इस दृष्टिकोण के साथ-साथ बड़े पैमाने पर काम और सहयोगी बुनियादी ढांचे की भी जरूरत है। भारत की स्वच्छ ऊर्जा की कहानी में नवीकरणीय ऊर्जा अहम हो गई है। लेकिन इसकी सफलता इसे समर्थन प्रदान करने वाली प्रणालियों पर निर्भर करती है। सौर और पवन ऊर्जा को तेजी से अपनाया जा सकता है, लेकिन इनकी पूरी क्षमता का लाभ तभी मिल पाएगा जब पारेषण (ट्रांसमिशन), वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन), भंडारण (स्टोरेज) और ग्रिड प्रबंधन एकसाथ मिलकर काम करें। भारत ने स्वच्छ ऊर्जा के विस्तार में सहायता प्रदान करने वाली प्रणालियों को मजबूत करने की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति की है। पारेषण संबंधी बुनियादी ढांचे (ट्रांसमिशन इंफ्रास्ट्रक्चर) का निरंतर विस्तार हुआ है। इसके साथ-साथ ऊर्जा के भंडारण (एनर्जी स्टोरेज) और ग्रिड की सुदृढ़ता (ग्रिड फ्लेक्सिबिलिटी) के क्षेत्र में भी निवेश बढ़ा है। वितरण (डिस्ट्रीब्यूशन) संबंधी सुधारों और उन्नत ग्रिड तकनीक को अपनाने से एक ऐसी बेहतर एवं भरोसेमंद ऊर्जा प्रणाली बनाने में मदद मिली है, जो नवीकरणीय ऊर्जा की बढ़ती हिस्सेदारी को समन्वित करने में सक्षम है।

भारत की गैर-जीवाश्म ईंधन पर आधारित क्षमता अब 288 गीगावॉट से अधिक हो गई है। बड़े पैमाने की परियोजनाओं के अलावा, वितरित नवीकरणीय ऊर्जा (डीआरई) प्रणालियां जैसे कि रूफटॉप सोलर, सोलर पंप, मिनी-ग्रिड और माइक्रो-ग्रिड ग्रामीण और कम सुविधा वाले इलाकों में स्वच्छ ऊर्जा को और अधिक सुलभ बना रही हैं। ये प्रणालियां सिंचाई, कोल्ड स्टोरेज, स्कूलों, हेल्थकेयर सेंटरों तथा स्थानीय व्यवसायों को मदद पहुंचाने के साथ-साथ ग्रामीण आजीविका और स्थानीय आर्थिक सुदृढ़ता को भी बढ़ावा दे रही हैं। भारत की 'पीएम सूर्य घर: मुफ्त बिजली योजना' बड़े पैमाने पर इस दृष्टिकोण को दर्शाती है। इस योजना से अब तक लगभग 4 मिलियन परिवारों को लाभ हुआ है, जिससे उपभोक्ता अपेक्षाकृत अधिक विकेन्द्रीकृत एवं भागीदारी वाली ऊर्जा प्रणाली में योगदान देने वाले बन पाए हैं।

मेष राशि: मेष राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नये बदलाव लाने वाला है। प्रॉपर्टी डीलर के लिये आज का दिन अच्छा रहेगा, अचानक धन लाभ होने की संभावना है। आज कार्यभार अधिक हो सकता है, लेकिन आप किसी काम के लिए जितना अधिक प्रयास करेंगे, काम उतना ही बेहतर तरीके से होगा और आपके जूनियर आपसे काम सीखने आएंगे।

वृष राशि: वृष राशि वालों आज का दिन बेहतरीन रहने वाला है। व्यापारियों के लिए आज का दिन शुभ रहेगा। धनलाभ होने के आसार नजर आ रहे हैं। व्यवसाय को आगे बढ़ाने के प्रयासों में काफी हद तक सफलता मिलेगी। आज कोई महत्वपूर्ण फैसला लेने से पहले अनुभवी व्यक्ति की सलाह जरूर लें। जमीन से जुड़ा आज बड़ा मामला सुलझ जाएगा। आज ऑफिस में नई पहल करने के लिये दिन अच्छा है।

मिथुन राशि: मिथुन राशि वालों आज का दिन आपके लिये बढ़िया रहने वाला है। आज आपके काम में आत्मविश्वास की झलक दिखाई देगी। आज आप दूसरों को अपनी बातों से अपनी ओर आकर्षित कर लेंगे। रुका हुआ काम बड़े भाई की मदद से पूरा हो जाएगा। इस राशि के छात्रों को आज प्रतियोगी परीक्षा संबंधी शुभ समाचार मिलने वाला है।

कर्क राशि: कर्क राशि वालों आज का दिन आपके जीवन में नयी खुशियां लेकर आने वाला है। पहले शुरू किया हुआ काम आज पूरा हो जाएगा, जिसका सकारात्मक परिणाम मिलेगा। आज अपना धैर्य बनाए रखें और समय के साथ चलें।

सिंह राशि: सिंह राशि वालों आज का दिन सामान्य रहेगा। इस राशि के कारोबारी अपनी प्लानिंग सीक्रेट रखें, तो सफलता जरूर हासिल होगी। पूर्व निर्धारित काम आज पूरे हो जाएंगे।

कन्या राशि: कन्या राशि वालों आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। जीवनसाथी आज कुछ ऐसा काम करेंगे, जिसे देखकर आपका मन प्रसन्न हो जाएगा। कारोबार में आज कुछ ऐसी बातें सामने आएंगी, जो भविष्य में फायदेमंद रहेंगी।

तुला राशि: तुला राशि वालों आज का दिन आपके लिए लकी होने वाला है। कई उलझे सवालों के जवाब आज आपको मिल जाएंगे। कन्फ्यूजन की स्थिति खत्म होगी। सोशल मीडिया या फोन कॉल के माध्यम से महत्वपूर्ण सूचना मिल सकती है।

वृश्चिक राशि: वृश्चिक राशि वालों आज का दिन आपके लिए अच्छा रहेगा। इस राशि के लोग आज समझदारी से काम करेंगे, तो आपको फायदा जरूर होगा। बैंकिंग सेक्टर से जुड़े लोगों के लिए दिन अच्छा है। पदोन्नति का अवसर मिलने के आसार बन रहे हैं। आज आपके मन में अधिक पैसे कमाने के नये विचार आएंगे।

धनु राशि: धनु राशि वालों आज का दिन अनुकूल रहेगा। आज घर के किसी वरिष्ठ व्यक्ति से मनपसंद तोहफा मिल सकता है। आपके सकारात्मक दृष्टिकोण से आपके व्यक्तित्व में निखार आएगा।

मकर राशि: मकर राशि वालों आज का दिन नई सौगात लेकर आएगा। कारोबार में वृद्धि के लिये आज का दिन शुभ है। पहले से बनी योजनाओं को लागू करना आज ठीक रहेगा। आस पास के लोग आज आपसे खुश रहेंगे। इस राशि के जो लोग पर्यटन से जुड़े हैं, उन्हें आज आर्थिक लाभ मिलने वाला है।

कुंभ राशि:कुंभ राशि वालों आज आपका दिन खुशहाल रहेगा। आज ऑफिस में आपका प्रभाव बढ़ेगा। इस राशि के नवविवाहित दंपति को आज किसी सामाजिक समारोह में जाना पड़ सकता है, जहां किसी ऐसे व्यक्ति से मुलाकात होगी, जिससे मिलकर मन प्रसन्न हो जाएगा।

मीन राशि:मीन राशि वालों आज आपका मन अध्यात्म में अधिक लगा रहेगा। आज आपकी सेहत पहले से बेहतर रहेगी। हालात के उजले पहलू की ओर देखें और आप पाएंगे कि चीजें सुधर रही हैं। कॉलेज में दोस्तों के साथ हंसी मजाक होगा। साथ ही बीच में किसी बात को लेकर चर्चा भी करेंगे। आज खुद को व्यर्थ के कामों से दूर रखें, वरना आपका अधिक समय फिजूल के कामों में निकल जाएगा।

बच्चों की चहकती ज़िंदगी पर पड़ रहा विकास का काला साया

प्रो. आरके जैन अरिजीत

जब किसी शहर से बच्चों की खिलखिलाहट गुम होने लगे, समझ लेना चाहिए कि वहां विकास ने दिशा खो दी है। किसी समाज की असली समृद्धि उसकी ऊँची इमारतों में नहीं, बल्कि बच्चों के हिस्से आए खुले आसमान, हरियाली और सुरक्षित खेल-स्थलों में दिखाई देती है। दुर्भाग्य से शहर जितनी तेजी से फैल रहे हैं, सार्वजनिक पार्क और खेल के मैदान उतनी ही तेजी से सिमट रहे हैं। जहां कभी नंगे पांव दौड़ता बचपन सपने संजोता था, वहां आज सूखी जमीन, टूटे झूले, जंग लगी फिसलपट्टियां और कंक्रीट का फैलता साम्राज्य खड़ा है। यह केवल सौंदर्य का ह्रास नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों के अधिकारों पर मौन प्रहार है। यदि बचपन से खेल, प्रकृति और खुलापन छीन लिया गया, तो उसकी कीमत केवल बच्चे नहीं, पूरा समाज चुकाएगा। कंक्रीट की हर नई दीवार हरियाली की कीमत पर खड़ी होती है। बीते दो दशकों में अनियोजित शहरीकरण, प्रशासनिक उदासीनता, भ्रष्टाचार और नागरिक चुप्पी ने सार्वजनिक पार्कों को उपेक्षित कर दिया। कई महानगरों में प्रति बच्चे उपलब्ध खेल क्षेत्र आधे से भी कम रह गया है। नतीजा—बचपन स्क्रीन में कैद है। शारीरिक गतिविधियां घटने से मोटापा, मानसिक तनाव, अकेलापन और व्यवहारगत समस्याएं बढ़ रही हैं। प्रकृति से कटता बचपन तकनीक में दक्ष, पर शरीर से दुर्बल और मन से असंतुलित होता जा रहा है। यह समाज के भविष्य की गंभीर चेतावनी है।बचपन की पहली पाठशाला किसी इमारत में नहीं, खुले आकाश के नीचे बसती है। पार्क केवल खेल का मैदान नहीं, व्यक्तित्व निर्माण की प्रयोगशाला हैं। यहीं बच्चे मित्रता, सहयोग, अनुशासन, हार-जीत का संतुलन और प्रकृति से रिश्ता सीखते हैं। मिट्टी की सोंधी गंध, पेड़ों की छांव, पक्षियों का कलरव और साथियों का साथ वे संस्कार देते हैं, जो कोई स्क्रीन या बंद कमरा नहीं दे सकता। पार्क खत्म होते हैं, तो बचपन का यह अध्याय अधूरा रह जाता है। सबसे अधिक मार सामान्य और मध्यमवर्गीय परिवारों पर पड़ती है, जिनके पास निजी क्लब या महंगे प्ले जोन का विकल्प नहीं होता। उनके बच्चे गलियों, छतों और व्यस्त सड़कों पर खेलने को विवश हैं। खेल का अधिकार भी अब आर्थिक असमानता की भेंट चढ़ रहा है।सबसे भयावह स्थिति तब होती है, जब बच्चों के लिए बनी जगहें ही असुरक्षित हो जाएं। जो पार्क बचे हैं, उनकी हालत लगातार बिगड़ रही है। रखरखाव का बजट आता है, पर उसका बड़ा हिस्सा भ्रष्टाचार या अधूरे कार्यों में सिमट जाता है।

टूटे झूले, जंग लगी फिसलपट्टियां, गंदे पानी के गड्ढे, सूखी घास और कचरा अब सामान्य दृश्य हैं। अनेक स्थानों पर अतिक्रमण ने पार्कों की जमीन निगल ली है। कहीं राजनीतिक आयोजन, कहीं अस्थायी निर्माण, तो रात होते ही कई पार्क असामाजिक तत्वों और शराबियों के अड्डे बन जाते हैं। नतीजा यह है कि जहां बच्चों को सबसे सुरक्षित होना चाहिए, वहीं जाने से परिवार कतराने लगे हैं। किसी संवेदनशील समाज के लिए इससे बड़ी विडंबना क्या होगी? हर उजड़ा पार्क योजनाओं नहीं, ईमानदार इच्छाशक्ति की मांग करता है। यह संकट असाध्य नहीं, यदि सरकारें इसे सौंदर्यीकरण नहीं, बल्कि बच्चों के अधिकार और सार्वजनिक स्वास्थ्य का प्रश्न मानें। प्रत्येक शहर में पार्क पुनर्जागरण मिशन के तहत पुराने पार्कों का वैज्ञानिक पुनर्विकास, सुरक्षित खेल उपकरण और नियमित रखरखाव की जवाबदेही तय हो। हर नए आवासीय प्रकल्प में 18 से 20 प्रतिशत क्षेत्र हरित पार्क और खेल क्षेत्र के लिए कानूनी रूप से आरक्षित हो। डिजिटल निगरानी, सामाजिक ऑडिट और वित्तीय पारदर्शिता से सुनिश्चित किया जाए कि पार्कों का बजट कागजों पर नहीं, धरातल पर दिखे। विकास की हर योजना में बच्चों का खेल क्षेत्र अंतिम नहीं, पहला अधिकार होना चाहिए।सरकारें अकेले बचपन नहीं बचा सकतीं; समाज को भी आगे आना होगा। किसी मोहल्ले का पार्क तभी जीवित रहता है, जब लोग उसे अपना मानें। स्थानीय निवासी, स्वयंसेवी संस्थाएं, वरिष्ठ नागरिक और युवा मिलकर पार्कों को गोद लें, स्वच्छता, वृक्षारोपण और निगरानी की जिम्मेदारी निभाएं। शिक्षा व्यवस्था भी सहभागी बने।

विद्यालयों में प्रत्येक सप्ताह पार्क डे हो, जहां बच्चे खेल के साथ प्रकृति को समझें, पर्यावरण संरक्षण सीखें और खुली हवा में सामूहिक गतिविधियों का अनुभव करें। अभिभावकों को भी समझना होगा कि बच्चों का सर्वांगीण विकास केवल कोचिंग, अंक और डिजिटल उपकरणों से नहीं, बल्कि खुले मैदान, मिट्टी की सोंधी खुशबू और प्रकृति के सान्निध्य से भी होता है।कानून तभी सार्थक होते हैं, जब वे कागज से उतरकर जनजीवन की रक्षा करें। सार्वजनिक पार्कों को शून्य सहनशीलता क्षेत्र घोषित किया जाए, जहां अतिक्रमण, व्यावसायिक उपयोग, राजनीतिक आयोजन और असामाजिक गतिविधियों की कोई जगह न हो। ऐसे मामलों में त्वरित कार्रवाई, कठोर दंड और अधिकारियों की जवाबदेही तय हो। नगर निकायों का निरीक्षण औपचारिकता न रहे; प्रत्येक पार्क की स्थिति सार्वजनिक पोर्टल पर हो, ताकि नागरिक भी निगरानी कर सकें। प्रशासन की दृढ़ता और समाज की सजगता से ही पार्कों की गरिमा लौटेगी। अन्यथा विकास की चकाचौंध में बचपन का उजाला खोता रहेगा और हम आंकड़ों में प्रगति तलाशते रह जाएंगे।

राष्ट्रपति को भेजा केतन के पिता ने भावुक ईमेल, फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग की

नई दिल्ली(आरएनएस)। महाराष्ट्र में पुणे के लोहगढ़ किले में केतन अग्रवाल की बेरहमी से दर्दनाक हत्या के एक महीने लगभग पूरे होने को है. पुणे शहर के इस बहुचर्चित हत्याकांड में एक नया मोड़ आ गया है. एक बाप की फ़रियाद अब न्याय की गुहार के रूप में देश के सर्वोच्च पद तक पहुंच गई है. पीड़ित पिता ने राष्ट्रपति मुर्मू को लिखा भावुक पत्र. बेटे और पिता दोनों को खोने का दर्द बयां कर फास्ट ट्रैक कोर्ट की मांग की है।

केतन अग्रवाल हत्याकांड में राष्ट्रपति से लगी न्याय की गुहार. केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक बेहद दर्दभरा और भावुक ई-मेल भेजा है।

केतन अग्रवाल के पिता विशाल अग्रवाल न्याय की गुहार लेकर राष्ट्रपति के पास पहुंचे हैं. राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू को एक ईमेल लिखकर गुज़ारिश की है कि उनके बेटे के को भी महज एक फाइल बनाकर ना छोड़ दिया जाए और दोषियों को फास्ट ट्रैक कोर्ट के माध्यम से जल्द से जल्द सजा मिले।

केतन के पिता विशाल अग्रवाल ने लिखा, महामहिम, मैं यह पत्र किसी व्यवसायी या किसी प्रभावशाली व्यक्ति के रूप में नहीं लिख रहा हूं. मैं सिर्फ एक बिखर चुका बाप हूं, जो अपने दिवंगत बेटे के लिए आपसे जल्द से जल्द इंसाफ की मांग कर रहा है।

एमसीडी की राजनीति में बड़ा उलटफेर, आईवीपी के 16 पार्षद बीजेपी में होंगे शामिल

नई दिल्ली, (आरएनएस)। दिल्ली नगर निगम (MCD) की सियासत में एक बहुत बड़ा उलटफेर होने जा रहा है, जिससे राजधानी का राजनीतिक समीकरण पूरी तरह बदल जाएगा। आम आदमी पार्टी (AAP) से बगावत कर अलग दल बनाने वाली इंद्रप्रस्थ विकास पार्टी (IVP) के सभी 16 पार्षद आज औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) का दामन थामने जा रहे हैं। इस बड़े विलय के बाद एमसीडी में भाजपा की ताकत में भारी इजाफा होगा। दिल्ली भाजपा कार्यालय में पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की गरिमामयी मौजूदगी में आईवीपी का भाजपा में आधिकारिक विलय कराया जाएगा। इसके साथ ही कयास लगाए जा रहे हैं कि भाजपा आज ही वार्ड कमेटियों के चेयरमैन और डिप्टी चेयरमैन पद के प्रत्याशियों के नामों की भी घोषणा कर सकती है।

भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत होगी, ओएनजीसी मंगलुरु में बनाएगा बड़ा तेल भंडार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। पश्चिम एशिया में लगातार गहराते भू-राजनीतिक संकट और समुद्री व्यापारिक मार्गों पर मंडराते खतरों के बीच भारत ने अपनी ऊर्जा आत्मनिर्भरता को चाक-चौबंद करने के लिए एक बेहद रणनीतिक और बड़ा कदम उठाया है। वैश्विक स्तर पर कच्चे तेल की निर्बाध आपूर्ति को लेकर बढ़ती अनिश्चितताओं के मद्देनजर देश की शीर्ष सार्वजनिक तेल और गैस अन्वेषण कंपनी ने दक्षिण भारत के तटीय क्षेत्र में एक विशाल नया रणनीतिक कच्चे तेल का भंडार स्थापित करने की घोषणा की है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के जरिए देश किसी भी अंतरराष्ट्रीय आपातकाल या युद्ध जैसी स्थितियों में अपनी घरेलू ऊर्जा जरूरतों को बिना किसी व्यवधान के पूरा करने में सक्षम हो सकेगा.ऊर्जा सुरक्षा को मिलेगा नया सुरक्षा कवच, विदेशी तेल पर निर्भरता की चुनौतीदुनिया के तीसरे सबसे बड़े तेल उपभोक्ता देश के रूप में भारत अपनी कच्चे तेल की कुल आवश्यकता का एक बहुत बड़ा हिस्सा विदेशी बाजारों से आयात करता है. हाल के दिनों में वैश्विक तनाव के चलते जब प्रमुख समुद्री संकीर्ण मार्गों से होने वाली सप्लाई चेन प्रभावित हुई, तो घरेलू स्तर पर सुरक्षात्मक कदम उठाने की आवश्यकता बेहद बढ़ गई. इसी के समाधान के तौर पर सरकारी तेल कंपनी ने नियामक फाइलिंग में जानकारी दी है कि वह मंगलुरु में 17.5 लाख टन की क्षमता वाला एक नया राष्ट्रीय रणनीतिक पेट्रोलियम रिजर्व विकसित करने जा रही है, जो संकट के समय देश की अर्थव्यवस्था की रफ्तार को थमने नहीं देगा।

अधिक अल्कोहलयुक्त दवाओं की बिक्री के लिए लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे की होगी अनिवार्यता : सरकार

नई दिल्ली (आरएनएस)। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को अधिक मात्रा में एथिल अल्कोहल (इथेनॉल) युक्त औषधीय फॉर्मूलेशनों (दवाओं) के नियमन को सख्त कर दिया। सरकार ने ऐसे उत्पादों की बिक्री के लिए लाइसेंस और डॉक्टर के पर्चे को अनिवार्य कर दिया है। इस कदम का उद्देश्य इन दवाओं के दुरुपयोग पर रोक लगाना और साथ ही वास्तविक चिकित्सीय जरूरतों के लिए उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करना है। मंत्रालय ने बताया कि इलायची, अदरक और अन्य सुगंधित औषधीय फॉर्मूलेशन की टिंचर (अर्क) जैसी कई औषधीय तैयारियों को पहले अनुसूची-के के तहत लाइसेंस संबंधी आवश्यकताओं से छूट प्राप्त थी। हालांकि, इनमें से कुछ उत्पादों में 80 से 90 प्रतिशत तक एथाइल अल्कोहल होता है, जिससे इनके नशे के उद्देश्य से दुरुपयोग की आशंका रहती है। केंद्र सरकार ने यह भी बताया कि कुछ राज्य सरकारों ने ऐसे उत्पादों के दुरुपयोग को लेकर चिंता जताते हुए इस संबंध में सुझाव और संदर्भ भेजे थे।

सेना प्रमुख ने जम्मू कश्मीर में आतंकवाद-रोधी ग्रिड की समीक्षा की, उपराज्यपाल व मुख्यमंत्री से भी हुई मुलाकात

नई दिल्ली, (आरएनएस)। थलसेना प्रमुख बनने के बाद जनरल धीरज सेठ ने जम्मू कश्मीर में उत्तरी कमान का अपना पहला दौरा किया है। उन्होंने यहां कुपवाड़ा, उरी और मानसबल जैसे सीमावर्ती इलाकों में अग्रिम तैनाती का निरीक्षण किया। श्रीनगर में सुरक्षा परिदृश्य और अमरनाथ यात्रा की तैयारियों की समीक्षा की। जम्मू क्षेत्र में एलओसी और आतंकवाद-रोधी ग्रिड का आकलन किया है। इसके साथ ही सेना प्रमुख ने जम्मू कश्मीर के उपराज्यपाल और मुख्यमंत्री से भी मुलाकात की है। सेना प्रमुख का उत्तरी कमान का यह दौरा संपन्न हो चुका है। उन्होंने यहां एलओसी से लेकर कश्मीर घाटी तक सुरक्षा की पूरी तैयारियों का लिया जायजा। थलसेना प्रमुख जनरल धीरज सेठ ने 7 से 9 जुलाई तक का समय उत्तरी कमान में बिताया। थलसेना प्रमुख बनने के बाद यह उनका उत्तरी कमान का पहला दौरा था। इस दौरान उन्होंने नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात सैन्य संरचनाओं, कश्मीर घाटी और जम्मू क्षेत्र में सुरक्षा स्थिति, आतंकवाद-रोधी अभियानों, सैन्य तैयारियों तथा युद्धक क्षमता का व्यापक आकलन किया।

असामान्य जनसंख्या वृद्धि रोकने केंद्रीय मंत्री शाह का डेमोग्राफिक मिशन

आबादी में असामान्य कारणों से होने वाली वृद्धि को रोका जाएगा

नई दिल्ली (ए.)। केंद्रीय गृह मंत्री और बीजेपी के चाणक्य अमित शाह ने अंतरराष्ट्रीय सीमा से सटे 119 जिलों के पुलिस अधीक्षकों (एसपीएस) की महत्वपूर्ण बैठक की अध्यक्षता की, इसमें देश को घुसपैठ-मुक्त बनाने और सीमा सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने की मोदी सरकार की नीति पर चर्चा की गई। इस मौके पर, केंद्रीय मंत्री शाह ने एक डेमोग्राफिक मिशन शुरू करने की घोषणा की। मिशन का मुख्य उद्देश्य असामान्य कारणों से होने वाली आबादी की बढ़ोतरी की पहचान करना और भविष्य में ऐसी वृद्धि को रोकने के लिए आवश्यक उपाय सुझाना है। मोदी सरकार ने स्पष्ट किया कि आबादी में असामान्य कारणों से होने वाली वृद्धि को हर कीमत पर रोका जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री ने सीमा सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की, मौजूदा चुनौतियों के समाधान तलाशे और प्रभावी नीतिगत उपायों की रूपरेखा तैयार की। उन्होंने स्मार्ट बॉर्डर के विज़न पर आधारित भारत के सीमा सुरक्षा सिस्टम को दुनिया का सबसे आधुनिक बनाने का संकल्प जाहिर किया। केंद्रीय मंत्री शाह ने मजबूत चौतरफा सुरक्षा ग्रिड बनाने पर जोर दिया, जिसमें सीमा सुरक्षा बल, राज्य व जिला प्रशासन, केंद्र सरकार के अधिकारी और लोकल नागरिक एक साथ मिलकर काम करने की बात कही गई। उन्होंने कहा कि सुरक्षित सीमाएं, समृद्ध सीमावर्ती इलाके और एक सतर्क समाज ही देश की सुरक्षा और प्रगति सुनिश्चित कर सकते हैं। केंद्रीय गृह मंत्री ने तटीय सीमा सुरक्षा को भी समग्र रूप से मजबूत करने की बात कही।

केंद्रीय मंत्री ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर को आतंकवाद और नक्सलवाद से मुक्ति दिलाने को सामूहिक सफलता बताया। उन्होंने नशीले पदार्थों की समस्या पर अगले तीन वर्षों में निर्णायक जीत हासिल करने का भी संकल्प दोहराया। इस मौके पर शाह ने पिछली सरकारों पर निशाना साधकर कहा कि पहले समस्याएं स्थायी रहती थीं और समाधान अस्थायी, लेकिन अब मोदी सरकार समस्याओं की जड़ पर प्रहार कर स्थायी समाधान दे रही है। उन्होंने बताया कि मोदी सरकार में सीमा पर बुनियादी ढाँचे में 400 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। इस मौके पर केंद्रीय गृहराज्य मंत्री नित्यानंद राय और बंडी संजय कुमार, केंद्रीय गृह सचिव, इंटेलिजेंस ब्यूरो के निदेशक तथा सीमावर्ती राज्यों के पुलिस महानिदेशक सहित कई वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे।

ममता को एक और बड़ा झटका? यूसुफ पठान ने शुभेंदु अधिकारी से की सीक्रेट मुलाकात; अटकलें तेज

कोलकाता ,(आरएनएस)। पश्चिम बंगाल की राजनीति में भूचाल थमने का नाम नहीं ले रहा है। तृणमूल कांग्रेस (TMC) से बगावत कर अलग गुट बनाने वाले लोकसभा सांसद और पूर्व धाकड़ क्रिकेटर यूसुफ पठान की एक अचानक हुई 'सीक्रेट मीटिंग' ने सियासी गलियारों में भारी खलबली मचा दी है। पठान ने गुरुवार को नबान्न पहुंचकर राज्य के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी से खास मुलाकात की। इस गुपचुप बैठक का एजेंडा क्या था, इसे लेकर दोनों ही पक्षों ने पूरी तरह से चुप्पी साधी हुई है। इस मुलाकात ने अटकलों के बाजार को इसलिए भी पूरी तरह से गर्म कर दिया है, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (BJP) ने हाल ही में राज्यसभा उपचुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। यह कोई छिपी बात नहीं है कि यूसुफ पठान उन 20 बागी सांसदों की सूची में प्रमुखता से शामिल हैं, जिन्होंने बीते जून महीने में टीएमसी से नाता तोड़कर 'नेशनल सिटिजन्स पार्टी ऑफ इंडिया' (NCPI) में विलय का ऐलान कर दिया था।

अब भारत में तैयार होगा इजरायल का अजेय 'आयरन डोम', राफेल कंपनी का बड़ा मास्टरस्ट्रोक

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। आसमान से बरसती मौत को हवा में ही खाक कर देने वाले इजरायल के अचूक हथियार 'आयरन डोम' को लेकर एक बेहद सनसनीखेज और बड़ी खबर सामने आई है। जल्द ही इस विश्व प्रसिद्ध एयर डिफेंस सिस्टम की मिसाइलें भारतीय जमीन पर आकार ले सकती हैं। इजरायल की दिग्गज रक्षा कंपनी राफेल एडवांस्ड डिफेंस सिस्टम्स अब भारत में आयरन डोम इंटरसेप्टर मिसाइलों का उत्पादन शुरू करने की बड़ी योजना बना रही है। इसके लिए कंपनी कई प्रमुख भारतीय रक्षा प्रतिष्ठानों के साथ अहम बातचीत के दौर में है। अगर सब कुछ योजना के मुताबिक रहा, तो इतिहास में पहली बार इजरायल और अमेरिका के बाहर इस अभेद्य सुरक्षा कवच का निर्माण भारत में होगा।

'मेक इन इंडिया' को मिलेगी नई उड़ान, दुनिया देखेगी ताकतयह कदम केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी

'मेक इन इंडिया' और 'आत्मनिर्भर भारत' पहल के लिए एक मील का पत्थर साबित हो सकता है। भारत काफी समय से विदेशी हथियार निर्माता कंपनियों को अपने देश में स्थानीय उत्पादन और निर्यात के लिए आकर्षित कर रहा है। आयरन डोम की मैन्युफैक्चरिंग भारत में होने से न केवल देश की अपनी सैन्य ताकत और रक्षा उत्पादन क्षमता में जबरदस्त इजाफा होगा, बल्कि दुनिया भर की रक्षा सप्लाई चेन में भी भारत का दबदबा काफी बढ़ जाएगा। वर्तमान में इस इंटरसेप्टर मिसाइल का निर्माण केवल उत्तरी इजरायल और अमेरिका में रेथियॉन कंपनी के सहयोग से होता है, लेकिन अब भारत इस लिस्ट में तीसरा बड़ा नाम बनने जा रहा है।

आखिर राफेल कंपनी ने क्यों चुनी भारतीय सरजमीं पश्चिम एशिया में चल रहे भारी तनाव और युद्ध के हालातों को देखते हुए पूरी दुनिया में अचूक एयर डिफेंस सिस्टम की मांग अचानक से आसमान छूने लगी है। ऐसे में भारत के अंदर नई प्रोडक्शन लाइन शुरू करने से इजरायली कंपनी राफेल को भी रणनीतिक रूप से बड़ा फायदा होगा। भारत में निर्माण होने से मिसाइलों की उत्पादन लागत काफी कम हो जाएगी, सप्लाई चेन मजबूत होगी और वैश्विक मांग को जल्द से जल्द पूरा करना आसान होगा।

बच्चों की ऑनलाइन सुरक्षा पर बड़ा संकेत, पीएम मोदी ने ऑस्ट्रेलिया मॉडल की तारीफ की

दिल्ली ,,(आरएनएस)। ऑस्ट्रेलिया द्वारा 16 साल से कम उम्र के बच्चों के लिए सोशल मीडिया पर पूरी तरह से प्रतिबंध लगाए जाने के बाद अब भारत में भी इस पर गंभीर बहस छिड़ गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ऑस्ट्रेलिया के इस कड़े कदम को दुनिया के लिए एक बड़ी सीख और प्रेरणा बताया है। मेलबर्न में आयोजित भारत-ऑस्ट्रेलिया शिखर सम्मेलन के दौरान ऑस्ट्रेलियाई प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की मौजूदगी में पीएम मोदी ने साफ किया कि बच्चों को ऑनलाइन खतरों से सुरक्षित रखने के ऑस्ट्रेलिया के इन प्रयासों से भारत भी काफी कुछ सीख रहा है।

पीएम मोदी ने की कड़े कानून की सराहना

शिखर सम्मेलन को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सूचना प्रौद्योगिकी (IT) और सोशल मीडिया से जुड़े नियमों में ऑस्ट्रेलिया द्वारा किए जा रहे बदलाव समाज और आने वाली पीढ़ी की सुरक्षा के लिहाज से बेहद अनुकरणीय हैं। पीएम के इस बयान के बाद यह कयास लगाए जाने लगे हैं कि क्या भारत भी भविष्य में अपने यहां बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य और साइबर सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सोशल मीडिया पर ऐसी ही कोई बड़ी पाबंदी लगाने की तैयारी कर रहा है।

धर्मांतरण मामले में एससी ने याचिककर्ता को दी बड़ी राहत, नोटिस जारी कर राज्य सरकार से मांगा जवाब

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। सुप्रीम कोर्ट ने मध्य प्रदेश के हेमराज टेलर के खिलाफ चल रहे आपराधिक मामले में अस्थायी रोक लगा दी है. हेमराज टेलर ने मध्य प्रदेश हाई कोर्ट के फैसले को चुनौती दी थी. जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की बेंच ने हेमराज टेलर की याचिका पर नोटिस जारी करते हुए राज्य सरकार से 6 हफ्तों में जवाब मांगा है. हेमराज टेलर पर आरोप है कि उन्होंने एक परिवार को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर किया था.सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक ऐसे व्यक्ति के खिलाफ आगे की आपराधिक कार्यवाही पर रोक लगा दी, जो हिंदू बताया जा रहा है और जिस पर मध्य प्रदेश में एक परिवार को इस्लाम धर्म अपनाने के लिए मजबूर करने का आरोप है।

जस्टिस मनोज मिश्रा और जस्टिस श्री चंद्रशेखर की पीठ ने मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली उस व्यक्ति की याचिका पर राज्य सरकार को नोटिस जारी किया है. एमपी उच्च न्यायालय ने मध्य प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम के तहत FIR रद्द करने से मना कर दिया था।

हेमराज टेलर ने अपने खिलाफ राजगढ़ जिले के जीरापुर पुलिस स्टेशन में दर्ज केस में राहत पाने के लिए एमपी उच्च न्यायालय में याचिका दायर की थी. हाई कोर्ट से राहत नहीं मिल पाने के कारण हेमराज ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

हेमराज की याचिका पर सुनवाई के दौरान उनके वकील ने कोर्ट को बताया कि शिकायतकर्ता (महिला) के पति ने लगभग 8 साल पहले इस्लाम अपना लिया था. उसके इतने साल बाद शिकायत दर्ज की गई है. पीठ को यह भी बताया गया कि याचिकाकर्ता और उसका परिवार हिंदू धर्म को मानता है।

बेटी ने रची मां की मौत की साजिश! पहली कोशिश नाकाम, फिर 130 की रफ्तार से स्कॉर्पियो चढ़ाकर की हत्या का आरोप

जयपुर,(आरएनएस)। जयपुर में राजस्थान हाईकोर्ट की कर्मचारी नीरज शर्मा की मौत के मामले में पुलिस जांच के दौरान लगातार चौंकाने वाले खुलासे हो रहे हैं। जिस घटना को शुरुआत में सड़क हादसा माना जा रहा था, उसे अब पुलिस पूर्व नियोजित हत्या की साजिश मानकर जांच कर रही है। पुलिस का दावा है कि नीरज शर्मा की हत्या की कोशिश एक बार नहीं, बल्कि दो बार की गई थी। पहली कोशिश नाकाम रहने के बाद आरोपियों ने रणनीति बदलकर दूसरी बार कथित रूप से सुनियोजित तरीके से वारदात को अंजाम दिया।

पुलिस के अनुसार, 3 जुलाई को हुई घटना से पहले आरोपियों ने नीरज शर्मा को उनके घर के बाहर किराए की महिंद्रा थार से कुचलने की योजना बनाई थी। हालांकि, उस दिन वह बच गईं। इस घटना के बाद नीरज को अपने पीछे किसी के लगे होने का संदेह हुआ और उन्होंने सुरक्षा के मद्देनजर घर के बाहर सीसीटीवी कैमरे लगवा दिए.जांच में सामने आया है कि घर के बाहर कैमरे लगने के बाद आरोपियों ने घटनास्थल बदलने का फैसला किया। कथित साजिशकर्ताओं ने ऐसी जगह हमला करने की योजना बनाई, जहां वारदात को सड़क हादसा साबित करना आसान हो और किसी को शक न हो।

बेटी के फोन के बाद बदला रास्ता

पुलिस के मुताबिक, घटना वाले दिन नीरज शर्मा अपने 16 वर्षीय दिव्यांग बेटे को कोचिंग छोड़कर लौट रही थीं। इसी दौरान उनकी बेटी आयुषी शर्मा ने उन्हें फोन कर किसी जरूरी काम का हवाला देते हुए घर वापस बुलाया। जांच एजेंसियों का आरोप है कि जैसे ही नीरज ने अपना रास्ता बदला, पहले से निगरानी कर रहे लोगों ने स्कॉर्पियो सवार हमलावरों को संकेत दे दिया।

130 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से मारी टक्कर

पुलिस जांच के अनुसार, स्कॉर्पियो करीब 130 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से पीछे से आई और नीरज शर्मा की स्कूटी को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वह करीब 100 फीट दूर जा गिरीं। शुरुआती दौर में इस घटना को सड़क दुर्घटना का रूप देने की कोशिश की गई।

अनुकंपा नौकरी और 5 बीघा जमीन बना कथित साजिश का कारण

पुलिस के अनुसार, परिवार में विवाद की शुरुआत नीरज शर्मा के पति विजय कुमार शर्मा की मृत्यु के बाद हुई। विजय कुमार राजस्थान हाईकोर्ट में एलडीसी थे। परिवार ने दिव्यांग बेटे के भविष्य को देखते हुए अनुकंपा नियुक्ति नीरज शर्मा को दिलाने का निर्णय लिया था। जांच में सामने आया कि बेटी आयुषी इस फैसले से नाराज थी और बाद में अपने चाचा मोहन स्वरूप के घर रहने लगी।

पुलिस का आरोप है कि इसी दौरान मोहन स्वरूप और उसके फरार बेटे बलराम ने आयुषी को अपने पक्ष में कर लिया। जांच में यह भी सामने आया है कि आयुषी ने आगरा हाईवे पर स्थित करीब 5 बीघा पैतृक जमीन में हिस्सा अपने चाचा और चचेरे भाई के नाम करने का कथित वादा किया था। पुलिस का मानना है कि संपत्ति और अनुकंपा नौकरी का विवाद ही इस कथित साजिश की मुख्य वजह बना।

मटन की जगह 'चिकन' परोसते ही बवाल: शादी का मंडप बना रणक्षेत्र, जमकर चले लाठी-डंडे

सहरसा (आरएनएस)। बिहार के सहरसा जिले में एक निकाह समारोह उस समय हिंसा में बदल गया, जब बारातियों को कथित तौर पर वादा किए गए मटन (खस्सी का मीट) की जगह चिकन परोस दिया गया। मामूली विवाद देखते ही देखते इतना बढ़ गया कि शादी का मंडप अखाड़े में तब्दील हो गया और दोनों पक्षों के बीच जमकर लाठी-डंडे चले। घटना में कई लोग घायल हो गए।

यह मामला महिषी प्रखंड के राजनपुर गांव का है, जहां सिमरी बख्तियारपुर से बारात पहुंची थी। निकाह की रस्में शांतिपूर्वक संपन्न होने के बाद बाराती भोजन करने बैठे। इसी दौरान कुछ लोगों ने मटन के बजाय चिकन परोसे जाने पर आपत्ति जताई। आरोप है कि इस बात को लेकर पहले कहासुनी हुई और फिर विवाद हिंसक झड़प में बदल गया।

मारपीट में दूल्हा पक्ष के मो. आशिक, मो. इरफान, मो. हसन, मो. अब्बास, मो. जब्बार, मो. आतिफ और मो. महबूब सहित कई लोग घायल हो गए। सभी घायलों को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल, सिमरी बख्तियारपुर में भर्ती कराया गया, जहां उनका उपचार जारी है।

घायल बारातियों का आरोप है कि भोजन को लेकर शिकायत करने पर लड़की पक्ष के लोगों ने उन पर हमला कर दिया। घटना के बाद शादी की खुशियां तनाव में बदल गईं और इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

कलयुगी मां-बाप ने मासूमों को गर्म लोहे और सिगरेट से दागा, तोड़ दी हड्डी; वजह जान दंग रह जाएंगे आप

सूर्यापेट,(आरएनएस)। खून के रिश्तों को तार-तार कर देने वाली एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई है, जिसे सुनकर किसी का भी कलेजा कांप उठेगा। जिन हाथों का काम बच्चों की हिफाजत करना और उन्हें दुलारना होता है, उन्हीं हाथों ने दो मासूमों की जिंदगी नर्क बना दी। तेलंगाना के हुजूरनगर में एक निर्दयी दंपति ने अपनी निजी जिंदगी और 'आजादी' में रुकावट मानने पर अपने ही दो छोटे-छोटे बच्चों को ऐसी भयानक यातनाएं दीं, जो कोई दुश्मनों को भी न दे। घर की चारदीवारी के अंदर इन मासूमों को गर्म लोहे की रॉड, करछुल और सिगरेट से जलाकर अपना गुस्सा उतारा गया।

पड़ोसियों की सतर्कता से बची मासूमों की जान

इस बर्बरता का पर्दाफाश तब हुआ जब बच्चों के दर्द से चीखने-चिल्लाने की आवाजें लगातार पड़ोसियों तक पहुंचने लगीं। 43 वर्षीय ट्रक ड्राइवर नकिरीकांती रवि और उसकी पत्नी इंदु बंद दरवाजे के पीछे अपने पांच और दो साल के बच्चों पर बेतहाशा जुल्म ढा रहे थे। जब लोगों ने किसी तरह बच्चों को देखा तो उनकी रूह कांप गई। बच्चों के शरीर पर जलने और गहरे घाव के कई निशान थे, जबकि छोटे बच्चे की कलाई की हड्डी तक टूटी हुई थी। पड़ोसियों ने बिना कोई देरी किए तुरंत पुलिस को इस पूरी हैवानियत की जानकारी दी। सूचना मिलते ही पुलिस, आईसीडीएस और चाइल्डलाइन की टीम मौके पर पहुंची और फौरन बच्चों को रेस्क्यू कर मेडिकल मदद के लिए अस्पताल पहुंचाया।

राम नगरी अयोध्या से योगी का विपक्ष पर हमला, बोले-हमारी सरकार विकास और आस्था दोनों को बढ़ा रही

अयोध्या ,,(आरएनएस)। राम नगरी के मंदिरों से चढ़ावा चोरी की घटना के बाद पंद्रह दिन में दूसरी बार अयोध्या पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्ष को कठघरे में खड़ा किया। उन्होंने यहां राष्ट्रीय लोकदल के नेता स्वर्गीय मुन्ना सिंह चौहान की भव्य मूर्ति का अनावरण करने के साथ ही एक विशाल जनसभा को भी संबोधित किया। अयोध्या की बीकापुर विधानसभा क्षेत्र के सोहावल में मुख्यमंत्री ने 432 करोड़ रुपये से अधिक की विकास योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। इस दौरान उन्होंने प्रदेश में भाजपा और पूर्ववर्ती सरकारों के कार्यकाल के बीच के अंतर को भी स्पष्ट रूप से रेखांकित किया।

डबल इंजन सरकार के संकल्प और विपक्ष पर प्रहार मुख्यमंत्री ने जनसभा में कहा कि जब प्रदेश में डबल इंजन की सरकार आई, तभी भगवान श्रीराम के भव्य मंदिर का निर्माण संभव हो सका। विकास का लाभ प्रत्येक नागरिक तक पहुंचे और जनकल्याणकारी नीतियों हर परिवार के जीवन में सकारात्मक बदलाव लाएं, यही सरकार का मुख्य संकल्प है। पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि यहां ऐसी भी सरकारें रहीं जो रामभक्तों पर गोलियां चलवाती थीं। समाजवादी पार्टी पर सीधा आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि सपा ने हनुमानगढ़ी की सीढ़ियों पर नमाज पढ़ाने का पाप किया था, जबकि हमारी सरकार ने अयोध्या को देश की सांस्कृतिक राजधानी के रूप में स्थापित करने का कार्य किया है। आज अयोध्या की तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है और यह तीनों लोकों से न्यारी बन गई है।

भदरसा का नाम बदलकर अब हुआ भरतनगर भरतकुंड क्षेत्र के विकास और सांस्कृतिक पहचान को नया आयाम देते हुए मुख्यमंत्री ने एक बड़ी घोषणा की। उन्होंने कहा कि भदरसा का चेयरमैन गुस्ताखी कर रहा था, इसलिए अब भदरसा क्षेत्र को भरतनगर भरतकुंड के नाम से जाना जाएगा। भदरसा नगर पंचायत की नई पहचान अब इसी पवित्र नाम से होगी

इजरायल की अमेरिका को चेतावनी, ईरान ने रची है ट्रंप की हत्या की साजिश

यरूशलम (आरएनएस)। अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ने के बाद इजरायल की खुफिया एजेंसियों ने वाशिंगटन को ईरानी साजिश को लेकर आगाह किया है। सूत्रों ने बताया कि इजरायल ने अमेरिका

के साथ कुछ खुफिया जानकारी साझा की है, जिसमें ईरान द्वारा राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की हत्या की नई साजिश की जानकारी है। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया कि खुफिया जानकारी कब और किस माध्यम से दी गई है।रिपोर्ट के मुताबिक, यह चेतावनी इसी सप्ताह मिली है। हालांकि, अमेरिका को हाल में ट्रंप की हत्या की संभावित योजनाओं की जानकारी मिल रही थी, लेकिन इजरायल की नई चेतावनी विशिष्ट साजिश से संबंधित है। ईरान 2020 में ट्रंप के आदेश पर कुद्स फोर्स के जनरल कासिम सुलेमानी की हत्या के बाद से सार्वजनिक रूप से ट्रंप की हत्या की प्रतिज्ञा कर रहा है। खुफिया रिपोर्ट को कुछ अमेरिकी अधिकारी ट्रंप को प्रभावित करने का इजरायली प्रयास मान रहे हैं। इजरायली खुफिया रिपोर्ट को इस बात से भी पुख्ता माना जा रहा है क्योंकि तुर्की से लौटते समय राष्ट्रपति ट्रंप ने पत्रकारों से इसका जिक्र किया था। उन्होंने कहा था कि ईरान उनको रास्ते से हटाना चाहता है और वह इस्लामिक देश के दुश्मनों की सूची में पहले स्थान पर हैं। यही नहीं, ईरान में दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई के 7 दिवसीय अंतिम संस्कार समारोहों में भी अमेरिकी राष्ट्रपति की मौत की मांग प्रमुखता से उठाई गई है। इस बीच, इजरायली प्रधानमंत्री कार्यालय ने बताया कि बेंजामिन नेतन्याहू और ट्रंप के बीच लगातार संपर्क बना हुआ है और गुरुवार को दोनों के बीच एक और बातचीत हुई है।

स्पेन के अल्मेरिया में जंगल की भीषण आग हुई बेकाबू, अब तक 12 की मौत

मैड्रिड(आरएनएस)। दक्षिणी यूरोप में जारी भीषण गर्मी के बीच स्पेन के अल्मेरिया में जंगल की आग ने भीषण रूप ले लिया है। इसमे अब तक 12 लोगों की मौत की खबर आई है। आंदालूसिया की क्षेत्रीय सरकार ने बताया कि दक्षिणपूर्वी प्रांत अल्मेरिया के लॉस गैलार्डोस में लगी जंगल की आग को बुझान के लिए 150 से अधिक दमकल वाहनों को लगाया गया है। राष्ट्रपति कार्यालय, स्वास्थ्य और आपातकालीन मामलों के मंत्री एंटोनियो सैन्ज़ ने इसे सबसे विनाशकारी आग बताया है। लॉस गैलार्डोस स्पेन के दक्षिणी क्षेत्र आंदालूसिया में अल्मेरिया प्रांत की एक नगर पालिका है। आग बेदार गांव के जंगलों में लगी है। यहां तापमान 40 डिग्री से अधिक है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि आग बिजली के टूटे तार के कारण लगी और पत्ते सूखे पड़े होने के कारण जंगल वाले इलाके में फैल गई। इससे पहले, दक्षिणी फ्रांस में इस सप्ताह की शुरुआत में जंगल की आग बेकाबू हो गई थी। आग की भयावहता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि कुछ पीड़ितों के शव उन वाहनों के अंदर मिले जो आग की लपटों में घिर गए थे।

न्यूजीलैंड में प्रधानमंत्री मोदी का खास स्वागत, रोशनी से जगमगाया ऑकलैंड का स्काई टावर

ऑकलैंड(आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तीन देशों के दौरे के आखिरी चरण में न्यूजीलैंड पहुंच चुके हैं। पीएम मोदी के न्यूजीलैंड दौरे पर ऑकलैंड में उनका खास अंदाज में स्वागत किया गया। इस मौके पर शहर के मशहूर स्काई टावर को विशेष रोशनी से सजाया गया।विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्?स' पर लिखा, ऑकलैंड में प्रधानमंत्री का खास स्वागत कि?या गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के न्यूजीलैंड दौरे के स्वागत में वहां के मशहूर स्काई टावर को खास रोशनी से सजाया गया। यह दोनों देशों के बीच दोस्ती और अच्छे रिश्तों का प्रतीक है।न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन ने एयरपोर्ट पर पीएम मोदी का गले लगाकर स्वागत किया। इस दौरान न्यूजीलैंड में भारत की उच्चायुक्त मुआनपुई सैयावी समेत न्यूजीलैंड के कई अधिकारी मौजूद रहे। पीएम लक्सन ने एयरपोर्ट पर प्रधानमंत्री मोदी के स्वागत का वीडियो साझा कर सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी न्यूजीलैंड में आपका स्वागत है। प्रधानमंत्री मोदी ने भी 'एक्स' पर गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए प्रधानमंत्री लक्सन का आभार जताया। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर लिखा, "थोड़ी देर पहले ऑकलैंड पहुंचा। एयरपोर्ट पर स्वागत के लिए प्रधानमंत्री लक्सन का शुक्रिया। यह दौरा ऐतिहासिक है, चार दशकों में न्यूजीलैंड का यह पहला प्रधानमंत्री दौरा है। मैं प्रधानमंत्री लक्सन के साथ बातचीत करने और भारत-न्यूजीलैंड दोस्ती पर समग्र चर्चा करने का इंतजार कर रहा हूं। मैं शनिवार ऑकलैंड में एक कम्युनिटी प्रोग्राम को भी संबोधित करूंगा।"

न्यूजीलैंड में रह रहे भारतीय समुदाय ने सांस्कृतिक नृत्य की प्रस्तुति देकर पीएम मोदी का स्वागत किया। प्रधानमंत्री मोदी के न्यूजीलैंड पहुंचने से पहले वहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों ने अपनी खुशी जाहिर की और बताया कि कैसे वह उनका स्वागत करने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। प्रधानमंत्री के स्वागत में प्रस्तुति दे रहे भारतीय समुदाय के एक सदस्य ने कहा, "मैं पीएम मोदी के लिए परफॉर्म करने को लेकर बहुत उत्साहित हूं। वह 40 साल बाद आ रहे हैं, लेकिन सबसे जरूरी बात यह है कि यह वंदे मातरम की 150वीं सालगिरह है, इसलिए हमारा समूह उनके लिए यह परफॉर्म करने और इस मौके को यादगार बनाने को लेकर बहुत उत्साहित है।"

शेख हसीना दिसंबर में लौटेंगी बांग्लादेश, अपने पार्टी नेताओं के साथ करेंगी आत्मसमर्पण

ढाका,(आरएनएस)। बांग्लादेश की अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना ने इस साल दिसंबर में अपने देश वापस लौटने की योजना बनाई है। वह अपने वरिष्ठ सहयोगियों के साथ आत्मसमर्पण कर सकती हैं हसीना ने संभावना जताई कि वापस ढाका लौटने के बाद उनकी हत्या हो सकती है या फिर उनको गिरफ्तार किया जा सकता है। आवामी लीग की प्रमुख हसीना ने कहा कि बांग्लादेश सरकार लगातार भारत सरकार को पत्र लिखकर वापस बुला रही है, इसलिए वह जाएंगी।हसीना ने कहा, हो सकता है कि लौटने पर वे मुझे गिरफ्तार कर लें, वे मुझे मार भी सकते हैं, फिर भी, मुझे जाना होगा। उन्होंने कहा, मेरे पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं का भयानक दमन हो रहा है। अगर मौत आती है, तो मैं चाहती हूं कि वह मेरी अपनी धरती पर आए, जहां मेरे माता-पिता दफन हैं और जहां उनका खून बहा था।हसीना ने दिल्ली स्थित निर्वासन आवास से कहा कि उन्होंने किसी विदेशी सरकार से परामर्श नहीं किया कि वह कब और कैसे बांग्लादेश लौटेंगी।

उन्होंने कहा, ढाका के अधिकारी मुझे वापस बुलाना चाहते हैं, वे बार-बार भारत को पत्र भेजकर मुझे वापस भेजने की गुहार लगा रहे हैं। मैं खुद जाऊंगी। उन्होंने कहा, हमारे सभी नेताओं-कार्यकर्ताओं के खिलाफ मामले दर्ज हैं। कई छिप गए हैं। इसलिए मैं इस बार घर लौट रही हूं। हम सब मिलकर अदालत में आत्मसमर्पण करेंगे।

ईरान में धमाकों के बीच अयातुल्लाह अली खामेनेई निधन के 132 दिन बाद मशहद में सुपुर्द-ए-खाक

तेहरान (आरएनएस)। ईरान के दिवंगत सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई को शुक्रवार तड़के उनके गृहनगर मशहद में सुपुर्द-ए-खाक किया गया। खामेनेई का निधन 28 फरवरी को अमेरिकी-इजरायल हमले में हुआ था, जिसके 132 दिन बाद उनको एक विशेष समारोह के बाद दफनाया गया है। ईरान पर करीब 37 वर्षों तक शासन करने वाले अली खामेनेई को शिया इस्लाम के सबसे पवित्र स्थलों में एक, मशहद में इमाम रजा तीर्थ में आठवें शिया इमाम के मकबरे में दफन किया गया है। रिपोर्ट के मुताबिक, अली खामेनेई के 4 पुत्रों में से 3 अंतिम संस्कार में शामिल रहे। सबसे बड़े बेटे मुस्तफा ने अंतिम संस्कार की नमाज पढ़ाई। उनके दूसरे बेटे और उत्तराधिकारी मोजतबा समारोह में नहीं दिखे।

यूरोपीय संसद ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यक लड़कियों के अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन के खिलाफ पास किया प्रस्ताव

ब्रसेल्स (आरएनएस)। यूरोपीय संसद ने पाकिस्तान में धार्मिक

अल्पसंख्यकों की कम उम्र की लड़कियों के अपहरण, जबरदस्ती धर्म बदलने और बाल विवाह की कड़ी आलोचना की है। यूरोपीय संसद में एक प्रस्ताव पास किया गया और इस तरह के गलत कामों के बड़े पैटर्न पर चिंता जताई गई।यूरोपीय संसद के अनुसार, प्रस्ताव में खास तौर पर मारिया शाहबाज के मामले पर जोर दिया गया, जो एक 13 साल की पाकिस्तानी ईसाई लड़की थी। मारिया का मार्च 2026 में अपहरण कर इस्लाम में धर्म परिवर्तन कर दिया गया। इसके बाद जबरदस्ती उसका अपहरण करने वाले शख्स से ही उसकी शादी करा दी गई।यूरोपीय पार्लियामेंट के सदस्यों (एमईपी) ने उसके कानूनी रिप्रेजेंटेशन, परिवार तक पहुंच और साइकोलॉजिकल समर्थन सुनिश्चित करने की जरूरत पर जोर दिया। 2025 के यूएन के आंकड़ों का हवाला देते हुए, प्रस्ताव में कहा गया कि पाकिस्तान में शादी के जरिए जबरदस्ती धर्म बदलने से प्रभावित महिलाओं और लड़कियों में से लगभग 75 फीसदी हिंदू और 25 फीसदी ईसाई थीं।

फीचर

रोजाना कुछ मिनट करें नाड़ी शोधन प्राणायाम, इससे मिलेंगे कई स्वास्थ्य लाभ

नाड़ी शोधन प्राणायाम एक योगाभ्यास है, जो सांस की प्रक्रिया को सुधारने में मदद करता है। यह प्राणायाम न केवल शारीरिक सेहत के लिए फायदेमंद है, बल्कि मानसिक शांति और संतुलन भी प्रदान करता है। इसे नियमित रूप से करने से शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है और तनाव कम होता है। आइए इस प्राणायाम के 5 मुख्य लाभ जानते हैं।

तनाव को कम करने में सहायक

नाड़ी शोधन प्राणायाम करने से दिमाग में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे मानसिक तनाव कम होता है। जब आप गहरी सांस लेते हैं और धीरे-धीरे छोड़ते हैं तो आपका मन शांत होता है और आप अधिक संतुलित महसूस करते हैं। यह प्रक्रिया आपके मन को शांति देती है और आपको तनावमुक्त बनाती है। इससे आपकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे आप बेहतर तरीके से विचार कर सकते हैं और निर्णय ले सकते हैं।

पाचन तंत्र को मजबूत बनाना

नाड़ी शोधन प्राणायाम पाचन तंत्र के लिए भी बहुत फायदेमंद होता है। इस प्राणायाम को नियमित रूप से करने से पेट की मांसपेशियों में खिंचाव आता है, जिससे पाचन क्रिया में सुधार होता है। इसके अलावा यह प्राणायाम पेट की गैस, कब्ज और अपच जैसी समस्याओं को भी दूर करता है। गहरी सांस लेने और छोड़ने की प्रक्रिया से पेट में खून का बहाव बेहतर होता है, जिससे पाचन तंत्र अधिक प्रभावी बनता है।

दिल के स्वास्थ्य के लिए लाभदायक

नाड़ी शोधन प्राणायाम दिल के लिए अच्छा माना जाता है क्योंकि इससे खून का बहाव बेहतर होता है और दिल पर दबाव कम पड़ता है। नियमित रूप से यह प्राणायाम करने से दिल की धड़कन सामान्य रहती है और रक्तचाप भी नियंत्रित रहता है। इसके अलावा इससे तनाव कम होता है, जो दिल के मरीजों के लिए फायदेमंद है। यह प्रक्रिया दिल को स्वस्थ रखने में मदद करती है और इसे मजबूत बनाती है।

नींद की गुणवत्ता में सुधार

अगर आपको नींद आने में दिक्कत होती है या आपकी नींद पूरी नहीं होती तो नाड़ी शोधन प्राणायाम आपकी मदद कर सकता है। यह प्राणायाम दिमाग को शांत करता है और आपको गहरी नींद लेने में मदद करता है। नियमित रूप से इस प्राणायाम को करने से आपकी नींद की गुणवत्ता बेहतर होती है और आप अधिक तरोताजा महसूस करते हैं। इससे आपकी सोचने की क्षमता भी बढ़ती है, जिससे आप दिनभर ऊर्जावान रहते हैं।

रोग प्रतिरोधक क्षमता को बढ़ाना

नाड़ी शोधन प्राणायाम रोग प्रतिरोधक क्षमता को भी बढ़ाता है। जब आप गहरी सांस लेते हैं तो शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ती है, जिससे कोशिकाएं बेहतर तरीके से काम करती हैं। यह प्रक्रिया सफेद रक्त कोशिकाओं को सक्रिय करती है, जो संक्रमण से लड़ने में सक्षम बनाती हैं। इस प्रकार नाड़ी शोधन प्राणायाम कई प्रकार से हमारे स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव डालता है। इसे रोजाना कुछ मिनट जरूर करें ताकि इसके सभी लाभ प्राप्त हो सकें।

डीप वी-नेक आउटफिट में रकुल प्रीत सिंह ने ढाया कहर, तस्वीरों ने जीता फैंस का दिल

बॉलीवुड की खूबसूरत अभिनेत्री रकुल प्रीत सिंह एक्टिंग के साथ-साथ अपने लाजवाब फैशन सेंस के लिए भी जानी जाती हैं। वेस्टर्न आउटफिट हो या ट्रेडिशनल एथनिक वियर, रकुल हर लुक को बेहद ग्रेस और कॉन्फिडेंस के साथ कैरी करती हैं।

हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपने नए फोटोशूट की कुछ बेहद हॉट और ग्लैमरस तस्वीरें शेयर की हैं, जिसने इंटरनेट पर आते ही तहलका मचा दिया है।

इस नए अवतार में रकुल का बोल्ड और सिजलिंग लुक देखने को मिल रहा है, जिसे देखकर फैंस अपनी नजरें नहीं हटा पा रहे हैं। तस्वीरों में रकुल मिरर-वर्क को-ऑर्ड सेट पहने नजर आ रही हैं।

रकुल ने चारकोल/डार्क ग्रे शेड का एक बेहद खूबसूरत को-ऑर्ड सेट पहना है। इसके ऊपरी हिस्से में एक प्लंजिंग डीप वी-नेकलाइन वाला स्लीवलेस ब्लाउज है। इस ब्लाउज पर मिरर वर्क और क्रिस्टल्स का बेहद बारीक और चमकीला काम किया गया है।

बॉटम के लिए रकुल ने इसी मैचिंग फैब्रिक का बॉडी-हगिंग और नीचे से फ्लेयर्ड स्कर्ट-पैंट कैरी किया है। यह आउटफिट उनकी परफेक्टली टोंड मिड्रिफ और कर्वी फिगर को बेहद खूबसूरती से फ्लॉन्ट कर रहा है।

अपने इस बोल्ड लुक में एलीगेंस जोड़ने के लिए उन्होंने मैचिंग लैवेंडर-ग्रे टोन का दुपट्टा कैरी किया है। इस दुपट्टे के किनारों पर लगी शिमरी फ्रिंज उनके हर मूवमेंट में एक ड्रामेटिक और रॉयल टच जोड़ रही है।

तस्वीरों में रकुल एक से बढ़कर एक अंदाज में पोज देती नजर आ रही हैं। कभी लकड़ी के भारी दरवाजे का सहारा लेकर कैमरे की तरफ देख रही हैं, तो कभी साइड-प्रोफाइल पोज देते हुए अपनी परफेक्ट बॉडी लाइन को फ्लॉन्ट कर रही हैं।

बारिश और व्हाइट कपड़ों की दीवानी हैं मन्नत फेम आयशा सिंह, बोलीं- शूट के बाद भीगने चली गई

टीवी एक्ट्रेस आयशा सिंह इन दिनों अपने सीरियल मन्नत- हर खुशी पाने की को लेकर सुर्खियों में हैं. शो की कहानी, उनका किरदार और अभिनय दर्शकों को बहुत पसंद आता हैं. इसी बीच आयशा ने खुलासा किया कि उन्हें बारिश का मौसम बहुत पसंद हैं. इतना ही नहीं, उन्हें जब भी मौका मिलता है, वो बारिश में भीगने चली जाती हैं.

आयशा ने कहा कि शूट खत्म होते ही मैं बारिश में चली गई. मैंने टीम से पूछा कि क्या मैं भीग सकती हूं? उन्होंने कहा हां. फिर मैंने एक सेकंड भी वेस्ट नहीं किया. बारिश की बूंदें एक अलग सुकून देती है. उनके इस बयान से लगता है कि वो इस मौसम को खुलकर जीती है और अपने दिन को एंजॉय करती हैं.

जहां बारिश में कई सेलेब्स को व्हाइट कलर के कपड़े पहनना पसंद नहीं हैं क्योंकि भीगने के बाद वो ट्रांसपेरेंट हो जाते है. वहीं आयशा के ख्याल इससे बिल्कुल अलग हैं और उन्हें इस कलर से कोई परेशानी नहीं है. उन्होंने कहा, मुझे व्हाइट आउटफिट बहुत पसंद हैं. व्हाइट पे गो क्रेजी. बारिश के साथ व्हाइट कपड़े का कॉम्बिनेशन कैमरे पर सबसे खूबसूरत लगता है. हालांकि आयशा को शॉर्ट्स, टी-शर्ट और फ्लिप-फ्लॉप वाला कैजुअल स्टाइल भी बहुत पसंद हैं. वहीं बात करें सीरियल की, तो इसकी शुरुआत पिछले साल जनवरी में हुई, जो कलर्स टीवी पर प्रसारित होता है. शो की कहानी मन्नत नाम की लड़की की है, जिसका सपना शेफ बनने का है. हालांकि उसकी जिंदगी में कई ऐसे मोड़ आते है, जिससे उसकी जिंदगी बदलती हुई नजर आती है. इसके बावजूद वो हार नहीं मानती और अपने परिवार के लिए खड़ी नजर आती हैं.

एल्युमिनियम बनाम स्टेनलेस स्टीलः इन प्रेशर कुकर्स में से किसका चयन करना है बेहतर?

प्रेशर कुकर्स खाना पकाने का एक सुरक्षित और सुविधाजनक तरीका है। ये उच्च तापमान और प्रेशर के तहत भोजन को तेजी से पका सकते हैं। हालांकि, जब बात प्रेशर कुकर्स की हो, तो बाजार में एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील दोनों प्रकार के कुकर्स उपलब्ध हैं। इस लेख में हम जानेंगे कि एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील में से किसका चयन करना अधिक सुरक्षित और लाभकारी है ताकि आप अपने रसोई के लिए सही विकल्प चुन सकें।

एल्युमिनियम प्रेशर कुकर्स के फायदे

एल्युमिनियम प्रेशर कुकर्स हल्के होते हैं और जल्दी गर्म होते हैं, जिससे खाना पकाने का समय कम होता है। ये कुकर्स आमतौर पर सस्ते होते हैं और इनका उपयोग लंबे समय तक किया जा सकता है। एल्युमिनियम कुकर्स अच्छे तापमान वितरण प्रदान करते हैं, जिससे खाना समान रूप से पकता है। हालांकि, इन पर ध्यान देना जरूरी है क्योंकि अगर इन्हें तेज आग पर रखा जाए तो ये खराब हो सकते हैं।

स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स के लाभ

स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स अधिक मजबूत होते हैं और लंबे समय तक चलते हैं। इनका उपयोग कई वर्षों तक किया जा सकता है। स्टेनलेस स्टील कुकर्स में खाना पकाने से कोई हानिकारक रसायन नहीं निकलते, जिससे सेहत पर कोई असर नहीं पड़ता। ये कुकर्स साफ करने में भी आसान होते हैं और इनका डिजाइन आकर्षक होता है। स्टेनलेस स्टील

प्रेशर कुकर्स में खाना पकाने से पोषक तत्व भी सुरक्षित रहते हैं।

सेहत पर प्रभाव

जब बात सेहत की आती है, तो स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स अधिक सुरक्षित माने जाते हैं। एल्युमिनियम कुकर्स में कभी-कभी एल्युमिनियम के कण भोजन में मिल सकते हैं, जो सेहत के लिए हानिकारक हो सकते हैं। स्टेनलेस स्टील कुकर्स में खाना पकाने से कोई हानिकारक रसायन नहीं निकलते, जिससे ये सेहत पर कोई असर नहीं डालते। इसलिए अगर आप अपनी सेहत को लेकर चिंतित हैं तो स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स का चयन करना बेहतर होगा।

कीमत और देखभाल पर ध्यान दें

कीमत दोनों प्रकार के कुकर्स में भिन्नता हो सकती है। एल्युमिनियम कुकर्स सस्ते होते हैं, लेकिन इनकी उम्र कम होती है, वहीं स्टेनलेस स्टील कुकर्स महंगे होते हैं, लेकिन इनकी उम्र लंबी होती है और देखभाल भी आसान होता है। अगर आप लंबे समय तक उपयोग करने योग्य कुकर चाहते हैं तो स्टेनलेस स्टील कुकर्स का चयन करें। हालांकि, अगर आपका बजट सीमित है तो आप एल्युमिनियम कुकर्स भी ले सकते हैं, लेकिन ध्यान रखें कि इन्हें सुरक्षित रखें।

दोनों में से किस प्रेशर कुकर का करना चाहिए चयन

एल्युमिनियम और स्टेनलेस स्टील दोनों प्रकार के प्रेशर कुकर्स अपने-अपने फायदे और नुकसान रखते हैं। अगर आप सुरक्षित, मजबूत और सेहतमंद विकल्प चाहते हैं तो स्टेनलेस स्टील प्रेशर कुकर्स सबसे अच्छा विकल्प होगा। एल्युमिनियम कुकर्स सस्ते होते हैं, लेकिन इनकी उम्र कम होती है और सेहत पर असर डाल सकते हैं। इसलिए अपनी जरूरतों और बजट के अनुसार सही विकल्प चुनें ताकि आप सुरक्षित और सुविधाजनक तरीके से खाना पका सकें।

मड़वा विद्युत संयंत्र में मुख्य अभियंता के हाथों हुआ पालना घर का शुभारंभ

कोरबा-जांजगीर (आरएनएस)। अटल बिहारी वाजपेयी ताप विद्युत गृह (एबीवीटीपीएस) मड़वा में संयंत्र परिसर में नए पालना घर का शुभारंभ मुख्य अभियंता एचएन. कोसरिया के हाथों किया गया। पालना घर के शुभारंभ के साथ ही विद्युत संयंत्र के महिला अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने बच्चों के लालन-पालन एवं सुरक्षा को लेकर चिंता नहीं रहेगी। हर महिला कर्मचारी निश्चिंतता के साथ विद्युत कंपनी में अपने कार्यदायित्वों को पूरा कर सकेंगी।

पालना घर का समय सुबह 9 बजे से शाम 5.30 बजे तक रहेगा। यहां बच्चों को आराम करने, खेल सामाग्री, मनोरंजन के लिए टीवी व साउंड बॉक्स की सुविधा की उपलब्धता है। शुभारंभ समारोह के साथ ही पालना घर परिसर में मुख्य अभियंता एचएन. कोसरिया, अतिरिक्त मुख्य अभियंता आलोक लकरा, आरएल ध्रुव, एन. लकरा और आरके. नायक द्वारा पौधरोपण किया गया।

सीसी सड़क की गुणवत्ता पर जन प्रतिनिधियों ने जाहिर की नाराजगी

कोरबा (आरएनएस)। जिला प्रशासन के आंखों के सामने 1 करोड़ से अधिक के सीसी सडक कागज पर मजबूत, जमीन पर खोखली बन रही है। पाली ब्लाक मुख्यालय से सटे ग्राम केराझरिया स्थित एफसीआई गोदाम के पास से छिंदपारा होते हुए नगर के मुख्यमार्ग को जोडने वाले 2 किलोमीटर की इस एप्रोच सडक में ठेकेदार और विभागीय मिलीभगत से सरकारी खजाने की खुली लूट हो रही है, जिस पर जनप्रतिनिधियों ने नाराजगी जाहिर करते हुए कार्य की आवश्यक जांच कर गुणवत्तापरख निर्माण की मांग की है।

बारिश के मध्य चल रहे इस काम मे मानक नही, सिर्फ मनमानी चल रही है। सीसी रोड में अनिवार्य 43 ग्रेड ओपीसी की जगह 33 ग्रेड पीसीसी नुवोको व श्री सीमेंट निर्माण में लगाया जा रहा है, इसकी स्ट्रेंथ ही आधी है। वैध रेत की जगह आसपास के नदी- नालों से चोरी की अवैध रेत ट्रैक्टरों से लाकर डाली जा रही है, इससे सडक के एक मानसून भी झेल पाने पर संशय है। नियम कहता है पहले 6 इंच मुरुम, इसके ऊपर रोलर, फिर कांक्रीट और इसके ऊपर वाइब्रेटर। लेकिन यहां सीधे कच्ची जमीन पर सडक रूपी कांक्रीट बिछाया जा रहा है, जिसकी कोई बुनियाद ही नही। दूसरी ओर 1 करोड़ से ऊपर के काम पर एक भी सूचना बोर्ड नही है, जनता को पता ही नही स्वीकृति कितनी, ठेकेदार कौन, निर्माण देखरेख का जिम्मा किसके भरोसे ? वहीं ऐन बारिश में जल्दबाजी में निर्माण कराया जा रहा है, ताकि कोई झांकने न आ पाए और गड़बड़ी जारी रहे। आनन फानन में हो रहे इस निर्माण में सरकारी नियमों को ताक पर रखकर घटिया सामाग्री का इस्तेमाल किया जा रहा है।

रायपुर में चोरी और मारपीट की घटनाओं से बढ़ी चिंता, अलग-अलग थाना क्षेत्रों में सात मामले दर्ज

रायपुर, (आरएनएस)। रायपुर शहर में 9 जुलाई को अलग-अलग थाना क्षेत्रों में चोरी, घर में सेंधमारी और मारपीट की कई घटनाएं सामने आई हैं। गांधीनगर थाना क्षेत्र में अजरहांत कॉम्प्लेक्स के बाहर खड़ी विजय कुमार की मारुति ईको कार (सीजी 04 एमसी 1572), जिसकी कीमत करीब एक लाख रुपये बताई गई है, अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। वहीं खम्हारडीह थाना क्षेत्र के चंडी नगर में सूने मकान का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने सोने-चांदी के जेवर और 30 हजार रुपये नकद समेत कुल 75 हजार रुपये की संपत्ति पार कर दी। इसके अलावा शहर के विभिन्न इलाकों में मारपीट और धमकी के चार मामले भी दर्ज किए गए हैं।

बलरामपुर जिला अस्पताल के पास जलभराव से मिली राहत, कलेक्टर के निर्देश पर तत्काल हुई पानी निकासी

बलरामपुर,(आरएनएस)। बलरामपुर जिला अस्पताल के पास मुख्य मार्ग पर जलभराव की समस्या को प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई कर दूर कर दिया। कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश के बाद नगर पालिका की टीम ने मौके पर पहुंचकर नाली की सफाई कर पानी की निकासी सुनिश्चित की, जिससे लोगों को राहत मिली।बलरामपुर जिला अस्पताल के समीप मुख्य सड़क पर नाली में अवरोध और अतिक्रमण के कारण जलभराव की स्थिति बन गई थी। इससे मरीजों, उनके परिजनों और राहगीरों को आवाजाही में परेशानी का सामना करना पड़ रहा था। विभिन्न माध्यमों से सूचना मिलने पर कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी ने मामले का तत्काल संज्ञान लेते हुए आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। कलेक्टर के निर्देश मिलते ही नगर पालिका परिषद बलरामपुर की टीम मौके पर पहुंची और नाली में जमा मलबा तथा अन्य अवरोध हटाए। इसके बाद जलभराव वाले स्थान से पानी की निकासी कर मार्ग को फिर से सुचारु किया गया। कार्रवाई के बाद लोगों को आवागमन में राहत मिली। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को वर्षा ऋतु के दौरान नियमित रूप से नालियों का निरीक्षण करने, उनकी साफ-सफाई कराने और जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखने के निर्देश दिए हैं, ताकि भविष्य में ऐसी स्थिति दोबारा उत्पन्न न हो।उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि नालियों में कचरा या मलबा न डालें और जल निकासी व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने में प्रशासन का सहयोग करें।

(रायपुर) आदिम जाति विकास, कृषि एवं कृषक कल्याण, मछली पालन तथा पशुपालन मंत्री रामविचार नेताम मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए नगर पालिका परिषद रामानुजगंज के नवनियुक्त एल्डरमैनों की शपथ शपथ ग्रहण समारोह में।

डेंगूनाला में 2 साल के मासूम का शव मिलने से पसरा मातम

कोरबा, (आरएनएस)। बालको थाना क्षेत्र के डेंगूनाला पुल के नीचे नदी किनारे शुक्रवार सुबह दो वर्षीय मासूम केशव का शव मिलने से पूरे इलाके में शोक की लहर फैल गई। गुरुवार से लापता बच्चे की तलाश में पूरी रात भटकते रहे माता-पिता को जब शव मिलने की सूचना मिली तो उनके पैरों तले जमीन खिसक गई। मासूम की मौत ने परिवार को गहरे सदमे में डाल दिया है।

जानकारी के अनुसार, रामपुर बस्ती निवासी दिनेश कुमार अपनी पत्नी और बेटे केशव के साथ मजदूरी के लिए लालघाट गया था। डेंगूनाला पार करने के बाद परिवार कुछ देर एक पेड़ के नीचे रुका। इसी दौरान मां बच्चे को दूध पिलाते-पिलाते थकान के कारण सो गई, जबकि पिता आगे निकल गए थे। जब मां की नींद खुली तो केशव वहां नहीं था। परिजनों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। शुक्रवार सुबह स्थानीय लोगों ने डेंगूनाला पुल के नीचे नदी किनारे एक बच्चे का शव देखा और इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंचे परिजनों ने शव की पहचान केशव के रूप में की। प्रारंभिक जांच में आशंका जताई जा रही है कि मां के सो जाने के दौरान मासूम खेलते-खेलते नाले की ओर चला गया और पानी में डूबने से उसकी मौत हो गई। हालांकि पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट एवं जांच के बाद ही होगी।

लगातार वर्षा से महानदी परियोजना के जलाशयों में बढ़ा जलभराव

धमतरी, (आरएनएस)। महानदी परियोजना (एम.आर.पी. कॉम्प्लेक्स) अंतर्गत गंगरेल (रविशंकर सागर), मुरूमसिल्ली, दूधावा एवं सोंढूर जलाशयों में लगातार हो रही वर्षा के कारण जलस्तर और जलभराव में उल्लेखनीय वृद्धि दर्ज की गई है। जल संसाधन विभाग द्वारा 9 जुलाई 2026 को जारी जलस्तर प्रतिवेदन के अनुसार चारों प्रमुख एवं मध्यम जलाशयों में जल आवक जारी है, जिससे सिंचाई एवं पेयजल व्यवस्था को मजबूती मिलने की उम्मीद है।

रविशंकर सागर (गंगरेल) जलाशय का पूर्ण जलभराव स्तर (एफआरएल) 347.75 मीटर है। वर्तमान में जलाशय का जलस्तर 343.75 मीटर दर्ज किया गया है। जलाशय में लगभग 399.81 मिलियन घनमीटर (करीब 74.68 प्रतिशत) लाइव स्टोरेज उपलब्ध है। बीते 24 घंटे के दौरान जलाशय में लगातार आवक बनी रही, जिससे जलस्तर में वृद्धि दर्ज की गई।

मुरूमसिल्ली जलाशय का वर्तमान जलस्तर 423.21 मीटर दर्ज किया गया है। जलाशय में लगभग 206.66 मिलियन घनमीटर (72.74 प्रतिशत) लाइव स्टोरेज उपलब्ध है। लगातार वर्षा के चलते जलाशय में जल आवक बनी हुई है। दूधावा जलाशय का जलस्तर 1388.48 मीटर दर्ज किया गया है। यहां लगभग 137.98 मिलियन घनमीटर जल का संग्रह है तथा जलाशय में लगातार आवक जारी है। इसी प्रकार सोंढूर जलाशय का वर्तमान जलस्तर 468.30 मीटर दर्ज किया गया है। जलाशय में लगभग 137.89 मिलियन घनमीटर जल संग्रहित है और वर्षा के कारण इसमें भी निरंतर जल आवक हो रही है।

जल संसाधन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि महानदी परियोजना के सभी प्रमुख जलाशयों में जलस्तर लगातार बढ़ रहा है। मानसून की सक्रियता बनी रहने पर आने वाले दिनों में जलभराव में और वृद्धि की संभावना है। विभाग द्वारा जलाशयों की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जा रही है तथा आवश्यकता के अनुसार जल प्रबंधन संबंधी निर्णय लिए जाएंगे।

तेज रफ्तार नहीं, सुरक्षित सफर चुनें: पुलिस ने युवाओं से की सड़क सुरक्षा नियमों के पालन की अपील

बलौदाबाजार, (आरएनएस)। सड़क दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने और युवाओं को सुरक्षित वाहन चलाने के लिए जागरूक करने के उद्देश्य से बलौदाबाजार-भाटापारा पुलिस ने विशेष जनजागरूकता संदेश जारी किया है। पुलिस ने युवाओं से तेज रफ्तार और लापरवाही से बचने की अपील करते हुए कहा है कि कुछ मिनट बचाने की जल्दबाजी पूरी जिंदगी पर भारी पड़ सकती है।

पुलिस ने अपने संदेश में कहा है कि वाहन चलाते समय निर्धारित गति सीमा का पालन करें और अनावश्यक तेज रफ्तार से बचें। विशेष रूप से दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने की अपील करते हुए कहा गया कि हेलमेट केवल नियम नहीं, बल्कि जीवन की सुरक्षा कवच है।

एक पेड़ मां के नाम अभियानः पुलिस ने लगाए 150 पौधे, पर्यावरण संरक्षण का लिया संकल्प

जांजगीर-चांपा, (आरएनएस)। लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर जांजगीर-चांपा पुलिस ने पुलिस लाइन परिसर में वृहद वृक्षारोपण अभियान चलाकर पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय एकता का संदेश दिया। एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत आयोजित इस कार्यक्रम में विभिन्न प्रजातियों के 150 पौधे लगाए गए और उनकी नियमित देखभाल का संकल्प लिया गया।पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय (आईपीएस) के निर्देशन में आयोजित कार्यक्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमेश कुमार कश्यप, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (यातायात) उदयन बेहार, एसडीओपी अकलतरा प्रदीप सोरी, नगर पुलिस अधीक्षक जांजगीर योगिताबाली खापर्डे, डीएसपी अजाक सतरूपा, रक्षित निरीक्षक प्रदीप कुमार जोशी सहित जिले के थाना और चौकी प्रभारी तथा बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। सभी ने उत्साहपूर्वक पौधरोपण कर हरियाली बढ़ाने और प्रकृति संरक्षण का संदेश दिया।

खेल समाचार

वर्ल्ड कप के लिए तैयार टीम इंडिया, हर्ष मेहता बने भारतीय पिकलबॉल टीम के कप्तान

मुंबई (आरएनएस)। भारतीय पिकलबॉल एसोसिएशन (आईपीए) ने पिकलबॉल वर्ल्ड कप 2026 के लिए भारतीय टीम की घोषणा कर दी है। यह टूर्नामेंट 30 अगस्त से 6 सितंबर तक वियतनाम के दा नांग शहर में खेला जाएगा। भारतीय टीम का चयन कड़े ट्रायल और प्रतिस्पर्धी चयन प्रक्रिया के बाद किया गया है। यह टीम प्रोफेशनल वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेगी। इस बार टीम की कमान अनुभवी खिलाड़ी हर्ष मेहता को सौंपी गई है। हर्ष लंबे समय से अंतरराष्ट्रीय पिकलबॉल सर्किट में भारत का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं और उनके अनुभव से टीम को काफी उम्मीदें हैं। हर्ष के साथ युवा खिलाड़ी अर्जुन सिंह भी टीम का हिस्सा हैं। अर्जुन अंडर-18 वर्ग में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे और उसी वर्ग की टीम की कप्तानी भी संभालेंगे। पुरुष टीम में हर्ष मेहता, अर्जुन सिंह, अनीश फ्रोलियन और अमन पटेल को जगह मिली है। वहीं, महिला टीम में मिहिका यादव, आलिया इब्राहिम, पर्ल अमलसदीवाला और नाओमी अमलसदीवाला को शामिल किया गया है। टीम के कप्तान हर्ष मेहता ने चयन के बाद खुशी जताते हुए कहा कि प्रतिभा मैच जिताती है, लेकिन एकजुट टीम ही चैंपियन बनाती है। उन्होंने कहा कि पूरी टीम अपनी क्षमता के अनुसार सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए तैयार है और उन्हें उम्मीद है कि भारत इस बार वर्ल्ड कप में शानदार प्रदर्शन करेगा। उन्होंने कप्तानी मिलने पर भारतीय पिकलबॉल एसोसिएशन का आभार भी जताया। महिला टीम की खिलाड़ी पर्ल और नाओमी अमलसदीवाला ने पिछले एक साल में घरेलू प्रतियोगिताओं में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। दोनों ने महिला डबल्स और मिक्स्ड डबल्स में कई टूर्नामेंटों में पदक जीते हैं। नाओमी अमलसदीवाला और अर्जुन सिंह की जोड़ी मिक्स्ड डबल्स में भारत की सबसे मजबूत जोड़ियों में मानी जा रही है। हाल के समय में इस जोड़ी ने विश्व रैंकिंग की शीर्ष टीमों को हराकर अपनी क्षमता साबित की है।

इंग्लैंड में फिर चमकने को तैयार रोहित शर्मा, खास रणनीति के साथ मैदान में उतरेंगे हिटमैन

नई दिल्ली (ए.) । भारतीय टीम के हीटमैन बल्लेबाज रोहित शर्मा पहुंच चुके है इंग्लैड और इंग्लैड पुहंचते ही वनडे सीरिज की तैयारियां शुरु कर दी है। टी20 से सन्यास लेने के बाद रोहित शर्मा अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट खेलते हैं। उनका लक्ष्य विश्व कप 2027 में खेलना है, जो दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रूप से आयोजित किया जाना है। वर्ल्ड कप से पहले हिटमैन रोहित शर्मा के लिए हर सीरीज खुद को साबित करने का बड़ा मौका है।रोहित शर्मा के लिए पिछले कुछ समय से फिटनेस एक बड़ी चिंता बनी हुई है। आईपीएल 2026 में हैमस्ट्रिंग चोट के कारण उन्हें पांच मुकाबलों से बाहर रहना पड़ा था, जिसके बाद उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठने लगे। टीम प्रबंधन की ओर से अभी तक यह स्पष्ट संकेत नहीं दिया गया है कि वर्ल्ड कप के लिए रोहित की जगह पूरी तरह सुरक्षित है।

फीफा विश्व कप से पहले मोरक्को को बड़ा झटका, सैबारी फ्रांस के खिलाफ क्वार्टर-फाइनल से बाहर

नई दिल्ली (ए.) । फीफा विश्व कप 2026 के क्वार्टर-फाइनल में फ्रांस जैसी मजबूत टीम के खिलाफ मुकाबले से पहले मोरक्को को बड़ा झटका लगा है। उनके मुख्य फॉरवर्ड इस्माइल सैबारी चोट के कारण इस अहम मैच से बाहर हो गए हैं।मोरक्को के हेड कोच मोहम्मद ओआबी ने गुरुवार को मैच से पहले प्रेस कॉन्फ्रेंस में सैबारी के बाहर होने की पुष्टि की। ओआबी के अनुसार, कनाडा के खिलाफ राउंड ऑफ 16 की जीत के दौरान हैमस्ट्रिंग की चोट लगने के बाद यह फॉरवर्ड समय पर ठीक नहीं हो सका। हालांकि, कोच को उम्मीद है कि अगर उनकी टीम सेमीफाइनल में पहुंचती है, तो 25 वर्षीय खिलाड़ी फिट हो जाएगा।मैच से पहले पत्रकारों से बात करते हुए ओआबी ने कहा, वह तैयार नहीं हैं, लेकिन मुझे उम्मीद है कि यह उनके लिए टूर्नामेंट का अंत नहीं है। सैबारी मौजूदा टूर्नामेंट में अफ्रीकी टीम के लिए बेहतरीन प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों में से एक हैं। उन्होंने ग्रुप स्टेज के तीनों मैचों में गोल किए और राउंड ऑफ 32 में नीदरलैंड के खिलाफ निर्णायक शूटआउट में पेनल्टी को गोल में बदला। उनकी अनुपस्थिति के कारण मोरक्को को 2022 वर्ल्ड कप की उपविजेता टीम के खिलाफ अधिक रक्षात्मक रणनीति अपनानी पड़ सकती है।फीफा ने फ्रांस और मोरक्को के बीच क्वार्टर-फाइनल मुकाबले के लिए पूरी तरह से अर्जेंटीना के अधिकारियों की टीम नियुक्त करके एक बड़ी बहस छेड़ दी है। 2026 टूर्नामेंट में यह पहली बार है जब किसी मैच का संचालन पूरी तरह से एक ही देश के अधिकारियों द्वारा किया जाएगा। हालांकि, मोरक्को के कोच ने अधिकारियों के प्रभाव को कम करके आंका है। मैच से पहले अपनी प्रेस कॉन्फ्रेंस में रेफरी के बारे में उन्होंने कहा, हम एक बहुत अनुभवी रेफरी की बात कर रहे हैं।

चित्रा के. सोमन की प्रेरणादायक कहानी, मेहनत के दम पर कॉमनवेल्थ में सिल्वर और ग्रांड प्रिक्स में रचा इतिहास

नई दिल्ली (आरएनएस)। कुछ खिलाड़ियों में टैलेंट कूट-कूटकर भरा होता है, तो कुछ खिलाड़ी कड़ी मेहनत के दम पर अपनी पहचान बनाते हैं। ऐसी ही खिलाड़ी रहीं चित्रा.के.सोमन, जिन्होंने अपनी मेहनत के दम पर 400 मीटर की दौड़ में देश का नाम अंतरराष्ट्रीय मंच पर रोशन किया।चित्रा का जन्म 10 जुलाई, 1983 को केरल के कोट्टायम में हुआ। चित्रा को शुरुआत से ही दौड़ने का काफी शौक था। वह स्कूल स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती थीं। जल्द ही उनकी काबिलियत को कोच ने पहचाना और चित्रा ने बतौर धावक करियर बनाने का फैसला कर लिया। साधारण परिवार में जन्मीं चित्रा ने अपनी लगन और कड़ी मेहनत के दम पर सफलता की सीढ़ियां चढ़ती चली गईं। साल 2004 में हुए एथेंस ओलंपिक में 4 400 मीटर रिले स्पर्धा में चित्रा ने हिस्सा लिया और वह सातवें स्थान पर रहीं। टीम स्पर्धा में उन्होंने मंजीत कौर, के.एम.बीनामोल और राजविंदर कौर के साथ मिलकर 4 400 मीटर रिले में नेशनल रिकॉर्ड बनाया। टीम की साथी खिलाड़ियों संग मिलकर उन्होंने यह रिले 3:26.89 मिनट में पूरी की। इस प्रदर्शन ने विश्व स्तर पर उनको पहचान दिलाने का काम किया। साल 2006 में हुए कॉमनवेल्थ गेम्स में चित्रा का प्रदर्शन लाजवाब रहा और वह सिल्वर मेडल जीतने वाली रिले टीम का हिस्सा रहीं।

इंग्लैंड में फिर चमकने को तैयार रोहित शर्मा, खास रणनीति के साथ मैदान में उतरेंगे हिटमैन

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारतीय टीम के हीटमैन बल्लेबाज रोहित शर्मा पहुंच चुके है इंग्लैड और इंग्लैड पुहंचते ही वनडे सीरिज की तैयारियां शुरु कर दी है। टी20 से सन्यास लेने के बाद रोहित शर्मा अब सिर्फ वनडे फॉर्मेट खेलते हैं। उनका लक्ष्य विश्व कप 2027 में खेलना है, जो दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में संयुक्त रूप से आयोजित किया जाना है। वर्ल्ड कप से पहले हिटमैन रोहित शर्मा के लिए हर सीरीज खुद को साबित करने का बड़ा मौका है।रोहित शर्मा के लिए पिछले कुछ समय से फिटनेस एक बड़ी चिंता बनी हुई है। आईपीएल 2026 में हैमस्ट्रिंग चोट के कारण उन्हें पांच मुकाबलों से बाहर रहना पड़ा था, जिसके बाद उनकी फिटनेस को लेकर सवाल उठने लगे। टीम प्रबंधन की ओर से अभी तक यह स्पष्ट संकेत नहीं दिया गया है कि वर्ल्ड कप के लिए रोहित की जगह पूरी तरह सुरक्षित है। ऐसे में हिटमैन इंग्लैंड दौरे की चुनौती के लिए पहले ही लंदन पहुंच चुके हैं, जहां वह अपनी फिटनेस और फॉर्म साबित करने की कोशिश करेंगे।

रोहित शर्मा पहुंचे लंदन, शुरू की तैयारी

इंग्लैंड के खिलाफ वनडे सीरीज से पहले रोहित शर्मा लंदन पहुंच गए हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्होंने वहां की परिस्थितियों में ढलने के लिए स्थानीय क्लबों के मैदानों पर नेट्स में बल्लेबाजी शुरू कर दी है। रोहित आईपीएल के बल्लेबाजी के अनुकूल विकेटों से अलग इंग्लैंड की तेज और चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के लिए खुद को तैयार कर रहे हैं। वहीं, टी20 सीरीज खेल रही भारतीय टीम अब तक इंग्लैंड के हालातों में पूरी तरह सामंजस्य नहीं बैठा सकी है।भारतीय टीम की बल्लेबाजी पिछले कुछ समय से चिंता का विषय बनी हुई है। आईपीएल में सपाट पिचों पर शानदार प्रदर्शन करने वाले बल्लेबाज इंग्लैंड की चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में संघर्ष करते नजर आए हैं। ऐसे में हिटमैन रोहित शर्मा ने बेहतर तैयारी और मजबूत वापसी के इरादे से इंग्लैंड के खिलाफ सीरीज से पहले ही लंदन पहुंचकर अभ्यास शुरू कर दिया है।

इंग्लैंड में रोहित शर्मा का शानदार रिकॉर्ड

इंग्लैंड की परिस्थितियां रोहित शर्मा को हमेशा रास आई हैं। उन्होंने वहां 27 वनडे मुकाबलों में 64.9 की शानदार औसत से 1,428 रन बनाए हैं, जो किसी भी विदेशी बल्लेबाज का इंग्लैंड में सबसे बेहतरीन प्रदर्शन है। अब रोहित 14 जुलाई से शुरू होने वाली वनडे सीरीज में नजर आएंगे। वह अपने प्रदर्शन से न सिर्फ टीम को मजबूत शुरुआत देना चाहेंगे, बल्कि अपनी फिटनेस और फॉर्म को लेकर उठ रहे सवालों का भी जवाब देना चाहेंगे।

सौरव गांगुली की उपलब्धि पर सचिन तेंदुलकर ने दी शुभकामनाएं, 'दादा' ने कहा धन्यवाद

नई दिल्ली ,(ए.) । टीम इंडिया के पूर्व कप्तान सौरव गांगुली को उनके 54वें जन्मदिन पर आईसीसी ने हॉल ऑफ फेम में शामिल किया। इस खास सम्मान के लिए सचिन तेंदुलकर ने गांगुली को बधाई दी है।

सौरव गांगुली भारत की ओर से आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले 12वें क्रिकेटर हैं। सचिन ने गांगुली को बधाई देते हुए अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 14 साल की उम्र से एक-दूसरे को जानने के बाद अब ज्यादा सरप्राइज नहीं बचे हैं। यह भी उनमें से एक नहीं था। सौरव गांगुली आपको बधाई हो। आईसीसी हॉल ऑफ फेम में आपके शामिल होने से बेहद खुश हूं।

सचिन के एक्स पोस्ट के जवाब में भारत के पूर्व कप्तान ने आभार जताया। गांगुली ने लिखा, धन्यवाद चैंपियन। आपके साथ एक ही लिस्ट में होना ही सबसे बड़ी कार्य संतुष्टि है।

बुधवार को सौरव गांगुली ने खुद को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल किए जाने की जानकारी देते हुए जय शाह का धन्यवाद किया था। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, आईसीसी और अध्यक्ष जय शाह को मुझे हॉल ऑफ फेम में शामिल करने के लिए धन्यवाद। यह बहुत बड़ा सम्मान है। हॉल ऑफ फेम में शामिल होने वाले 10 भारतीयों में से एक। कुछ बेहतरीन नामों के बीच होना कमाल है। माना जा रहा है कि इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) 11 जुलाई को होने वाली अपनी सालाना बैठक में गांगुली को आईसीसी हॉल ऑफ फेम में शामिल करने की आधिकारिक घोषणा कर सकता है।

सौरव गांगुली से पहले भारत के 11 क्रिकेटर्स को यह खास सम्मान मिल चुका है। इन 11 नामों में दो महिला खिलाड़ी भी शामिल हैं। इस लिस्ट में बिशन सिंह बेदी (2009), सुनील गावस्कर (2009), कपिल देव (2010), अनिल कुंबले (2015), राहुल द्रविड़ (2018), सचिन तेंदुलकर (2019), वीनू मांकड़ (2021), डायना एडुल्जी (2023), वीरेंद्र सहवाग (2023), नीतू डेविड (2024) और एमएस धोनी (2025) शामिल हैं।

शुरुआती बारिश से हो गए सड़क किनारे गड्ढे, वाहन पलटने की बनने लगी आशंका

-साइड सोल्डर में कम डाली थी मिट्टी और मुरम,निकली हुई गिट्टियों पर वाहनों के फिसलने का खतरा

नर्मदापुरम (निप्र)। मानसून की बारिश ने सड़कों और उनके दोनों ओर बने हुए साइड सोल्डरों को बदहाल करना शुरू कर दिया है। ग्रामीण इलाकों के अलावा राष्ट्रीय राजमार्ग 69 के साइड सोल्डर भी बेहद खतरनाक स्थिति में आ चुके हैं। नर्मदा ब्रिज से लेकर नर्मदापुरम तक के क्षेत्र में ही कई जगह की मिट्टी बहने लगी है गड्ढे हो चुकें हैं। इनके कारण हादसों की आशंका बनी रहती है। लोक निर्माण विभाग द्वारा भी इन्हें ठीक नहीं किया जा रहा है। केंद्र शासन की सड़कें हो या प्रदेश सरकार की सीमेंट की सड़कें हो या प्रधानमंत्री सड़क योजना या फिर सुदूर ग्रामीण अंचल की सड़कों की हालत हो सभी बेकार होने लगी है। इन सड़कों के बाजू में साइड सोल्डर बनाए जाते हैं। विभागीय उदासीनता के चलते साइड सोल्डर पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। इन्हें ठीक करने के लिए कई बार मुरम की जगह मिट्टी डालकर काम चलाया जाता है। इससे बरसात में वाहन साइड देते समय या तो फंस जाते हैं या फिर दुर्घटना हो जाती है। गर्मी के मौसम में सड़कों की मरम्मत करने के दौरान लोक निर्माण विभाग, आरईएस, मनरेगा और अन्य सड़क निर्माण एजेंसियों को सड़क के बाजू में साइड सोल्डर अच्छे से बनाना होता है। ये एजेंसियां मुरम कम और मिट्टी का ज्यादा उपयोग करते हैं जो बरसात में कई वाहनों के लिए मुसीबत का कारण बनती है।

फाईल फोटो

बह जाती है मिट्टी

चाहे नेशनल हाईवे की सड़क हो, राज्यमार्ग हो, ग्रामीण क्षेत्रों की प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री, ग्रामीण सड़क योजना की सड़कें हों, प्राय: सभी सड़कों के साइड सोल्डर जर्जर हो रहे हैं। इन पर मिट्टी डाल देने से वर्षा होने पर अनेक जगह की सड़कों के बाजू में मिट्टी बह जाती है। और दलदल हो जाती है। यही मिट्टी सड़क पर आ जाती है, जिससे सड़कों पर आना जाना मुश्किल होता है।

डलनी चाहिए मुरम

शासकीय नियमों के अंतर्गत सड़कों के बाजू में साइड सोल्डर पर मुरम डाली जानी चाहिए। जिससे की दो बड़े वाहन आमने-सामने आने पर साइड देते समय सड़क के नीचे उतरें तो उनके पहिए मिट्टी में न धंसे, लेकिन कहीं कहीं भसुआ डालकर साइड सोल्डर बना दिए जाते हैं जहां पर वाहन चालकों को परेशान होना पड़ता है।

जिम्मेदार नहीं देते हैं ध्यान

शहर के नागरिक हरिओम दीक्षित व सुदीप पटेल ने बताया सड़क की साइड में मुरम व गिट्टी से भरी जानी चाहिए लेकिन निर्माण एजेंसियों ने मिट्टी से भरकर बेगार टाल दिया। सीसी रोड निर्माण के दौरान जिम्मेदारों ने कहीं भी निगरानी नहीं की जिससे यह स्थिति निर्मित हो रही है। अभी भी नगरपालिका के जिम्मेदार ध्यान नहीं दे रहे हैं।

रात में ज्यादा खतरा

जो मार्ग ज्यादा व्यस्त रहते हैं जिसमें मुख्य रूप से हाईवे के साइड में जो खस्ताहाल स्थिति है उसके कारण रात के समय वाहनों के साइड देने पर खतरे की आशंका ज्यादा बनी रहती है। स्पष्ट दिखाई नहीं देने पर सड़क के नीचे वाहन उतारने में वाहन के पहिए फंस जाते हैं। जिससे दुर्घटनाएं होती हैं।

हाईवे भी सुरक्षित नहीं

साइड सोल्डर के मामले में नेशनल हाईवे भी सुरक्षित नहीं है। भोपाल तिराहे से लेकर आदमगढ़ रेलवे फाटक तक ही नहीं नर्मदा पुल से लेकर रसूलिया के डबल फाटक तक कई स्थानों पर सड़कों के साइड में पानी भरा हुआ है। नीचे काली मिट्टी है। इसमें वाहन फंस जाते हैं। यदि साइड देने में वाहन बचने की कोशिश करते हैं तो कई बार टक्कर भी हो जाती है।

धूप से तेज तपन, बादलों से उमस बढ़ी मानसून की बेरुखी, कर रही बेचैन

नर्मदापुरम (निप्र)। मानसून के सक्रिय नहीं होने से धूप निकल रही रही है। कभी कभी बादल आ रहे है। बादलों से उमस बढ़ रही है। धूप और तपन से बेचेनी बढ़ रही है। लोगों को एक बार फिर से झमाझम वर्षा की प्रतीक्षा हो रही है। मौसम विभाग बता रहा है कि एक दो दिन में वर्षा का असर फिर से सक्रियता पूर्वक बढ़ने के आसार हैं। इन दिनों तापमान कम ज्यादा बना हुआ है लेकिन गर्मी और उमस कम होने का नाम नहीं ले रही है। सुबह से ही धूप के साथ गर्मी का असर बढ़ जाता है।इन दिनों अधिकतम तापमान 31-34 डिग्री के बीच बना हुआ है। इसके बाद भी दोपहर में तेज धूप व उमस के साथ गर्मी का एहसास बना रहा। न्यूनतम तापमान 26 दर्ज हुआ है। पचमढ़ी में भी गर्मी का असर बना हुआ है। वहां पर अधिकतम तापमान 30 और न्यूनतम 20 डिग्री रहा। मौसम विभाग के अनुसार नर्मदापुरम संभाग के जिलों में गरज चमक के साथ वर्षा होने संभावना हैं। शनिवार से एक बार फिर वर्षा की गतिविधियों शुरू होने के आसार हैं।बीते सप्ताह में एक दो दिन वर्षा होने के बाद मानसून गायब हो गया है। जिससे गर्मी के साथ उमस का असर बढ़ा है। किसानों ने खरीफ की बोवनी शुरू कर चुके हैं। उनकी फसल पर तेज धूप का विपरीत असर पड़ रहा है। इस तरह मानसून की बेरूखी से किसान भी परेशान हैं। अनेक किसानों को गर्मी के कारण बरसात के मौसम में खेत की मुलायम फसल में पानी देना पड़ रहा है। किसानों के साथ ही सभी को एक फिर तेज वर्षा का इंतजार हो रहा हैं।

स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में एनसीसी गर्ल्स कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया हुई

नर्मदापुरम (निप्र)। स्प्रिंगडेल्स सीनियर सेकेंडरी स्कूल में 5 एमपी बटालियन एनसीसी गर्ल्स कैडेट्स की भर्ती प्रक्रिया हुई। इस प्रक्रिया में विद्यालय के 45 छात्राओं ने भाग लिया, जिनमें से 25 छात्राओं का चयन किया गया। शारीरिक व अन्य क्षमताओं के आधार पर चयन किया गया। इन कैडेट्स को सैन्य प्रशिक्षण के साथ साथ अनुशासन कौशल और नेतृत्व क्षमता का विकास किया जाएगा। एनसीसी का उद्देश्य युवाओं में अनुशासन, नेतृत्व और सामुदायिक सेवा की भावना को बढ़ावा देना है। 5 एमपी बटालियन के कमान अधिकारी कर्नल आशुतोष प्रताप सिंह के निर्देशानुसार सूबेदार मेजर मनोज कुमार शर्मा के मार्गदर्शन में सेकंड ऑफिसर शेख कमर ईएसएम अजब सिंह तोमर द्वारा भर्ती प्रक्रिया सम्पन्न कराई गई। चयनित कैडेट्स को संस्था डायरेक्टर डॉ आशीष चटर्जी एवं प्राचार्य मोना चटर्जी ने बधाई दी एवं कड़ी मेहनत कर सफलता प्राप्त करने तथा आरडीसी परेड तक जाने के लिए कैडेट्स को शुभकामनाएं दीं।

प्रजनन काल में अवैध मत्स्याखेट पर मत्स्य पालन विभाग की सख्त कार्रवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। मछलियों के प्रजनन एवं संरक्षण को ध्यान में रखते हुए 16 जून से 15 अगस्त तक की अवधि में अवैध मत्स्याखेट, मत्स्य विक्रय एवं मत्स्य परिवहन पर पूर्ण प्रतिबंध लागू है। प्रतिबंध का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध मत्स्य पालन विभाग द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में मत्स्य पालन विभाग के गठित दल द्वारा 08 जुलाई 2026 को नर्मदापुरम के समीप डोंगरवाड़ा तथा 09 जुलाई 2026 को सोहागपुर स्टेशन क्षेत्र का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डोंगरवाड़ा में अवैध रूप से रखी गई लगभग 20 क्विंटल मछली जब्त की गई।

नगर में चल रहा विशेष स्वच्छता अभियान

'मीनाक्षी क्षेत्र, कालिका नगर और होमगार्ड आफिस के नाले से निकाला भारी मात्रा में कचरा'

नर्मदापुरम (निप्र)। मीनाक्षी क्षेत्र के साथ ही होमगार्ड आफिस के पास नाले आईटीआई पंचवटी परिसरए कालिका नगर आदि स्थानों के नालों की साफ सफाई का शुक्रवार को विशेष अभियान चलाया गया। इस दौरान भारी मात्रा में कचरा निकाला गया। 'स्वच्छता निरीक्षक अनुराग तिवारी ने बताया कि नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख के निर्देशन में समूचे नगर में स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है। शुक्रवार को कालिका नगर आईटीआईए पंचवटी परिसर, मीनाक्षी क्षेत्र के पास स्थित सभी नालों की सफाई कर भारी मात्रा में प्लास्टिक पालिथिन कचरा एवं बोरियों में बंद कचरा निकाला गया। जहां जेसीबी नहीं पहुंच पा रही थी वहां पर स्वच्छतादूतों के माध्यम से कचरा निकाला गया। यह स्वच्छता अभियान लगातार चलता रहेगा। पर्यवेक्षक संजय लुटारे ने बताया कि पंचवटी परिसर में जल भराव की समस्या उत्पन्न हो गई थी। वहां जल निकासी सुचारू कराई गई।

नागरिकों से अपील अभियान में सहयोग दें

नपाध्यक्ष नीतू महेंद्र यादव एवं मुख्य नगरपालिका अधिकारी वैभव देशमुख द्वारा नगर के नागरिकों से आग्रह किया गया है कि सड़क पर नाले नालियों में किसी भी प्रकार का कचरा न फैंकें इससे नाले नालियां चोक होती हैं और जल भराव का कारण बनती है। कचरा वाहन आने पर कचरा उसी में डालें। बारिश के मौसम को ध्यान में रखते नगर में विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जा रहा है जिसमें समस्त नागरिकगण व्यापारीगण सहयोग करें।

सब्जी की पैदावार हो रही कम

नर्मदापुरम (निप्र)। जिले में इस वर्ष कम हो रही वर्षा का असर सब्जी की पैदावार पर भी पड़ रहा है। जिसकी वजह से ग्रामीण क्षेत्र से पहले जो ज्यादा तादात में सब्जी की आवक होती थी वह कम हो रही है। इस कारण सब्जी के दामों में भी वृद्धि बनी हुई। सब्जी विक्रेता राजू सिंह ने कहा कि बाहर से भी कम ही सब्जी आ रही है। इस कारण दामों में उछाल बना हुआ है। लोकल सब्जी की आवक बढ़ने पर ही सब्जी के दामों में कमी हो सकेगी।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अभिनव पहल

किसानों के घर तक पहुँच रही खाद, समय और परिवहन खर्च में हो रही बड़ी बचत

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा की अभिनव पहल के तहत जिले के दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों को खाद की सुलभ एवं समयबद्ध उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए प्रभावी व्यवस्था लागू की गई है। इस व्यवस्था के अंतर्गत किसानों को उनके गांवों तक खाद उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें अनावश्यक आवागमन, लंबी प्रतीक्षा और अतिरिक्त परिवहन व्यय से राहत मिल रही है। इसी क्रम में शनिवार को विकासखंड माखन नगर स्थित आरी रोड पर संचालित डबल लॉक केंद्र से किसानों द्वारा सामूहिक रूप से ई-टोकन के माध्यम से खाद का उठाव किया गया। कृषक राकेश मीणा एवं कपिल कहार ने आपसी समन्वय और सहयोग का परिचय देते हुए एक ही ट्रॉली में लगभग 80 से 90 बोरी खाद का उठाव किया। इस व्यवस्था से दोनों किसानों के परिवहन व्यय में उल्लेखनीय कमी आई तथा समय की भी बचत हुई।

किसानों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए बताया कि ई-टोकन प्रणाली के कारण अब लंबी कतारों में इंतजार नहीं करना पड़ता। सामूहिक रूप से खाद परिवहन करने से किराया भी काफी कम हो गया है, जिससे किसानों को आर्थिक लाभ मिल रहा है। किसानों ने कहा कि यह व्यवस्था सरल, पारदर्शी और सुविधाजनक है तथा खेती-किसानी के कार्यों में समय पर खाद उपलब्ध होने से उन्हें बड़ी राहत मिली है। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशों के अनुरूप कृषि विभाग एवं स्थानीय प्रशासन द्वारा डबल लॉक केंद्रों पर ई-टोकन आधारित खाद वितरण व्यवस्था का प्रभावी संचालन किया जा रहा है। प्रशासन का उद्देश्य प्रत्येक पात्र किसान को समय पर, पारदर्शी एवं सुगम तरीके से खाद उपलब्ध कराना है, ताकि कृषि कार्य बिना किसी बाधा के संचालित हो सकें।

अवैध रेत परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध कार्रवाई

ट्रैक्टर-ट्रॉली एवं 400 घनमीटर अवैध रेत जप्त, नियमानुसार की जा रही कार्रवाई

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार जिले में रेत खनिज के अवैध उत्खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध सतत अभियान जारी है। इसी क्रम में गुरुवार को खनिज विभाग द्वारा अलग-अलग स्थानों पर कार्रवाई करते हुए अवैध रेत परिवहन एवं भंडारण के मामलों में जप्ती की कार्रवाई की गई। खनिज विभाग की टीम ने तहसील इटारसी के ग्राम रामपुरगुर्रा क्षेत्र में रेत का अवैध परिवहन करते पाए जाने पर एक ट्रैक्टर-ट्रॉली को जप्त किया। जप्त वाहन को अग्रिम कार्रवाई हेतु पुलिस अभिरक्षा में रखा गया है। इसी प्रकार तहसील माखननगर के ग्राम मनवाड़ा में लगभग 400 घनमीटर रेत का अवैध भंडारण पाए जाने पर उसे जप्त कर सुरक्षित रूप से तहसील परिसर में रखवाया गया है। खनिज विभाग ने बताया कि संबंधित अवैध उत्खननकर्ता एवं परिवहनकर्ता के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जा रही है।

नगर पालिका अध्यक्ष भले ही नहीं बनी, महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष बन गई मोनिका चौकसे

नर्मदापुरम (निप्र)। भाजपा नेत्री मोनिका चौकसे को भाजपा ने महिला मोर्चा की जिलाध्यक्ष मनोनीत कर दिया है। भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष अश्विनी परांजपे राजवाडे द्वारा जैसे ही मोनिका चौकसे का नाम महिला मोर्चा के जिले की अध्यक्ष की सूची में घोषित किया उन्हें शुभकामनाओं का तांता लग गया। उल्लेखनीय है कि नगर पालिका चुनाव के दौरान मोनिका चौकसे का नाम नगर पालिका के अध्यक्ष पद के लिए तेजी से ऊभर रहा था। लेकिन कुछ लोगों को यह बात नागवार नहीं गुजर रही थी। इसलिए कुछ लोग उन्हें पार्षद पद पर ही हराने के लिए जुट गए थे। जिससे कि उनका नाम नपाध्यक्ष पद के लिए चल ही नहीं पाए। जो उन्हें हराने के लिए सक्रिय हुए उनके नाम खूब चर्चित भी हुए थे। वे आखिरकार इस अभियान में सफल भी हो गए थे। इस कारण बहुत ही कम ही वोट से मोनिका चौकसे पार्षद नहीं बन पाई थी। इस कारण उनकी दावेदारी अध्यक्ष पद के लिए नहीं हो सकी थी। उन्होंने भाजपा के लिए पहले भी बहुत सक्रियता पूर्वक कार्य किए हैं। पहले भी उनका नाम नपाध्यक्ष पद के लिए चलता रहा है। पिछले माहों से उनका नाम महिला मोर्चा के जिलाध्यक्ष पद के लिए चल पड़ा था। अब उन्हें महिला मोर्चा का जिलाध्यक्ष बना दिया गया है। जिससे भाजपा में खुशी का माहौल है।

अस्मिता आश्रय को सुधारने की ओर नहीं है ध्यान

नर्मदापुरम (निप्र)। सेठानी घाट सहित अन्य तमाम घाटों पर जन अभियान परिषद और अन्य संस्थाओं के माध्यम से महिलाओं के नर्मदा तट पर स्नान करने के बाद वस्त्र बदलने के लिए रखे गए अस्मिता आश्रय अब खस्ताहाल होते जा रहे हैं। इनकी मरम्मत के अभाव में इन अस्मिता आश्रय की टूट फूट होती जा रही है। जिसके कारण शहर के अनेक घाटों पर अब फिर महिलाओं को स्नान के बाद वस्त्र बदलने में परेशानी हो रही है। महिलाओं ने मांग की है कि इनकी मरम्मत की जाना चाहिए।

मोबाइल कंपनियों के नेटवर्क में गड़बड़ी

उपभोक्ता हो रहे हैं परेशान

नर्मदापुरम (निप्र)। बीएसएनएल सहित विभिन्न मोबाइल कंपनियों के नेटवर्क में अचानक गड़बड़ी के कारण शुक्रवार को शहर के कई उपभोक्ताओं को परेशान होना पड़ा। सुबह से नेटवर्क ठीक ठाक था लेकिन दोपहर के बाद से लेकर शाम तक नेटवर्क में आई समस्या के कारण फोन लगाने पर बातचीत नहीं हो पा रही थी। किसी नंबर पर फोन लगाने पर किसी अन्य पर बात हो रही थी। कई उपभोक्ता बार बार फोन लगाने का प्रयास कर रहे थे। लेकिन फोन नहीं लग पा रहा था। बताया जा रहा है कि शहर में कुछ स्थानों पर केवल के कट जाने के कारण यह समस्या उत्पन्न हुई है। इसी के साथ नेट नहीं चलने से भी कई लोगों के आवश्यक कार्य प्रभावित हुए।

बिजली की आंख मिचौली से नागरिक परेशान

नर्मदापुरम (निप्र)। बिजली कंपनी के अफसरों की लापरवाही के कारण शहर के उपभोक्ताओं को परेशान होना पड रहा हैं। शुक्रवार को शहर के अधिकांश हिस्से में बार -बार बिजली की आंख मिचौली होती रही। जिससे शहर के ग्वालटोली, बालागंज, कोठीबाजार, सदर बाजार सहित अन्य अनेक वार्ड के नागरिक परेशान होते रहे। इस तरह आए दिन बिजली कंपनी की गड़बडी के कारण लोग परेशान हो रहे हैं। इस परेशानी का कारण शहर की पानी की टंकी के भराने में कमी रह जाती है। जिससे पेयजल संकट की स्थिति बन जाती है।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर सिवनी मालवा में डेयरियों एवं खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण

नर्मदापुरम (निप्र)। वर्षा ऋतु के दौरान आमजन को सुरक्षित एवं गुणवत्तापूर्ण खाद्य सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार गुरुवार, 9 जुलाई को अनुविभागीय दंडाधिकारी सिवनी मालवा के नेतृत्व में राजस्व विभाग एवं खाद्य सुरक्षा प्रशासन के संयुक्त दल द्वारा सिवनी मालवा स्थित डेयरियों एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान ब्रजवासी डेयरी, नमामी डेयरी एवं लववंशी डेयरी से संदेह के आधार पर दूध, मिल्क केक, केसर पेड़ा एवं मावा पेड़ा के नमूने लेकर जांच के लिए सुरक्षित किए गए। सभी नमूनों को परीक्षण हेतु राज्य खाद्य प्रयोगशाला भेजा जा रहा है।खाद्य सुरक्षा प्रशासन ने बताया कि प्रयोगशाला से प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित प्रतिष्ठानों के विरुद्ध खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम के प्रावधानों के अनुसार आवश्यक वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।निरीक्षण दल में नायब तहसीलदार आलोक भद्र, खाद्य सुरक्षा अधिकारी जितेंद्र सिंह राणा एवं कमलेश एस. दियावार शामिल रहे।

कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देश पर क्षतिग्रस्त विद्यालय मार्ग का कराया गया तत्काल सुधार

नर्मदापुरम (निप्र)। कलेक्टर सोमेश मिश्रा के निर्देशानुसार नर्मदापुरम स्थित शासकीय प्राथमिक शाला, कमिश्नर कॉलोनी तक पहुंचने वाले मार्ग का त्वरित सुधार कर विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित किया गया है। उल्लेखनीय है कि निर्माण कार्य के दौरान निर्माण सामग्री के परिवहन के कारण विद्यालय तक पहुंचने वाला मार्ग क्षतिग्रस्त हो गया था। साथ ही सड़क पर कीचड़ फैल जाने से विद्यालय आने-जाने वाले विद्यार्थियों को प्रतिदिन कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था। मामले की जानकारी मिलते ही कलेक्टर सोमेश मिश्रा ने तत्काल आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। निर्देशों के पालन में जिला परियोजना समन्वयक (डीपीसी) राजेश जायसवाल एवं सहायक यंत्री (ए.ई.) दीपक वर्मा ने मौके का निरीक्षण किया तथा संबंधित निर्माण एजेंसी से समन्वय स्थापित कर मार्ग के सुधार एवं मरम्मत का कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराया। मार्ग के सुधार के उपरांत अब विद्यालय आने-जाने वाले विद्यार्थियों के लिए सुरक्षित एवं सुगम आवागमन सुनिश्चित हो गया है।

किसानों का अनिश्चितकालीन आंदोलन जारी

थाली बजाकर शासन प्रशासन को जगाने का प्रयास किया

नर्मदापुरम (निप्र)। भारतीय किसान संघ द्वारा मूंग की 100 प्रतिशत खरीदी की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन आंदोलन किया जा रहा है इसी तारतम्य में संघ के किसानों नें थाली बजा कर सोए हुए शासन प्रशासन को जगाने का प्रयास किया। संघ द्वारा बताया गया कि सोया हुआ प्रशासन और शासन जाग जाए और किसान हित में निर्णय ले अन्यथा और भी उग्र आंदोलन भारतीय किसान संघ करनें वाला है।

मध्यप्रदेश सरकार किसानों के लिए संवेदनशील नहीं

भारतीय किसान संघ के संभागीय उपाध्यक्ष ओमप्रकाश उपाध्याय नें बताया कि मप्र सरकार किसान कल्याण वर्ष मना रही है, लेकिन प्रतीदिन ही किसान परेशान है, सरकार ऐसे निर्णय ले रही है जिससे किसानों का कल्याण होता नहीं दिख रहा है, किसान बाकि बची मूंग को व्यापारियों को बेचनें पर मजबूर होंगे, जिससे लाखों रूपये का फटका लगेगा सरकार और प्रशासन किसानों के प्रति संवेदनशील नहीं है। सरकार 100 प्रतिशत मूंग खरीदे अन्यथा चरणबद्ध आंदोलन के दौरान उग्र प्रदर्शन भी करेंगे। आंदोलन में सिवनी.मालवा एवं शिवपुर तहसील के कार्यकर्ता धरना देनें बैठे।

किसानों नें मेहनत करके मूंग का उत्पादन किया

संघ के जिला सहमंत्री रजत दुबे नें बताया कि किसानों नें गर्मी भर मेहनत करके मूंग का बंपर उत्पादन किया है, 4.5 क्विंटल प्रति एकड़ मूंग का उत्पादन किया है लेकिन सरकार नें घोषित उपार्जन 1 क्विंटल 20 किलो तय किया

जोकि बहुत कम है ऐसे में किसानों को औने पानें दामों में मंडी में बेचना पड़ेगा, मंडी के भाव भी 4500-5000 रूपये चल रहे है जिससे लाखों रूपये का फटका लगेगा सरकार शीघ्रता से शत प्रतिशत मूंग खरीदी की घोषणा करें, अन्यथा प्रतिदिन ही उग्र आंदोलन करेंगे, अभी शांतिपूर्ण आंदोलन चलाए जा रहे है ।

यह रहे उपस्थित

भारतीय किसान संघ के आंदोलन में भारतीय किसान संघ के संभागीय उपाध्यक्ष ओमप्रकाश उपाध्याय जिला अध्यक्ष ओमकार राजपूत जिला मंत्री शंकरसिंह पटेल सहमंत्री रजत दुबे शिवमोहन सिंह रामेश्वर जाट उत्तम पटैल मंगलसिंह राजपूत, इंदराज सिंह गुलाब लोवंशी, कृष्णपुरी गोस्वामी गोपाल पटैल, कमल राय मुकेश चौधरी पुरूषोत्तम पटैल अशोक रघुवंशी संतोष लोवंशी राधाकृष्ण मालवीय अभय गौर दीपक रघुवंशी राकेश जाट राधेश्याम जाट रामविलास रघुवंशी राजेश वर्मा रामकिशोर ढाका रामकिशोर जाट भागीरथ गौर नवीन मालवील मनोज पाल आदि किसान कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक एव ब्यूरों प्रमुख श्री कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस,तलैया भोपाल एव श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं. 21, सेक्टर-एच, इंडस्ट्रियल एरिया, गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा ''शिवरानी भवन'', क्षितिज किरण स्ट्रीट, कोठी बाजार, नर्मदापुरम (होशंगाबाद) से प्रकाशित।
स्थानीय ब्यूरों प्रमुख श्री बलराम शर्मा सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो. 9425025999 (नर्मदापुरम मो. 9926434695) ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com